राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 शरद पवार के खिलाफ अपशद बर्दाश्त नहीं, अजित पवार की.....

महायुति से अलग सुर छेड़ रहे अजित, योगी के बटेंगे तो कटेंगे से बनाई दूरी 12

वर्ष : 12 | अंक : 204 | पटना, शनिवार, 09 नवंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

# उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ लोक आस्था के छठ महापर्व का हुआ समापन

प्रात :किरण

पटना। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ लोक आस्था के चारदिवसीय छठ महापर्व का शुक्रवार को समापन हुआ। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत भी पूरा हुआ। पटना समेत पूरे प्रदेश में श्रद्धालुओं ने घाटों पर जाकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया और छठ पूजा संपन्न की। सुबह 2 बजे से ही गंगा घाटों पर लोगों की भीड़ उमड़ने लगी थी। सभी व्रती पूजा की सामग्री लेकर घाट पहुंच रहे थे। इससे पहले गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया था। राजधानी पटना में गंगा सहित अन्य नदियों, जलाशयों एवं बांस घाट, कच्ची तालाब, पंच शिव मंदिर तालाब, माणिक चंद तालाब, चिड़िया घर समेत अन्य छठ घाटों पर लाखों की संख्या में छठ व्रती सूर्योदय होने के साथ ही भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। पटना समेत भागलपुर, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, गया, बेगूसराय, दरभंगा, मोतिहारी, छपरा, गोपालगंज, मधुबनी समेत अन्य जिलों में बने छठ घाटों पर व्रती ने भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया।

पटना के अलावा बक्सर, वैशाली, मुजफ्फरपुर, मुंगेर, भागलपुर जैसे शहरों

में भी छठ के मौके पर घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। कई लोगों ने घरों की छतों और तालाबों में भी छठ पूजा की। यह महापर्व चार दिनों तक चलता है। इस दौरान व्रती कठोर उपवास रखते हैं और सूर्य देव की आराधना करते हैं। लोग नए कपड़े पहनकर घाटों पर पहुंचे और पूरे विधि-विधान से पूजा की। वहीं महिलाओं ने छठ पूजा के दौरान लोकगीत की गाए। औरंगाबाद में भी सूर्य नगरी देव समेत शहर में भी लाखों व्रतियों ने उदयीमान सूर्य को आज अपना दूसरा अर्घ्य अर्पित किया। कई व्रती अपने अपने घर की छतों के ऊपर ही बने जल कुंड में भगवान भाष्कर को अपना दूसरा अर्घ्य अर्पण करते दिखे। बता दें, छठ पूजा का अनुष्ठान करने का एक अलग ही महत्व है। ऐसी मान्यता है कि भगवान सूर्य यहां साक्षात विद्यमान हैं। जो कोई सच्चे मन से छठी मईया की पूजा अराधना करता है, भगवान उनकी मनोकामना पूरी करते हैं।

**सुबह दो बजे से ही घाटों पर उमड़ने लगी भीड़ :**

राजधानी के गंगा छठ घाटों के अलावे कई तालाबों में भी सुबह दो बजे से ही लोगों का पहुंचना जारी रहा। लोग पहुंचते रहे और छठ घाटों पर प्रसाद के सूप और डालों को सजाकर लोग रखते गए। छठ व्रत करने वाले व्रती पानी में उतर कर भगवान भास्कर के उगने का इंतजार करते दिखे और इस दौरान छठव्रती सूर्य की उपासना करते नजर आये। गंगा नदी व तालाबों में भी काफी भीड़ पहुंची थी। इस दौरान छठ घाटों पर पूजा समितियों ने तालाबों को बेहतर ढंग से सजाया था ,रंगीन बल्बों और झालरों से सजा तालाबो का छठ घाट आकर्षक नजर आ रहा था। छठ व्रत के चौथे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद इस व्रत के पारण का विधान है। चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन तप और व्रत के माध्यम से हर साधक अपने घर-परिवार और विशेष रूप से अपनी संतान की मंगलकामना करता है। भगवान भास्कर का अर्घ्य देने के बाद घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने व्रतियों से ठेकुआ का प्रसाद प्राप्त किया।

## मुख्यमंत्री ने भगवान भास्कर को अर्घ्य किया अर्पित

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोक आस्था का महापर्व छठ के अंतिम दिन शुक्रवार को अहले सुबह अपने आवास 1 अणे मार्ग स्थित तालाब में पूरी श्रद्धा के साथ उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया तथा ईश्वर से राज्य एवं देशवासियों की सुख, शांति एवं समृद्धि के लिये प्रार्थना की। आज राज्य के विभिन्न नदियों एवं तालाबों में बड़ी संख्या में छठव्रतियों ने उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया और शांति एवं श्रद्धा के वातावरण में लोक आस्था का महापर्व छठ सम्पन्न हुआ। इससे पहले 1 अणे मार्ग स्थित आवास में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने परिवार के निकट सदस्यों के साथ गुरूवार को शाम अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया तथा राज्यवासियों की सुख, शांति एवं समृद्धि के लिये ईश्वर से प्रार्थना की।

## संक्षिप्त खबरें

### सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को घेरा, मुठभेड़ जारी

श्रीनगर। कश्मीर के सोपोर इलाके में छिपे हुए आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गुरुवार को मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सोपोर के पानीपोरा इलाके में छिपे हुए आतंकवादियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने संयुक्त अभियान शुरू किया। जब सुरक्षा बल छिपे हुए आतंकवादियों के करीब पहुंचे, तो उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने जवाबी गोलीबारी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। खबर लिखे जाने तक मुठभेड़ जारी थी। माना जा रहा है कि दो-तीन आतंकवादियों का एक समूह फंसा हुआ है। आतंकवादियों द्वारा किए गए कई हमलों के बाद हाल के दिनों में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। पिछले 48 घंटे में दो आतंकवादी मारे गए, एक कुपवाड़ा जिले के लोलाब इलाके में और दूसरा बांदीपोरा जिले के केटसन के जंगलों में। गत 20 अक्टूबर को गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में एक बुनियादी ढांचा परियोजना कंपनी के श्रमिक शिविर पर हमला कर के आतंकवादियों ने सात लोगों की हत्या कर दी थी। इसके बाद 24 अक्टूबर को बारामूला जिले के गुलमर्ग के बूटा पाथरी इलाके में आतंकवादियों ने सेना के एक वाहन पर हमला कर तीन सैनिकों और दो असैन्य पोर्टरों की हत्या कर दी थी।

## पीएम ने महाराष्ट्र में चुनावी सभा में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस पर साधा निशाना

# दुनिया की कोई भी ताकत कश्मीर में अनुच्छेद 370 की वापसी नहीं करा सकती : मोदी

प्रात :किरण

धुले/ एजेंसी । जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 को लेकर मचे कोहराम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के धुले में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस पर जोरदार प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में केवल बाबा साहेब अंबेडकर का ही संविधान चलेगा। दुनिया की कोई भी ताकत कश्मीर में आर्टिकल 370 की वापसी नहीं करा सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इंडी ब्लॉक वालों को जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का मौका मिला, वो कश्मीर को लेकर फिर से नई साजिशें करने लगे हैं। दो- तीन दिन पहले आपने टीवी में देखा होगा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में क्या कुछ हुआ। कांग्रेस-एनसी गठबंधन ने वहां फिर से आर्टिकल 370 लागू करने का प्रस्ताव पारित किया है। क्या

ये देश स्वीकार करेगा। कश्मीर को तोड़ने का कांग्रेस का ये कारनामा आपको मंजूर है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आर्टिकल 370 के समर्थन में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बैनर लहराए गए। जब भाजपा के विधायकों ने जी जान से उसका विरोध किया, उन्हें उठा-उठाकर के सदन के बाहर फेंक दिया गया। कांग्रेस और उनके सहयोगी की ये घिनौनी सच्चाई पूरे देश और महाराष्ट्र को समझनी होगी। कांग्रेस-एनसी गठबंधन एक तरफ जम्मू-कश्मीर से भारत के संविधान हटाने का प्रस्ताव पास करता है। कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में बाबा साहेब का संविधान नहीं चाहती है। कांग्रेस गठबंधन महाराष्ट्र में आकर संविधान की झूठी किताब लहराती है। पीएम

**कश्मीर को लेकर अलगावादियों की भाषा मत बोलो :**

मोदी ने कहा कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी वालों से कहना चाहता हूं कि पाकिस्तान के एजेंडे को देश में बढ़ावा देने की कोशिश मत करो। कश्मीर को लेकर अलगावादियों की भाषा मत बोलो। याद रखो तुम्हारे मंसूबे कामयाब नहीं होंगे और जब तक मोदी पर जनता जर्नादन का आशीर्वाद है, कांग्रेस वाले कश्मीर में कुछ नहीं कर पाएंगे। कश्मीर पर केवल बाबा साहेब अंबेडकर का ही संविधान चलेगा। ये मोदी का फैसला है, दुनिया की कोई भी ताकत कश्मीर में आर्टिकल 370 की वापसी नहीं करा सकती है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय बाबा साहेब दलितों और वंचितों के लिए आरक्षण चाहते थे। लेकिन, नेहरू जी इस बात पर अड़े थे किसी भी कीमत पर दलितों, पिछड़ों और वंचितों को आरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए। बहुत मुश्किल से बाबा साहेब दलितों और आदिवासियों के लिए आरक्षण का प्रावधान कर पाए थे। नेहरू जी के बाद इंदिरा जी आईं और उन्होंने भी आरक्षण के खिलाफ ऐसा ही रवैया जारी रखा था। ये लोग चाहते थे कि एससी, एसटी,ओबीसी हमेशा कमजोर रहे। इंदिरा जी के बाद राजीव गांधी ने भी ओबीसी आरक्षण का खुलकर विरोध किया था। ये लोग जानते थे कि एससी,एसटी और ओबीसी मजबूत हो गए तो उनकी राजनीति की दुकान का शटर गिर जाएगा। राजीव गांधी के बाद अब इस परिवार की चौथी पीढ़ी, इनका युवराज इसी खतरनाक भावना के साथ काम कर रहे हैं। कांग्रेस का एकमात्र एजेंडा है, किसी भी तरह एससी, एसटी समाज की एकता को तोड़ें, ओबीसी समाज की एकता को चकनाचूर कर दें। कांग्रेस चाहती है कि एससी समाज अलग-अलग जातियों में बिखरा रहे, ताकि एससी समाज की सामूहिक शक्ति कमजोर पड़ जाए। कांग्रेस ओबीसी और एसटी समाज को भी अलग-अलग जातियों में बांटने की कोशिश कर रही है।

# सुप्रीम कोर्ट ने एएमयू का अल्पसंख्यक दर्जा बरकरार रखा

## उच्चतम न्यायालय ने 4-3 के बहुमत से सुनाया फैसला

प्रात :किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा बकरार रखा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की बेंच ने 4-3 के बहुमत से यह फैसला सुनाया है। इस बेंच के तीन जज फैसले के खिलाफ थे। भारत के मुख्य मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में से खुद सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, जेडी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने संविधान के अनुच्छेद 30 के मुताबिक एएमयू के अल्पसंख्यक संस्थान के दर्जे को बरकरार रखने के पक्ष में फैसला दिया है। सीजेआई ने कहा कि कोई भी धार्मिक समुदाय संस्थान की स्थापना कर सकता है, लेकिन चला नहीं सकता। संस्थान की स्थापना सरकारी नियमों के मुताबिक की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय संविधान के अनुच्छेद 30 के तहत अल्पसंख्यक दर्जे का हकदार है। आगे कहा कि अनुच्छेद 30 कमजोर हो जाएगा अगर यह केवल उन संस्थानों पर लागू होता है जो संविधान लागू होने के बाद स्थापित किए गए हैं। सीजेआई का कहना है कि एसजी ने कहा है कि संघ इस प्रारंभिक आपत्ति पर जोर नहीं दे रहा है कि सात न्यायाधीशों को संदर्भ नहीं दिया जा सकता। इस बात पर विवाद नहीं किया जा सकता कि अनुच्छेद 30 अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव न किए जाने की गारंटी देता है। सवाल यह है कि क्या इसमें गैर-भेदभाव के अधिकार के साथ-साथ कोई विशेष अधिकार भी है।

**सुप्रीम कोर्ट ने 1967 का अपना फैसला पलटा**

उच्चतम न्यायालय ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय मामले में 1967 का अपना एक फैसला पलटते हुए शुक्रवार को कहा कि किसी संस्थान को सिर्फ इसलिए अल्पसंख्यक दर्जा देने से इनकार नहीं किया जा सकता कि वह संसदीय कानून द्वारा स्थापित किया गया है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय संविधान पीठ ने बहुमत के आधार पर अजीज बाशा मामले में 1967 के फैसले को खारिज कर दिया, जो अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को कानून द्वारा बनाए जाने के कारण अल्पसंख्यक दर्जा से वंचित करने का आधार बना था। पीठ ने कहा कि अल्पसंख्यक संस्थान की स्थापना अल्पसंख्यक द्वारा की जा सकती है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसे अल्पसंख्यक सदस्यों द्वारा ही प्रशासित किया जाए।

## संबोधन

राष्ट्रपति ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह को किया संबोधित.....

# भ्रष्टाचार एक बीमारी, जड़ से खत्म किया जाना जरूरी: मुर्मु

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली/ एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भ्रष्टाचार को एक बड़ी बीमारी करार देते हुए कहा कि इसे जड़ से खत्म किया जाना चाहिए। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर अपने संबोधन में यह बात कही। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अनेक पहल की हैं। इस संदर्भ में उन्होंने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना, ई मार्केटप्लेस और आर्थिक अपराधी अधिनियम जैसी पहलों का उल्लेख किया। राष्ट्रपति ने कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि विश्वास किसी भी समाज की नींव होता है जबकि भ्रष्टाचार समाज में विश्वास को कम करता है। केंद्रीय सतर्कता आयुक्त पी.के श्रीवास्तव ने इस अवसर पर कहा कि सरकार की भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति है। उन्होंने कहा कि शिकायतों के शीघ्र निपटारे

के लिए कई उपाय किये गये हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सतर्कता आयोग ने कर्मचारियों की क्षमता निर्माण पर भी जोर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रक्रियाओं को भी सरल बनाया जा रहा है। कहा कि भारतीय समाज में ईमानदारी और अनुशासन को जीवन का आदर्श माना जाता है। लगभग 2300 साल पहले मेगस्थनीज ने भारतीय लोगों के बारे में लिखा था कि वे अनुशासनहीनता को नापसंद करते हैं और कानून का पालन करते हैं। उनके जीवन में सादगी और तपस्या सन्निहित है। फाहियान ने हमारे पूर्वजों के बारे में इसी तरह का उल्लेख किया है। इस संदर्भ में केन्द्रीय सतर्कता आयोग की इस वर्ष की विषय वस्तु राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति बहुत उपयुक्त है। राष्ट्रपति ने कहा कि विश्वास सामाजिक जीवन की नींव है। यह एकता का स्त्रोत है। सरकार के काम और कल्याणकारी योजनाओं में जनता का विश्वास शासन की शक्ति का स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार न केवल आर्थिक प्रगति में बाधा है, बल्कि यह समाज में विश्वास को भी कम करता है। यह लोगों में भाईचारे की भावना को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है। इसका देश की एकता और अखंडता पर भी व्यापक प्रभाव पड़ता है। हर वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती पर हम देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लेते हैं। यह केवल एक रस्म तक सीमित नहीं है। यह गंभीरता से लिया जाने वाला संकल्प है। इसे पूरा करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि नैतिकता भारतीय समाज का आदर्श है। जब कुछ लोग वस्तुओं, धन या संपत्ति के संचय को अच्छे जीवन का मानक मानने लगते हैं, तो वे इस आदर्श से भटक जाते हैं और भ्रष्ट गतिविधियों का सहारा लेते हैं। बुनियादी जरूरतों को पूरा करके आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने में ही वास्तविक खुशी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत सरकार की भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टोलरेंस की नीति भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त कर देगी।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भ्रष्ट व्यक्तियों के विरुद्ध त्वरित कानूनी कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। कार्रवाई में देरी या कमजोर कार्रवाई से अनैतिक व्यक्तियों को बढ़ावा मिलता है, लेकिन यह भी आवश्यक है कि हर कार्य और व्यक्ति को संदेह की दृष्टि से न देखा जाए।

# जयशंकर की प्रेस वार्ता को कनाडा ने किया ब्लॉक, भारत ने लगाई फटकार

## ऑस्ट्रेलियाई न्यूज आउटलेट ने की आलोचना

प्रात :किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया टुडे ने उसके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ब्लॉक करने के कनाडाई सरकार के फैसले की आलोचना की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनकी ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग के प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद आउटलेट के सोशल मीडिया हैंडल और कुछ पेजों को कनाडा ने ब्लॉक कर दिया था। वहीं गुरुवार को भारत ने भी कनाडा सरकार के फैसले की आलोचना की। अपने बयान में, ऑस्ट्रेलिया टुडे ने दुनिया भर से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। ऑस्ट्रेलियाई न्यूज आउटलेट ने एक पोस्ट में कहा, कनाडाई सरकार के कामों से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद, हम इन बाधाओं से प्रभावित हुए बिना, महत्वपूर्ण स्टोरी और आवाजों को जनता तक पहुंचाने के अपने मिशन में अटल हैं। ऑस्ट्रेलिया टुडे ने बयान में अपनी टीम और समर्थकों पर कनाडाई फैसले के प्रभाव को स्वीकार किया। आउटलेट ने बढ़ती मीडिया सेंसरशिप के युग में पत्रकारिता की स्वतंत्रता की रक्षा के महत्व पर जोर दिया। आउटलेट ने कहा, कनाडाई सरकार की हालिया कार्रवाई हमारी टीम और उन लोगों के लिए कठिनाई भरी रही जो स्वतंत्र और खुली पत्रकारिता को महत्व देते हैं। हालांकि, हमें जो जबरदस्त समर्थन मिला है, वह #फ्री प्रेस के महत्व का एक शक्तिशाली अनुस्मारक है। प्रबंध संपादक जितार्थ जय भारद्वाज ने आउटलेट के वैश्विक दर्शकों द्वारा दिखाई गई एकजुटता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, इन प्रतिबंधों के बावजूद, आपका अटूट समर्थन हमारे लिए ताकत का प्रतीक रहा है। भारद्वाज ने प्रेस की स्वतंत्रता और पारदर्शिता के लिए जारी वकालत की भी गहरी तारीफ की और इस बात पर जोर दिया कि आउटलेट बाहरी दबावों से प्रभावित नहीं होगा। उन्होंने ह्यूमन एक खुले और समावेशी मीडिया परिदृश्य की वकालत करना जारी रखेंगे। इस बीच विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि इस घटना ने कनाडा के पाखंड

# सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मामले में केंद्र को जारी किया नोटिस

रांची/नई दिल्ली/ एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ की जांच से जुड़े मुद्दे में राज्य सरकार की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। झारखंड हाईकोर्ट ने इस मामले में एक जनहित याचिका पर 20 सितंबर को सुनवाई पूरी करने के बाद घुसपैठ की जांच के लिए केंद्र और राज्य सरकार की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाने का आदेश दिया था। झारखंड की सरकार ने हाईकोर्ट के इसी फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस ए. अमानुल्ला की बेंच ने इस मामले में केंद्र सरकार को पक्ष रखने को कहा है और मामले की सुनवाई तीन दिसंबर तय की है। झारखंड हाईकोर्ट ने अपने आदेश में फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के लिए राज्य सरकार को दो अधिकारियों का नाम सुझाने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस आदेश पर अगले दो हफ्ते तक रोक लगाने का आदेश दिया है। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने जोर देकर कहा था कि झारखंड सीमावर्ती राज्य नहीं है। हाईकोर्ट का आदेश राज्य में हो रहे विधानसभा चुनावों में भाषणों का विषय बन गया है। उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार ने झारखंड में घुसपैठ का जो दावा किया है, वह आंकड़ों पर आधारित नहीं है। ऐसे में फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के गठन का हाईकोर्ट का आदेश अवैध प्रवास के मुद्दे से निपटने की राज्य सरकार की स्वायत्तता और शक्ति में हस्तक्षेप होगा। राज्य सरकार के पास इस समस्या से निपटने के लिए कानून के तहत स्वतंत्र अधिकार हैं। सिब्बल ने झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर झारखंड हाईकोर्ट में जमशेदपुर निवासी दानियल दानिश ने जनहित याचिका दायर की थी। याचिका में गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, दुमका, साहिबगंज और देवघर जिले में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवास और घुसपैठ का आरोप लगाया गया था। इस पर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कहा था कि संथाल परगना समेत झारखंड के कई इलाकों में आबादी का संतुलन बिगड़ा है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com



# अर्घ्य देने जा रहे खुले नाला में व्रती के ई-रिक्शा पर रखा पूजा सामग्री गिरा

■ सैदपुर नाला को मुसल्लहपुर से जोड़ने वाले मार्ग को संवेदक ने नहीं किया पूरा
प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी। पटना नगर निगम के वार्ड 48 के लोहरवा गली में सैदपुर नाला से मुसल्लहपुर हाट तक नगर निगम द्वारा पीसीसी रोड का निर्माण कराया जा रहा है। महीनों पहले कार्य शुरू किया गया था, जिसे करीब 25 प्रतिशत काम करने के बाद छोड़ दिया गया। इस सड़क के बीचोबीच लगभग सात फीट का नाला भी खुला छोड़ दिया गया है। यह रोड सैदपुर नाला को मुसल्लहपुर रोड से जोड़ती है। इस क्षेत्र का यह एक मुख्य सड़क है, जिस पर प्रतिदिन हजारों लोगों का आना-जाना होता है। छठ पर आने-जाने में लोगों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पहली अर्घ्य को व्रतियों का सामान ई-रिक्शा से गंगा के घाट पर ले जाया जा रहा था। इस क्रम में ई-रिक्शा इस खुला नाला में गिर गया। इससे खासा परेशानी हुई। लोगों ने मदद कर समान को निकालना और ई रिक्शा के सही करने में मदद की। पाटलिपुत्रा नगर विकास समिति के अध्यक्ष रितेश कुमार बबलू ने इस संबंध में शिकायत संबंधित वार्ड पार्षद इंद्रदीप चंद्रवंशी को किया। उन्होंने तुरंत नगर आयुक्त को कॉल कर संबंधित कार्यपालक अभियंता और संवेदक की शिकायत करते हुए अविलंब इस अधूरे निर्माण कार्य को पूरा कराने का आग्रह किया। वार्ड पार्षद सह स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य इंद्रदीप चंद्रवंशी ने निगम आयुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि वार्ड संख्या 48 के लोहार लेन में संवेदक ने काम अधूरा छोड़ दिया है। लोगों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कार्यपालक अभियंता का संवेदक पर कोई नियंत्रण नहीं है। संवेदक की मनमानी के कारण छठ महापर्व में व्रतधारी को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कार्यपालक अभियंता को आवश्यक निर्देश दिया जाए, ताकि योजना को जल्द पूरा किया जाए।

# उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के बाद व्रती ने तोड़ा उपवास

## गंगा के विभिन्न घाटों पर पुलिस प्रशासन व पूजा समिति रहे मुस्तैद

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। लोक आस्था का महापर्व छठ का अनुष्ठान शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। पारंपरिक छठ गीतों के बीच व्रती पानी में खड़े होकर गुरुवार को अपराह्न पहले डूबते और फिर शुक्रवार को उगते भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। गंगा के विभिन्न घाटों पर आगे में जगह पाने के लिए भारती के परिवार के सदस्य दौरा लेकर मध्य रात्रि के बाद दो बजे से ही गंगा के विभिन्न घाटों पर पहुंचने लगे थे। यह सिलसिला सुबह सात बजे तक जारी रहा।

अनेक घाटों पर दउरा को लंबे लाइन में लगाया गया था। हालांकि सुबह पांच बजे से ही व्रती गंगा नदी में प्रवेश कर भगवान भास्कर के उदय होने की प्रार्थना करने लगीं। जैसे ही सूर्य की किरणें आसमान में लालिमा बिखरी, वैसे ही लोगों के मुख से जयकारा लगना शुरू हो गया। इसके बाद व्रती के साथ आए सुहागन महिलाओं ने उनकी आंचल में अयपन, सिंदूर, अंकुरित चना आदि दिया। उन्हें सिंदूर से मांग टीका गया। इसके बाद फल, फूल, ठेकुआ, नारियल, कसार, केला आदि से सजे सूप को उनके दोनों हथेली पर रखा गया। श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य की ओर देखते हुए दूध और गंगाजल से अर्घ्य देने का काम किया। हालांकि सूर्योदय के बाद भीड़ वाले घाटों पर पूर्वाह्न नौ बजे तक अर्घ्य दिए जाने का क्रम चलता रहा।इसके बाद व्रतियों ने मां गंगा को भी केला और ठेकुआ भोग अर्पित किया। उनकी आराधना की। जलता दीपक गंगा नदी में छोड़कर उनकी आराधना की गई। इसके बाद घाट किनारे गोइठा पर हुमाद और कपूर की मदद से भगवान भास्कर की आरती उतारी गई। कोसी बनाकर पूजा-अर्चना की गई। व्रतियों ने ठेकुआ, केला, आदी ग्रहण कर और शरबत पीकर अपना उपवास तोड़ा। इस दौरान व्रतियों से टीका लगवाने, पैर छूकर आशीर्वाद लेने और प्रसाद पाने की भी होड़ लोगों में गंगा किनारे देखा गया। जो लोग घाट किनारे नहीं जा सके, वह उनके घर पर पहुंचकर आशीष लेने का काम किया। पूजा समाप्त होने के बाद घर लौट के दौरान भारती के साथ रहे परिवार के सदस्यों ने सामूहिक फोटो भी खिंचवाने का काम किया।

## संक्षिप्त खबरें

### भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर की गई पूजा-अर्चना

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। आधा दर्जन से अधिक मुहल्लों में छठ को लेकर भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित की गई। गुरुवार को प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना कर प्राण प्रतिष्ठा की गई। बालू घाट स्थित सूर्य नारायण मंदिर में भी पूजा-अर्चना हुई। इसमें संयोजक शैलेंद्र कुमार सिंह व गणेश कुमार की देखरेख में लोग सक्रिय थे। गुरु गोविंद सिंह पथ के आरपीएम कॉलेज चौराहा के पास भी भव्य प्रतिमा स्थापित कर भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना की गई। यहां पर सजावट भी बेहतर तरीके से की गई है। फाइव स्टार नवयुवक संघ गुलजारबाग स्टेशन रोड के द्वारा भी भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई इन प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर भी रविवार तक जारी रहने की संभावना है।

### गायघाट मरीन ड्राइव पर कार व बाइक की टक्कर में सवार घायल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। आलमगंज थाना क्षेत्र के मरीन ड्राइव यानी जेपी सेतु पर गायघाट के ऊपर दो वाहनों के बीच टक्कर हो गई। इस दौरान कार से टक्कर लगने के कारण जहां मोटरसाइकिल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं उसे पर सवार भी घायल हो गया है। जैसे ही डायल 112 को सूचना दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस ने कार सवार को आलमगंज थाना पहुंचाया है, जबकि घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। बताया जाता है कि बाइक सवार युवक स्विगी का फूड डिलीवरी ब्वाय है। वह डिलीवरी पार्सल लेकर जा रहा था और गलत दिशा से आ रहे कार ने उसे टक्कर मार दिया। घायल की पहचान हिलसा थाना क्षेत्र के बांसबीघा के रहने वाले नीतीश कुमार के रूप में की गई है। फिलहाल वह जगनपुरा में रह कर डिलीवरी ब्वाय के रूप में काम करता है। कर सवार के बारे में डायल 112 ने बताया कि वह अपने को सीआईडी का डीएसपी बता रहे थे।

# कंगन घाट व अन्य घाटों पर श्रद्धालुओं को रोके जाने से आक्रोश

■ एसडीओ, एएसपी व डीएसपी करते रहे लगातार निगरानी, ईओ भी सक्रिय
प्रातः किरण संवाददाता

चौक थाना क्षेत्र के कंगन घाट पर अर्घ्य अर्पित करने आए व्रतियों और श्रद्धालुओं को यहां तैनात पुलिस वालों के द्वारा रोका गया। यहां व्रती के साथ श्रद्धालुओं की खासा भीड़ पूजा के लिए उमड़ती है। थाना के तैनात पुलिसकर्मी व रैफ के जवानों के द्वारा घाट पर जाने से रोका गया। अर्घ्य अर्पित करने पहुंचे लोगों को पश्चिम में झाऊगंज घाट जाने को कहा जा रहा था। पुलिस प्रशासन की इस रवैये को लेकर अर्घ्य अर्पित करने आए लोगों में आक्रोश देखा गया। टेढ़ी घाट पर भी लोगों की अधिक भीड़ हो जाने के बाद यहां तैनात इस के जवानों के द्वारा अकेले जा रहे किशोर व युवाओं को रोकने का काम किया गया। दूसरी ओर गायघाट पर संवेदक की मनमानी देखी गई। पूजा समिति के सदस्यों को भी संवेदक कार्य करने से रोक रहा था। इस कारण से भी लोगों में आक्रोश कायम था। दूसरी और गंगा घाटों पर सुरक्षित अर्घ्य अर्पित कराने के लिए की गयी प्रशासनिक तैयारियों के बीच एसडीओ सत्यम सहाय, एएसपी अतुलेश झा और डीएसपी-2 डॉ गौरव कुमार आदि प्रशासनिक पदाधिकारी गंगा घाटों का निरीक्षण किया।

इस दौरान गंगा घाटों पर गोताखोर, एनडीआरएफ की देखरेख में मेडिकल टीम व एसडीआरएफ की टीम गंगा में गश्त करती रही। साथ ही व्रतियों की सेवा के लिए सामाजिक संगठन के लोग भी सक्रिय थे। प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब की ओर से व्रतियों के लिए चाय व बिस्कुट का स्टॉल लगाया गया था। इसमें सुबह अर्घ्य अर्पित कर लौटे लोगों के बीच तेजेंद्र सिंह बंटी, दीपक सिंह, बलराम सिंह, बलबंत सिंह खालसा, अजायब सिंह के साथ दर्जनों सेवादारों ने सेवा दी।

# लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न

■ श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास समाप्त हुआ
प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। शहर में लगभग सभी गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोग सुबह से ही घाटों पर पहुंचने लगे थे। कई लोगों ने घरों की छतों पर भी छठ पूजा की। शुक्रवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ समापन हुआ। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत भी पूरा हुआ। शहर में श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों पर जाकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया और छठ पूजा संपन्न की। सुबह 3 बजे से ही गंगा घाटों पर लोगों की भीड़ उमड़ने लगी थी। सभी व्रती पूजा की सामग्री लेकर घाट पहुंच रहे थे। इससे पहले गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया था। वहीं नगर परिषद और पुलिस-प्रशासन मुस्तैद रही। जिससे छठ पूजा शांति पूर्वक संपन्न हुआ। कई सामाजिक संगठनों द्वारा जहां-जहां श्रद्धालुओं के लिए चाय-कॉफी का निःशुल्क वितरण किया गया। वहीं कटैया घाट के पास सेवन स्टार क्लब के काउंटर का उद्घाटन मुख्य पार्षद रूपा कुमारी ने किया। इस मौके पर कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# महिला सूप में जल रहे दीपक की चपेट में आकर झूलस गई

प्रातः किरण, संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत गुरूवार की शाम नगर के कचहरी घाट पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने पहुंची एक महिला सूप में जल रहे दीपक की चपेट में आकर झूलस गई। जिसे आनन फानन में स्थानीय अस्पताल ले जाया गया मगर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार सगुना मोड़ के द्रावीलेन निवासी रमेश प्रसाद की 50 वर्षीय पत्नी तारा देवी कचहरी घाट पर छठ पूजा करने गई थी। सूप में जल रहा दीपक उसके साड़ी में आग पकड़ लिया। आसपास मौजूद लोग उसकी साड़ी से आग बुझा पाते तबतक वह झूलस गई। वहां मौजूद पुलिस व अन्य लोगों ने उसे पास के मिलिट्री अस्पताल ले गये जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएत रेफर कर दिया। दानापुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया कि तारा देवी नामक महिला घाट पर दीपक जलाने के क्रम में साड़ी में आग लग जाने से जल गई। पीएमसीएच में इलाजरत है और खतरे से बाहर है।

# संगठनों ने की व्रतियों की सेवा

प्रातः किरण संवाददाता

हिन्दू-मुस्लिम एकता विचार मंच की ओर से पश्चिम दरवाजा में सेवा शिविर लगाया गया। इसमें मेडिकल कैंप के साथ व्रतियों के बीच चाय व बिस्कुट का वितरण किया गया। इससे पहले सदस्यों ने सड़क की सफाई भी की। शिविर का उद्घघाटन एसडीओ सत्यम सहाय ने किया। इस दौरान डीएसपी-2 डॉ गौरव कुमार भी पहुंचे। आयोजन में शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैयद अफजल अब्बास भी शामिल हुए. इसका संचालन संजय अलबेला ने किया। आयोजन में रामजी योगेश, पूर्व पार्षद बलराम चौधरी, मो इलियास बाबर, मो मुख्तार, मोहम्मद जावेद, डॉ शोएब, अंजू सिंह, सबा करीम, आफताब आलम गुड्डू, शारीफ अहमद रंगरेज, सैयद फिरोज हसन, शमीम अख्तर, इबरार अहमद रजा, संदीप शाह, हसन अली, संतोष शर्मा, अब्दुल कादिर खान, शादाब आदि शामिल हुए। अतिथियों का स्वागत शमशेर खान ने किया। कसेरा टोली में श्री छठ पूजा सेवा समिति ने और गंगा भ्रमण समिति के द्वारा भी सेवा शिविर लगा व्रती और श्रद्धालुओं के बीच चाय व बिस्कुट का वितरण किया गया।

### काली प्रतिमा को निकला विसर्जन शोभायात्रा, किया सम्मानित

पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता।भद्र घाट एवं अन्य स्थानों पर स्थापित भगवती काली और महालक्ष्मी की प्रतिमा का विसर्जन शुक्रवार को किया गया। दोपहर से शुरू हुए विसर्जन का दौरा रात तक जारी रहा हालांकि इसके रविवार तक चलने की संभावना है। श्री श्री 108 काली पूजा समिति, भद्र घाट की ओर से स्थापित भगवती काली की प्रतिमा का विसर्जन शोभायात्रा निकाला गया। अध्यक्ष मिथलेश शर्मा की अध्यक्षता में निकले शोभायात्रा में पूर्व पार्षद लल्लू शर्मा, शशि शर्मा के साथ अन्य लोगों को सम्राट अशोक सेवा समिति के द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में अध्यक्ष मनोज शर्मा, सचिव मुकेश कुमार ठाकुर, कोषाध्यक्ष बाबू भाई, उपाध्यक्ष शाहीद अंसारी, उपाध्यक्ष मुन्ना सरकार, महासचिव सत्यनारायण, संजय मालाकार, महेश कुमार, विक्की शर्मा, आलोक झा आदि थे। निकले शोभायात्रा के करण छठ व्रत पर अपने रिश्तेदारों के यहां गए लोग जब अशोक राजपथ से लौटने लगे तो उन्हें जाम में फंसना पड़ा।

# छठ के पारण पर व्रती व श्रद्धालुओं को सामूहिक भोजन कराया

## पिछले सात साल से कस्तूरबा नगर कालोनी में कर रहे हैं आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी ।चार दिनों के सूयोर्पासना का पर्व छठ के दौरान परिवार के सदस्य भी खासा थक जाते हैं।ऐसे में सुबह के अर्घ्य वाले दिन घर पर खाना बनाना मुश्किल हो जाता है। अधिकांश लोग बाजार से ही कचौड़ी, जलेबी या अन्य खाद्य सामग्री लाकर ग्रहण करते हैं।मगर कुछऐसे भी हैं, जो घर के पास छठ व्रती और श्रद्धालुओं से लेकर अन्य लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था किया करते हैं।

कस्तूरबा नगर कॉलोनी, रोड नम्बर दो में लोक आस्था के महापर्व छठ के प्रातःकालीन अर्घ्य के बाद श्रीश्री छठ पूजा समिति, कस्तूरबा नगर की ओर से छठ व्रतियों और उनके परिवार के बीच शाकाहारी भोजन का आयोजन किया गया। इसमें मुहल्ले वासियों ने भोजन का आनंद लिया। इस अवसर पर पूजा समिति के संस्थापक पंकज पोद्दार ने बताया कि यह कार्यक्रम लगातार 2018 से चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इस लोक आस्था के पर्व पर चार दिनों से लगातार पूजा के क्रम में लोग थक जाते हैं। इसे देखते हुए एक ही जगह पर भोजन की व्यवस्था समिति के द्वारा की जाती है, ताकि इन्हें घर पर भोजन बनाने के लिए मेहनत नहीं करना पड़े। समिति के संरक्षक रितेश कुमार बबलू ने समिति के संस्थापक तथा सभी सदस्यों की इस सच्ची साधना की प्रशंसा की है। इस अवसर पर छठ समिति के अमरेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, रंजन कुमार, डॉ आरएन सिंह, डॉ आरसी सिंह, शैलेश कुमार, पंखुड़ी कुमारी, सुमन कुमारी, राहुल आनंद, अनिता वर्मा, सोनी नंदा, सुप्रीति, पूनम कुमारी, रुबी कुमारी, गोपाल कुमार, अमित कुमार, देवेंद्र भारती आदि ने अपनी सेवाएं दीं।

# उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते 51 छठ व्रतियों का संकल्प व्रत पूरा

प्रातः किरण संवाददाता

सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था नई दिशा परिवार ने शुक्रवार को महावीर घाट पिलर संख्या 147 के समीप उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही नई दिशा परिवार की 51 छठ व्रतियों का 36 घंटे का निराहार व्रत पूरा हुआ। इसके बाद व्रतियों ने अन्न ग्रहण किया। इस अवसर पर समाजसेवी कमलनयन श्रीवास्तव, राजेश बल्लभ, राजेश राज, मनोज गुप्ता सहित गण्मान्य लोग मौजूद रहे। संस्था के हृदय में हस्तक्षेप सदस्य के द्वारा विगत 16 वर्षों से 51 महिलाओं का छठ व्रत जनसहयोग से कराया जा रहा है। व्रती महिलाओं के आवासन, पूजन सामग्री तथा अन्य सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। आयोजन में रितु राज, सपना रानी, सोनी प्रिया, संजना आर्या, प्रियांशी, अभिषेक श्रीवास्तव, उज्जवल राज, उजाला राज, परितोष सर, मुकेश वर्मा, आशीष सिन्हा, अजय वर्मा आदि सक्रिय रहे।

# गांधी सरोवर घाट पर कम संख्या में पहुंचे छठव्रती, भजनों की प्रस्तुति

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। लोक पर्व आस्था और स्वच्छता का प्रतीक चार दिवसीय सूर्य उपासना का महापर्व भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ।

जिलाप्रशासन, नगर निगम और पाटलिपुत्र परिषद की पहल से तैयार की गई मंगल तालाब, गांधी सरोवर घाट पर छठव्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। हालांकि यहां कम संख्या में ही व्रती और श्रद्धालु पहुंच पाए। इस अवसर पर पाटलिपुत्र परिषद की ओर से भजन संध्या का आयोजन किया था। शुभम्-मिश्रा एवं उनकी के द्वारा छठ मईया की गीतों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर छठ गीत की कोकिला शारदा सिन्हा जी को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। पाटलिपुत्र परिषद के महासचिव संजीव कुमार यादव ने कलाकारों को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया।

संचालन पूर्व प्राचार्य अनिल रश्मि ने किया। मौके पर अध्यक्ष डॉ टीपी गोलवारा, रामजी योगेश, बाबू भाई, मनोज सोनवां, अंजू सिंह, अजय यादव, विनय कुमार, आलोक चोपड़ा, विजय कुमार मिश्रा, दयानंद सिंह, नैयर इकबाल, अवदेश यादव, ज्ञान प्रकाश आदि उपस्थित थे।

# गंगा घाट पर भीड़ व दलदल से घर की छत पर दिया अर्घ्य

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी। छठ को लेकर प्रशासन और नगर निगम के द्वारा पटना के 109 घाटों पर और अनेक तालाबों पर भी व्रती और श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था की गई थी। हालांकि घाटों पर उमड़ने वाली भीड़ और दलदल को ध्यान में रखकर लोगों ने घर और अपार्टमेंट की छत पर ही अर्घ्य देना पसंद किया। छत पर आर्टिफिशियल या फिर पक्का हौदा का निर्माण कराया गया। इसी में व्रतियों के द्वारा अर्घ्य दिए जाने की व्यवस्था की गई। उसे पानी से भर कर उसमें गंगाजल मिलाया गया। फूल, पत्र आदि डाला गया। रंगोली बना कर सजाया गया। इसके बाद लोगों ने परिवार के सदस्यों, इष्ट मित्र व पड़ोसियों के साथ अर्घ्य देने का काम किया।

इस दौरान उत्साह और सहयोग भी लोगों के बीच देखा गया। हालांकि लोगों को सजाए गए सूप और दउरा को लेकर घर या अपार्टमेंट की छतों तक जरूर ले जाना और लाना पड़ा। इस संबंध में समाजसेवी शशिकांत गुप्ता, व्रती सरोज जायसवाल, दिव्य सुंदर का कहना था कि गंगा घाट पर खासा भीड़ उमड़ती है। ऐसे में व्यवस्थित ढंग से पूजा करना संभव नहीं हो पाता है। फिर घर से घाट की दूरी भी होती है।इस कारण से छत पर ही सभी लोग हंसते-बोलते सही ढंग से सूर्य उपासना का पर्व पूरा कर लेते हैं।

# छठ में एसएसबी के रेस्क्यू टीम ने किया विभिन्न घाटों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गश्ती

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। सशस्त्र सीमा बल सीमान्त पटना के महानिरीक्षक नैयर हसनैन खान के निदेर्शानुसार, छठ महापर्व के अवसर पर 07 और 08 नवम्बर 2024 तक गंगा नदी भद्रघाट पर तैनात राहत एवं बचाव दल के द्वारा पटना में गंगा नदी के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए नदी में गश्ती का कार्य किया।इस अवसर पर नैय्यर हसनैन खान, महानिरीक्षक, एस.एस.बी. सीमान्त पटना ने भद्रघाट पर पहुँच कर राहत एवं बचाव दल के सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को सुरक्षा सम्बन्धी दिशानिर्देश दिए । छठ महापर्व के दौरान एस.एस.बी के राहत एवं बचाव दल ने ज्युडिसियल अकादमी घाट, राजा घाट, गाय घाट, भद्र घाट तथा महावीर घाट पर लोगों की सुरक्षा के लिए गंगा नदी में मुस्तैदी के साथ गश्त किया और लोगों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए तत्पर रहे। सशस्त्र सीमा बल सीमान्त पटना के अधीन सभी इकाइयों ने अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में भी विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु राहत एवं बचाव दल को तैनात किया था। इसके अतिरिक्त महानिरीक्षक के निर्देशन में भद्र घाट पर एस.एस.बी द्वारा एक मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया गया।

जिसमें जरूरतमंद श्रद्धालुओं का निःशुल्क उपचार किया गया तथा उनको मुफ्त दवाएं दी गयी। इस कार्यक्रम में मुख्य तौर पर डॉ. अभय प्रकाश (उपमहानिरीक्षक/चिकित्सा) एस. एस. बी सीमान्त पटना, सुवर्णा सजवान, कमांडेंट 40वीं वाहिनी एस.एस.बी. पटना, डॉ निशिकांत (कमांडेंट/चिकित्सा), 47वीं वाहिनी एस.एस.बी रक्सौल तथा गौतम सागर, उप कमांडेंट, एस. एस. बी 40वीं वाहिनी के साथ- साथ एस. एस. बी के अन्य कार्मिक भी मौजूद रहे।

# उदीयमान सूर्य के अर्घ्य के साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास व्रत संपन्न

● पटना के घाटों पर श्रद्धालूओं का उमड़ा सैलाब

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। लोक आस्था का पर्व छठ शुक्रवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ ही संपन्न हो गया। चार दिवसीय इस अनुष्ठान के चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। इसके बाद व्रतियों ने अन्न जल ग्रहण कर पारण किया। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत पूरा हुआ। अर्घ्य देने को लेकर पटना के घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। आकलन से अधिक भीड़ जुटने की वजह से प्रशासन को यातायात व्यवस्थित करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। शुक्रवार को अहले सुबह से ही पटना सहित पूरे बिहार में गंगा तट से लेकर तालाबों, विभिन्न जलाशयों के किनारे बने छठ घाटों तक लाखों श्रद्धालुओं ने आकाश में सूर्य की लालिमा के साथ ही भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया गया। पटना के गंगा तट पर बड़ी संख्या में छठ व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए पहुंचे। इस दौरान बड़ी संख्या में व्रतियों ने अपने घरों की छतों पर भी भगवान भास्कर की आराधना की और अर्घ्य अर्पित किया।

छठ पर्व को लेकर चार दिनों तक पूरा बिहार भक्तिमय रहा। मुहल्लों से लेकर गंगा तटों तक यानी पूरे इलाके में छठ पूजा के पारंपरिक गीत गूंजते रहे। राजधानी पटना की सभी सड़कों को दुल्हन की तरह सजाया गया।

राजधानी के मुख्य सड़कों से लेकर गलियों तक की सफाई की गई। आम से लेकर खास तक के लोगों ने सड़कों की सफाई में व्यस्त रहे। हर किसी ने छठ पर्व में हाथ बंटाया। छठ को लेकर पटना से लेकर पूरे राज्य में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। गंगा के तटों से लेकर जलाशयों के घाटों पर अभूतपूर्व सुरक्षा के इंतजाम देखे गए।पटना में कई पूजा समितियों द्वारा भगवान भास्कर की मूर्ति स्थापित की गई है। पूरा माहौल छठमय रहा। कई स्थानों पर तोरण द्वार लगाए गए तो कई पूजा समितियों द्वारा लाइटिंग की व्यवस्था की गई। इधर, मुजफ्फरपुर, सासाराम, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर, बेतिया, मोतिहारी सहित सभी जिलों के शहरों से लेकर गांवों तक लोग चार दिनों तक छठ पर्व की भक्ति में डूबे रहे। औरंगाबाद के प्रसिद्ध देव सूर्य मंदिर परिसर में लाखों श्रद्धालु छठ पर्व मनाने पहुंचे थे। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को नहाय-खाय के साथ लोक आस्था का यह महापर्व प्रारंभ हुआ था।

# सीएम नीतीश व जेपी नड्डा ने पटना के विभिन्न छठ घाटों का किया भ्रमण

## उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व विजय कुमार सिन्हा रहें मौजूद

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दानापुर के नासरीगंज घाट से कंगन घाट तक पानी के जहाज से गंगा नदी के विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण किया और छठव्रतियों एवं राज्यवासियों को छठ की शुभकामनायें दीं। लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा नदी के विभिन्न घाटों पर अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। घाटों पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अभिवादन हाथ उठाकर किया। मुख्यमंत्री ने भी सभी लोगों का अभिवादन हाथ उठाकर स्वीकार किया। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री छठ व्रतियों की सुविधाओं को लेकर छठ घाटों का भ्रमण करते रहे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर छठ घाटों पर व्रतियों की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर प्रशासन की तरफ से पूरे तौर पर प्रयास किये गये हैं ताकि लोगों को किसी तरह की दिक्कत नहीं हो। मुख्यमंत्री ने छठ के इस अवसर पर पूरे प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री के भ्रमण के क्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल, विधान पार्षद ललन सर्राफ, भाजपा के बिहार प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया, भाजपा नेता ऋतुराज सिन्हा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के प्रमंडलीय आयुक्त मयंक बरबड़े, पुलिस महानिरीक्षक, सुरक्षा विनय कुमार, पटना प्रक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक गरिमा मलिक, जिलाधिकारी डॉ चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा, पटना नगर निगम के आयुक्त अनिमेश पारसर सहित अन्य वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

# छठ महापर्व संपन्न : गंगा घाट का विशेष सफाई अभियान शुरू

## पदाधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर कराया जा रहा कार्य सुनिश्चित

● नगर निगम का दावा : दोपहर तक घाट की पूर्ण सफाई का लक्ष्य

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। लोक आस्था के महापर्व छठ का संध्याकालीन एवं प्रातःकालीन अर्घ प्रेम एवं सौहाद्र के साथ सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। महापर्व छठ के बाद सभी गंगा घाटों की विशेष अभियान के तहत सफाई की जा रही है। पटना नगर निगम की टीम द्वारा विशेष सफाई कर घाटों का सौदर्यीकरण किया जा रहा है। सभी घाटों पर सफाईकर्मियों द्वारा कार्य शुरू किया गया है। पदाधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर कार्य को सुनिश्चित कराया जा रहा है।

**कच्चे घाटों से हटाया जा रहा बैरिकेडिंग, पक्के घाट पर मशीन से विशेष सफाई :**

पटना नगर निगम द्वारा दीघा पाटीपुल, 93 नंबर घाट एवं बांस घाट आदि से बैरिकेडिंग को हटाकर स्थल को समतल एवं कचरामुक्त बनाया जा रहा है। इसके साथ ही जीरो वेस्ट घाट के तहत सेग्रीगेशन एवं निष्पादन भी किया जा रहा है। वहीं काली घाट, गांधी धाट, लॉ कॉलेज सहित पक्के घाटों की सीढ़ियों एवं पाथवे की विशेष सफाई की जा रही है। बता दें कि सूखे एवं गीले कचरे को अलग से कलेक्ट किया जा रहा है। जिनका अलग अलग निष्पादन किया जाएगा। गंगा घाटों पर सफाई पूजा के उपरांत से ही शुरू की गई है। दोपहर तक सभी घाटों को स्वच्छ बनाने का निर्देश नगर आयुक्त द्वारा दिया गया है। पदाधिकारी भी घाटों पर निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था को पूर्ण करवाना सुनिश्चित कर रहे हैं।

# आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने भी किया महापर्व छठ

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। बिहार में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ ही चार दिवसीय लोकआस्था का महापर्व छठ संपन्न हो गया। इस महापर्व में आम से लेकर खास लोग सूयोर्पासना में जुटे रहे। इस पर्व में अधिकारियों ने जहां प्रदेश की विधि व्यवस्था की कमान संभाली वहीं छठी मैया की आराधना भी की। बिहार की राजधानी पटना से लेकर जिलों तक में छठ को लेकर उत्साह का माहौल दिखा। महापर्व के दौरान बिहार के अलग-अलग हिस्सों से कई अनोखी तस्वीरें देखने को मिली। व्रतियों ने चार दिनों के इस अनुष्ठान रखने के साथ 36 घंटे का निर्जला व्रत किया। प्रदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी भी सूयोर्पासना का व्रत कर पूजा अर्चना की और प्रसाद का वितरण किया। पूर्वी चंपारण जिला जिले के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के आवास पर भी इस कार्तिक छठ पर्व की छटा दिखी। यहां खुद पुलिस अधीक्षक ने 36 घंटे का निर्जला व्रत रखा। उनकी पत्नी आईएएस प्रतिभा रानी ने भी बढ़ -चढ़कर पति की सूर्य की आराधना में सहभागिता निभाई। प्रतिभा रानी फिलहाल बिहार एड्स नियंत्रण सोसायटी की परियोजना निदेशक, मिशन निदेशक, जल-जीवन हरियाली, ग्रामीण विकास विभाग में पदस्थापित हैं। एसपी स्वर्ण प्रभात की बहन पुष्पांजलि कुमारी, दीपांजलि कुमारी, विजय वर्मा, पिता और माता ने भी छठ पूजा का अनुष्ठान किया। छठ पूजा के बाद उन्होंने प्रसाद का भी वितरण किया। जीवन मे पहली बार महापर्व छठ करने वाले पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात कहते हैं कि यह पर्व सही में एक अनुष्ठान है, जिसमे भक्ति के अलावा कई संदेश छिपे हुए हैं। उन्होंने कहा, इस अनोखे पर्व में पर्यावरण संतुलन का संदेश है तो नदियों, जलाशयों को बचाए रखने और उन्हें निर्मल रखने का उदाहरण है। स्वच्छता और शुद्धता तो इस महापर्व के मूल में हैं। सबसे बड़ी बात है कि इसमें कोई बड़ा और छोटा नहीं होता, सभी व्रती एकसाथ खड़े होकर भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इधर, पटना के गंगा नदी के घाट पर आइएएस नवीन सिंह ने अर्घ्य दिया। गोपालगंज के जिलाधिकारी प्रशांत कुमार, पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित और उप विकास आयुक्त कुमार निशांत विवेक ने हजियापुर कैथवलिया छठ घाट पर पहुंचकर उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। अधिकारियों ने अर्घ्य देकर प्रसाद भी ग्रहण किया। भागलपुर में जिलाधिकारी डॉ नवल किशोर चौधरी, एसएसपी आनंद कुमार ने भी महापर्व छठ पूजा का अनुष्ठान किया और शुक्रवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया।

# राजद के शासनकाल में बिहार ने पलायन का दंश देखा : दिलीप

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल बेलागंज पहुंचे और एनडीए कार्यालय में एनडीए के कार्यकताओं से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने उप चुनाव की तैयारियों पर गहन चर्चा की। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कार्यकर्ता एनडीए की सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, एनडीए के घटक दलों के सभी कार्यकर्ता पूरी एकता के साथ एनडीए की जीत को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन परिश्रम कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि कार्यकताओं की मेहनत रंग लाएगी। भाजपा के अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता का परिणाम है कि इस उप चुनाव में जनविश्वास एनडीए के ही साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि कहा कि राजद की सरकार में बिहार ने पलायन का दंश देखा है। व्यापारी बिहार छोड़ने के लिए मजबूर थे। आज बहन, बेटियों के सम्मान से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि आज आम आदमी कभी भी राजद सरकार की पुनर्वापसी नहीं चाहता। भाजपा के अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि यहां का युवा खेलता है, जो मेडल लाते हैं अब उन्हें नौकरी मिलती है। खिलाड़ियों के लिए नई पॉलिसी बनाई गई है। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल चाकन्द बाजार में रोड शो किया तथा व्यवसायियों से मुलाकात कर एनडीए प्रत्याशी के लिए समर्थन माँगा। उन्होंने इस क्रम में वैश्य समाज के प्रतिनिधिगण एवं लोगों से भी मुलाकात की और एनडीए प्रत्याशी मनोरमा देवी को अपना आशीर्वाद और समर्थन देकर विजयी बनाने हेतु आग्रह किया। इसके उपरांत बेलागंज बाजार में व्यवसायी भाइयों से भी एनडीए के पक्ष में मतदान करके बेलागंज के उत्थान और जनकल्याण को समर्थन प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बेलागंज में एनडीए की जीत होगी और विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बेलागंज बाजार में रोड शो कर व्यवसायी भाइयों एवं मतदाताओं से एनडीए को अपना बहुमूल्य समर्थन प्रदान करने के लिए आग्रह किया।

# सभी चार सीटों पर होगी इंडिया गठबंधन की जीत : दीपंकर

## 11 नवंबर को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव व वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के साथ करेंगे संयुक्त सभा

● 9-10 नवंबर को तरारी में होगा का. दीपंकर की चुनावी सभा

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। भाकपा-माले महासचिव कॉ दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा है कि बिहार में हो रहे उपचुनाव में सभी 4 सीटों पर इंडिया गठबंधन की जीत होगी। 9-10 नवंबर को वे तरारी में, जहां से इंडिया गठबंधन के तहत भाकपा-माले के राजू यादव प्रत्याशी हैं, चुनाव प्रचार करेंगे। 11 नवंबर को नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी प्रसाद यादव और वीआईपी प्रमुख श्री मुकेश सहनी के साथ वे तरारी सहित अन्य विधानसभा सीटों पर संयुक्त रूप से चुनाव प्रचार में शामिल रहेंगे। कॉ दीपंकर ने कहा कि झारखंड में भाजपा पलायन, रोजगार, औद्योगिक विकास जैसे बुनियादी सवालों पर चर्चा करने की बजाए अपने नफरती बयानबाजी के जरिए अविश्वसाव का माहौल बनाना चाहती है। बांग्लादेश से हो रहे तथाकथित घुसपैठ को मुद्दा बनाकर वह बांग्लाभाषियों और मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैला रही है। दरअसल, झारखंड को वह अडानी-अंबानी के कॉरपोरेट लूट का क्षेत्र बना देना चाहती है। इसलिए बांग्लादेशी घुसपैठ का हौव्वा खड़ा किया जा रहा है। लेकिन हमें झारखंड की जनता पर उम्मीद है कि वे झांसे में नहीं आएंगे और स्थानीयता, विकास व रोजगार के सवाल पर इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड की 81 में 78 सीटों पर हमारे बीच पूर्ण तालमेल है। पूर्ण तालमेल के तहत माले तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है लेकिन राज धनवार में यह एकता नहीं हो सकी है जबकि 2014 में इस सीट पर माले ने जीत हासिल की थी और 2019 में कुछ मतों के अंतर से तीसरे स्थान पर रही थी। राजधनवार की सीट पर जेएएमएम द्वारा उम्मीदवार को खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण है फिर भी राज्य में इंडिया गठबंधन एकताबद्ध होकर चुनाव के मैदान में है। पश्चिम बंगाल में पहली बार भाकपा-माले को सीपीएम और अन्य वाम दलों का समर्थन मिला है। पश्चिम बंगाल में 6 सीटों पर हो रहे उपचुनाव में नैहाटी सीट पर भाकपा-माले प्रत्याशी को वामपंथी दलों का समर्थन है। हम उम्मीद करते हैं कि इससे पश्चिम बंगाल में वामपंथी एकता को एक नई ताकत मिलेगी। अमेरिका में ट्रम्प की जीत वहां के आर्थिक संकट का परिणाम है। उनकी जीत से गाजा सहित पूरी दुनिया में शांति व न्याय की उम्मीद रखने वाली ताकतों को धक्का लगा है। गाजा के सवाल पर जो बाइडन की नीति ने भी निराशा ही पैदा किया था। ट्रम्प का मुख्य प्रचार फोकस संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध आप्रवासन को लेकर रहा है। तकरीबन एक करोड़ लोगों को अवैध बताकर देश से बाहर कर देने का उनका लक्ष्य है। भारत में मोदी सरकार भी यही काम कर रही है। इससे अमेरिका में जो माहौल बनेगा वह अश्वेतों और भारतीयों के भी खिलाफ भी जाएगा। इससे नस्लवाद और हिंसा को बढ़ावा मिलेगा। यह बेहद दुखद होगा। संवाददाता सम्मलेन में पोलित ब्यूरो सदस्य अमर और राज्य कमिटी सदस्य उमेश सिंह भी उपस्थित थे।

# हेमंत सोरेन सरकार ने झारखंड को लूटा : सम्राट

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना । उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने झारखंड सरकार पर जमकर हमला बोला है। कहा कि लालू प्रसाद से भ्रष्टाचार का गुरुमंत्र लेने वाले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पांच साल में झारखंड को खोखला कर दिया, विकास ठप पड़ गया और घुसपैठियों ने स्थानीय नागरिकों का जीवन मुश्किल बना दिया। उन्होंने कहा कि बिहार के चर्चित चारा घोटाला में जब लालू प्रसाद को सजा हुई, तब हेमंत सोरेन ने उन्हें जेल की कठिन सजा से बचाने के लिए मेडिकल ग्राउंड पर एक अधिकारी के बंगले में रखा और यही उनकी गुरुदक्षिणा थी। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि पूरे झारखंड में एनडीए की लहर है। राज्य की जनता बदलाव के लिए उत्सुक है, इसलिए इस विधानसभा चुनाव में एनडीए प्रचंड बहुमत हासिल कर मजबूत सरकार बनाएगा। श्री चौधरी ने चतरा और पलामू में एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में आयोजित चुनाव सभाओं में कहा कि झामुमो, कांग्रेस और राजद ने मिलकर झारखंड को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने पलामू जिले में हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के हरिहरगंज में एनडीए प्रत्याशी कमलेश कुमार सिंह और चतरा जिले में सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के गिद्धौर में उज्जवल दास के समर्थन में सभाएं कीं।

लोक आस्था के महापर्व छठ के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने आवास पर अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया और छठी मइया से देश एवं प्रदेशवासियों के लिए सुख और समृद्धि की कामना की।

छठ महापर्व के अवसर पर सूर्य भगवान को संध्या अर्घ्य देते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय।

# संगत-पंगत जन जागरण रथयात्रा का चौथा चरण आज से

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय संगत-पंगत जन जागरण रथयात्रा शनिवार को पटना साहिब के आदि चित्रगुप्त मंदिर, चित्रगुप्त घाट से दोपहर 2 बजे प्रस्थान करेगी। यह आयोजन रथयात्रा के चौथे चरण के अंतर्गत किया जा रहा है। यह जानकारी संगत-पंगत के संस्थापक अध्यक्ष, पूर्व सांसद डॉ आर के सिन्हा ने यहाँ आयोजित प्रेसवार्ता में दी। डॉ सिन्हा ने बताया कि इस यात्रा का पहला पड़ाव स्व डॉ सच्चिदानंद सिन्हा द्वारा स्थापित सिन्हा लाइब्रेरी में स्थित डॉ सिन्हा की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगा। तत्पश्चात दूसरा पड़ाव बांस घाट स्थित देशरत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण और तीसरा पड़ाव कदम कुआं स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगा। इसके बाद यात्रा कोइलवर होते हुए चॉदी सिन्हा का पैतृक गाँव है। मुरार से रथयात्रा सिगरौल लख जाएगी, जहाँ लोकनायक जयप्रकाश नारायण का जन्म हुआ था। वहां श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद रथयात्रा बक्सर पहुंचेगी। वहीं रात्रि विश्राम होगा। डॉ सिन्हा ने बताया कि अगले दिन 11 नवंबर को रथयात्रा इटाढ़ी प्रखण्ड के उनवास गाँव जाएगी, जो हिंदी साहित्य के शीर्ष संपादक और लब्धप्रतिष्ठित आचार्य शिवपूजन सहाय का पैतृक गाँव है। वहां श्रद्धांजलि सभा के बाद रथयात्रा पटना प्रस्थान कर जाएगी। डॉ सिन्हा ने कहा कि 2015 में राष्ट्रीय संगत-पंगत की स्थापना सामाजिक समरसता और जरूरतमंदों की सेवा के लिए की गई थी। संस्था के सहयोगियों की सलाह पर हम रथयात्रा लेकर देश की विभूतियों के घर जाएंगे साथ ही लोगों की समस्या सुनकर सरकार से समाधान कराने का प्रयास करेंगे। संगत-पंगत रथयात्रा के तहत हमने पिछले तीन चरणों में लालबहादुर शास्त्री के पैतृक गाँव प्रेमनगर (मुगलसराय) और मुंशी प्रेमचंद के गाँव लमही की यात्रा की है। इसके अलावा लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जन्मदिवस पर 11 अक्टूबर को दिल्ली स्थित जयप्रकाश उद्यान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया। हम आगे भी अपनी रथयात्रा जारी रखेंगे।

# नोटबंदी से नहीं रूका भ्रष्टाचार माफी मांगे भाजपा: तेजस्वी

## बोले-झारखंड में बनेगी महागठबंधन की सरकार



पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नोटबंदी को लेकर केन्द्र सरकार पर तंज कसा है। तेजस्वी ने कहा है कि आज एक खास दिन है, यह वह दिन है, जिसने देश के 140 करोड़ लोगों को सड़क पर लाइन लगने के लिए मजबूर कर दिया था। जिसमें कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। कुछ इस अंदाज में तेजस्वी यादव ने आठ साल पहले हुए नोटबंदी को याद किया। उन्होंने नोटबंदी को हादसा बताते हुए कहा कि आज इसकी बरसी मनाई जा रही है। बेलागंज में चुनावी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे तेजस्वी यादव ने कहा कि नोटबंदी को जब लागू किया गया तो प्रधानमंत्री ने कहा था कि इससे काला धन वापस आएगा। लेकिन कितना काला धन आया, यह सभी को पता है। वहीं काला धने से भाजपा ने हर जिले में अपना फाइव स्टार कार्यालय जरुर बना लिया। उन्होंने कहा उस समय के भाजपा के लोगों ने कहा था इससे भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। लेकिन भ्रष्टाचार खत्म हुआ क्या। आज भ्रष्टाचार चरम पर है। इसलिए भाजपा के लोगों को माफी मांगनी चाहिए। तेजस्वी यादव ने बिहार में चार विस सीटों पर होनेवाले उपचुनाव में राजद की जीत का भरोसा जताया। उन्होंने कहा झारखंड में भी हमलोग अपनी सरकार बनाएंगे। धारा 370 को लेकर गिरिराज सिंह के बयान को तेजस्वी ने बकवास करार दिया। उन्होंने कहा कि वह बोलने के सिवा कुछ नहीं कर सकते हैं। बिहार को टेक्सटाइल पार्क दिलाने को कहा था। पहले बिहार को टेक्सटाइल पार्क दिलाएं, फिर बात करें। वहीं नड्डा के बिहार दौरे के लेकर उन्होंने कहा वह सिर्फ यहां जायजा लेने के लिए आए हैं। साथ ही यह भी देखने भी आए हैं कि नीतीश जी के साथ सबकुछ ठीक है या नहीं। महाराष्ट्र में योगी आदित्यनाथ के द्वारा दिए गए बयान पर कहा कि छोड़िए नफरत फैलाना इन लोगों का काम है, लेकिन इससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है बिहार ही नहीं भारत की जनता जान चुकी है। उन्होंने कहा कि अयोध्या का रिजल्ट क्या हुआ और जो लोग नफरत फैलाएंगे, उन्हें भगवान तो सजा देगा देश की जनता भी सजा देगी। उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या में भगवान राम का आशीर्वाद किसे मिला इंडिया गठबंधन को मिला।

# एमआईजी पार्क में संपन्न हुआ महापर्व छठ



पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा में गंगा घाट के अतिरिक्त अनेकों मोहल्लों में बने पार्क में लोगों ने दोनो समय छठी मैया को अर्घ्य चढ़ाया। कंकड़बाग स्थित 100 एमआईजी पार्क में वन विभाग एवं नगर निगम द्वारा पूरी व्यवस्था की गई थी। वन विभाग द्वारा पार्क में बने टाइल्स लगे सुंदर छठ घाट को पूरी साफ सफाई कर के स्वच्छ पानी भरा गया तथा इसमें गंगा का जल भी मिलाया गया। नगर निगम द्वारा अर्घ्य देने वाली महिलाओं के वस्त्र बदलने के लिए अच्छा चेंजिंग रूम बनाया गया। यहां पर सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने अर्घ्य देने के बाद अपने कपड़े बदलें। समाज सेवी डॉ गीता जैन ने प्रातःकाल में सभी के लिए चाय की व्यवस्था कराई। सैकड़ों लोगों ने अर्घ्य देने के बाद प्रातः कालीन चाय का आनंद लिया।

पटना। लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार कोकिला व प्रसिद्ध लोकगायिका श्रद्धेय शारदा सिन्हा के निधन उपरान्त पटना स्थित उनके निवास पर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं प्रकट की।

## संक्षिप्त खबरें

### मनाया गया पांचवा शहादत दिवस

कल्याणपुर, समस्तीपुर। 7 नवंबर को ग्राम भगवतपुर में स्वर्गीय श्याम लाल राय के पांचवा शहादत दिवस मनाया गया। जिसमें सैकड़ो की संख्या में लोगों ने भागीदारी की एवं उसके स्मारक पर फूल माला चढ़ाकर के श्रद्धांजलि दिए। जिसमें पैक्स अध्यक्ष भोला राय, रामलाल राय, राघवेंद्र यादव, महेश यादव, राजीव श्रीवास्तव, अर्जुन राय, मुकतापुर मनोज राय, निरंजन अमीन, राजा पासवान, मुकेश पासवान, राजू सहनी, अनिल सहनी, राजेश पासवान, पवन कुमार महतो, संतोष राय राय इत्यादि सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भागीदारी लिया।

### मारपीट की घटनाओं में पांच लोग हुए जख्मी

कल्याणपुर, समस्तीपुर। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न जगहों पर जमीनी विवाद के मामले को लेकर दो पक्षों के बीच हुई। मारपीट की घटना में पांच लोग जख्मी हो गए। जख्मी लोगों को ईलाज के लिए परिजन की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जख्मी लोगों के हालात में सुधार होने की बात प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बीके ठाकुर ने बताई। जख्मी लोगों में जर्नादनपुर के गोविंद कुमार, पुरुषोत्तमपुर के कपल राय एवं परतापुर के लाडली खातून सहित अन्य जगहों के कुल पांच लोग शामिल है। वहीं पुलिस ने बताया कि जख्मी लोगों के द्वारा आवेदन देने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### हिंदू धर्म संस्कृति से नेता प्रतिपक्ष का कोई वास्ता नहीं : प्रभाकर

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष को को हिंदू धर्म- संस्कृति से कोई लगाव नहीं है। लोकआस्था का महापर्व छठ के पावन मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री माननीय जेपी नड्डा का बिहार आगमन तेजस्वी यादव को मौज-मस्ती दिख रहा है, तो यह उनकी मानसिक गड़बड़ी और छठ महापर्व के प्रति उनकी अनादर की भावना को दिखाता है। श्री मिश्र ने कहा कि ये नवरात्र में फिश पार्टी करनेवाले लोग हैं। इन्हें हिंदू धर्म की पारंपरिक मान्यताओं का कोई ज्ञान नहीं है। श्री मिश्र ने कहा कि असल में तेजस्वी भाजपा फोबिया से ग्रसित हैं। श्री मिश्र ने कहा कि भाजपा नेताओं को देखकर तेजस्वी अनर्गल बयानबाजी करने लगते हैं। बिहार के विशेष दर्जा की मांग तेजस्वी का सिर्फ ढकोसला है। न तो कभी लालू ने बिहार के विकास की परवाह की और न ही तेजस्वी ने। लालू-राबड़ी का शासनकाल बिहार के लिए पिछड़ेपन का काल था।

# हर्षोल्लास आस्था पूर्वक छठ पूजन महोत्सव मनाया गया, दर्शन व अर्घ्य देने आस्था का उमड़ा जनसैलाब

## छठ घाटो की सजावट और सूर्य देव की प्रतिमा बना आकर्षण का केंद्र

प्रात :किरणसंवाददाता

मधुबनी जयनगर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रो के कमला नदी और आसपास के अन्य नदियो और सरोवरो एवं तालाबो नहर के सजे घाटो पर और कई छठ व्रतियो के द्वारा घर पर भी चार दिवसीय लोक आस्था का पवित्र महापर्व छठ पूजन महोत्सव हर्षोल्लास भक्ति भाव विधिवत पूजा अर्चना कर श्रद्धापूर्वक आस्था के साथ मनाया । छठ पूजनोत्सव मनाने और देखने को लेकर छठ घाटो पर श्रद्धालुओ की काफी भीड़ देखने को मिली अर्ध्य देने और छठ पूजा देखने को लेकर आस्था और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। नहाए खाए से शुरू हुए आस्था के महापर्व छठ पूजा के संध्या कालीन अर्ध्य देने के पश्चात चौथे दिन प छठ व्रतियो और श्रद्धालुओ के द्वारा के छठ मैया मा कमला और भगवान भास्कर की पूजा अर्चना कर सूर्य देव को अर्घ्य दिया गया। छठ घाटों पर छठ व्रती महिलाओ समेत कई पुरुषो ने भी छठ व्रत रखकर और परिवार के सदस्यो और परिजनो के साथ और श्रद्धालुभक्त जनो के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर सूर्य देव को अर्घ्य दिया और छठ व्रतियो के द्वारा छठ पूजा का कथा का श्रवण किया। छठ व्रतियो श्रद्धालु भक्तजनो के द्वारा पूजा अर्चना कर भगवान भास्कर से सुख समृद्धि और विपदा से बचाव विश्व मे शांति घर परिवार में सुख समृद्धि शांति संतान पुत्र प्राप्ति और बेहतर स्वास्थ्य के साथ सभी की शुभमंगल की कामना की प्रर्थना कर आशीर्वाद मांगा ।वही कमला नदी समेत अन्य नदियो के परीसर और सरोवरो को लोक आस्था का महापर्व को लेकर छठ घाटो पर और परिसर में पंडाल निर्माण कर सजाया गया था। जो कि आकर्षण का केंद्र बना रहा। कमला नदी के पर्ण कुटी मन्दिर के समीप छठ पूजा समिति के सदस्यों के द्वारा पंडाल निर्माण भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर पंडित एवं सदस्यो के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना आरती की गई। छठ घाटों की सजावट और भगवान भास्कर की प्रतिमा आकर्षण का केंद बना रहा छठ पूज नोत्सव देखने और भगवान भास्कर के दर्शन को लेकर लोगो की काफी भीड़ उमड़ी रही। मन्नत पुरु होने पर बैंड बाजे के साथ कई छठ व्रती छठ घाटों पर पहुची आँचल पर नटुआ का नाच श्रद्धलुओ के द्वारा कराया गया। मन्नत पूरी होने पर कई महिला पुरूष छठ व्रत रखकर दण्ड प्रणाम करते हुए छठ घाटों पर पहुच कर विधिवत पूजा अर्चना कर भगवान भास्कर को अर्ध्य दिया। वही छठ घाटो पर अधिकारियो और पुलिस पदाधिकारी प्रशासन की टीम के द्वारा छठ घाटो पर गस्त लगा रहे थे। कमला नदी के समीप अग्निशमन और एम्बुलेंस के साथ कर्मी पुलिस बल मौजूद थे। सीसीटीवी टीवी और ड्रोन व वाच टावर से निगरानी की जा रही थी। छठ घाटों पर लोगो ने जमकर आतिशबाजी किया। छठ व्रतियो के द्वारा छठ घाटो पर प्रसाद कभी वितरण किया गया। प्रसाद और आशीर्वाद लेने को लेकर श्रद्धालुओ की काफी भीड़ रही। प्रशासन व जनप्रतिनिधियो के द्वारा छठ घाटो का निरीक्षण कर जायजा लेते देखे गये। छठ घाट आकर्षण का केन्द्र बना रहा।

# चार दिवसीय सूर्य उपासना का पर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न

कल्याणपुर, प्रात : किरण संवाददाता

प्रखंड क्षेत्र में चार दिवसीय सूर्य उपासना पर्व छठ का समापन शुक्रवार की सवेरे घाटों पर उदय मान सूर्य को अर्घ्य देकर संपन्न किया। प्रखंड क्षेत्र में अधिकतर छठ व्रत दरवाजे के सामने घाट बनाकर उसे सजा कर किया। प्रखंड क्षेत्र से गुजरने वाली बागमती नदी, सीढ़ी घाट तालाबों, बुढ़ी गंडक नदी के किनारे घाटों पर किया गया। वासुदेवपुर निवासी भाजपा नेता उमेश चंद्र प्रसाद कुशवाहा की पत्नी सुदामा सिंन्हा ने पहली बार चार दिवसीय छठ पर्व की। खरसंड पूर्वी में पूर्व मुखिया रविशंकर सिंह, उप प्रमुख दीपक कुमार, सिमरिया भिंडी पंचायत मुखिया सामंत कुमार, नामापुर मुखिया राम विनोद ठाकुर, मिजार्पुर के शशि भूषण ठाकुर, सोरमार मुखिया पूनम देवी, पंचायत समिति सदस्य कल्पना कुमारी, मानवाधिकार के बृजेश मिश्रा, रामबाबू ठाकुर, भोला ठाकुर, पूर्व पंचायत समिति सदस्य संगम कुमार ने अपने-अपने पोषक क्षेत्र के घाटों पर जाकर वत्तियों के साथ सक्रिय सहयोग किया दोनों थाना क्षेत्र की पुलिस पदाधिकारी के साथ शांति व्यवस्था बनाए रखने में सजग थे।

# लोक कल्याण के लिए भगवान भास्कर को नगर विधायक ने दिया अर्घ्य

प्रात :किरणसंवाददाता

दरभंगा। लोक आस्था का पर्व छठ सामाजिक सरोकार का पर्व भी माना जाता है।इस पर्व पर हम सभी लोग लोक कल्याण के लिए भगवान भास्कर की आराधना करते हैं। यह बातें शुक्रवार को अहले सुबह रानी सती स्थान कारक घाट पर भगवान भास्कर को दूध अर्पित करने के उपरांत विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के सचेतक सह नगर विधायक संजय सरावगी ने कही। उन्होंने कहा कि शहर, जिला एवं राज्य के कल्याण के लिए भगवान भास्कर से प्रार्थना किया हूं। पूरे शहर व जिला में अमन चैन रहे। लोगों के बीच भाईचारा बना रहे, यही सबसे बड़ी पूंजी हमारे समाज की है। नगर विधायक के साथ उनकी धर्मपत्नी शोभा सरावगी भी उपस्थित थीं।

मनीगाछी( आससे) चार दिवसीय लोक आस्था का महान पर्व छठ उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही प्रखंड क्षेत्र में शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। 5 नवम्बर को नहाय खाय के साथ शुरू हुई लोक आस्था के महा पर्व को लोगों ने श्रद्धा पूर्वक मनाया। इस दौरान सभी गांवों के विभिन्न छठ घाटों पर गाजेबाजे के साथ छठ व्रती व श्रद्धालु पहुंचे थे। पूरे प्रखंड क्षेत्र में मिथिला के पेरिस कहे जाने वाले नेहरा गांव के रजोखर पोखर पर मनाए गए छठ पर्व काफी मनोरम एवं चर्चित रहा। इस घाट पर क्या हिन्दू, क्या मुस्लिम सब एक समान लग रहे थे। 72 एकड़ भूमि वाले इस पोखर के 49 एकड़ में पानी है। इसके तीन भिन्डा पर बीस हजार जनसंख्या वाले इस गांव के सभी हिन्दू वर्ग के लोग एक साथ छठ पर्व मनाते हैं। साथ ही आस पास गांव के मुस्लिम समाज के लोग भी काफी संख्या में यहां के छठ देखने के लिए आते हैं। लोगों का कहना है कि पटना गंगा घाट के बाद सबसे बढ़ियां दृश्य नेहरा रजोखर पोखर छठ घाट का ही रहता है। जिसका समर्थन करते हुए मौके पर उपस्थित नेहरा थाना के थानाध्यक्ष राज किशोर राय ने बताया कि छठ घाट के साफ सफाई एवं जगमगाते रौशनी के साथ ही तालाब में भगवान भास्कर की प्रतिमा लोगों का मन मोह रहा है। बैंड बाजे के साथ लोग छठ घाट पर आ रहे हैं। महिलाएं अपनी आँचल पर नटुआ नाच नचा रही है। लोगों का कहना है कि इस छठ घाट पर जो कोई भी सच्चे मन से मन्नत मांगते हैं तो उनकी मन्नतें पूरी हो जाती है। इस छठ घाट पर लोग सालों भर अपने बच्चों का मुंडन संस्कार व उपनैन करवाते रहते हैं। लोगों ने घाटों की साफ सफाई एवं लाइट साउंड की व्यवस्था करवाने वाले समाजसेवी शिव नारायण सहनी एवं उनके परिजनों को धन्यवाद दिया।

# उगते सूर्य के अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

प्रात :किरणसंवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को उगते सूर्य के अर्घ्य देने के साथ ही शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई चार दिनों का महानुष्ठान छठ महापर्व। क्षेत्र के पटपारा उत्तर घाट,चांद सुरारी, बन्हैती दुर्गा स्थान पोखर, मिश्रौलिया, कोदरिया, राघोपुर, महमदपुर सकड़ा, सरैया, चकविदुलिया, मंदा, मुस्तफापुर, सिंघिया घाट बूढ़ी गंडक नदी,केराई पुल चौक बैंती नदी, पंडूक सेठ पोखर सिंघिया बुजुर्ग,दैता पोखर कल्याणपुर उत्तर, भूईया स्थान पंचायत सरकार भवन पोखर चोरा टभका, बुढ़िया पोखर माधोपुर,खदियाही पोखर, रानी पोखर खास टभका में पदाधिकारियों के द्वारा आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रतिनिधि प्रतिनियुक्त किया गया था। इसके अलावा भात पोखर, शनिचर हाट पोखर, तुलसी झा पोखर,धमूसाह पोखर सहित अन्य तालाबों और निजी खलिहानों में घाट बनाकर छठ व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर सुख, समृद्धि,यश, उन्नति और शांति का कामना किया।

# मिथिला विभूति पर्व में तीन दिनों तक बहेगी साहित्य, संगीत व कला की त्रिवेणी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।मिथिला के महान विभूतियों को यथोचित सम्मान प्रदान करते हुए आने वाली पीढ़ी को उनके कृतित्व से रूबरू कराने के उद्देश्य से प्रति वर्ष साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महाकुंभ के रूप में मिथिला विभूति पर्व समारोह का आयोजन मिथिला-मैथिली के उत्कर्ष का जीवंत प्रतीक है। यह बात विद्यापति सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रो शशिनाथ झा ने शुक्रवार को कही। उन्होंने कहा कि 52वें समारोह के दौरान मिथिला की सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उपयुक्त माहौल तैयार करने के साथ ही मिथिला की गौरवशाली धरोहर से नई पीढ़ी को रूबरू कराने पर विशेष जोर रहेगा।महासचिव डॉ बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने बताया कि इस बार तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन पूर्व की भांति एमएलएसएम कॉलेज परिसर में किया जायेगा। जबकि इस ऐतिहासिक आयोजन का उद्घाटन करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर, अनेक केन्द्रीय मंत्रियों सहित नेपाल के पूर्व राष्ट्रपति डॉ रामवरण यादव, पूर्व उप राष्ट्रपति परमानन्द झा, सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए बिहार सरकार के काबीना मंत्री विजय कुमार चौधरी, डॉ अशोक कुमार चौधरी, मदन सहनी, हरि सहनी, नीतीश मिश्रा, पूर्व मंत्री जीवेश मिश्र, डॉ. राम प्रीत पासवान, ललित कुमार यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्मश्री डॉ. सीपी ठाकुर एवं अश्विनी चौबे, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मदन मोहन झा, लोकसभा सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर, डॉ. अशोक कुमार यादव, राज्य सभा सांसद संजय कुमार झा, डा धर्मशीला गुप्ता, विवेक ठाकुर व फैयाज अहमद, नगर विधायक संजय सरावगी, बेनीपुर विधायक डॉ विनय कुमार चौधरी, केवटी विधायक डॉ मुरारी मोहन झा, बिस्फी के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल, पूर्व विधान पार्षद डॉ. दिलीप कुमार चौधरी, अलीनगर के विधायक डॉ मिश्री लाल यादव आदि ने अपनी सहमति प्रदान किया है 13, 14 एवं 15 नवम्बर को होने वाले तीन दिवसीय मिथिला विभूति पर्व के 52वें वार्षिक समारोह की विधिवत शुरूआत 13 नवम्बर को प्रातः बेला में होगी। उस दिन विद्यापति चौक स्थित महाकवि विद्यापति की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ होगा। इसके उपरांत मिथिला के पारंपरिक परिधान में शोभायात्रा निकाली जाएगी।स्वागत महासचिव प्रो जीवकांत मिश्र ने बताया कि समारोह के पहले दिन के कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के आधार पर मिथिला विभूति सम्मान के लिए चयनित मिथिलावासी एवं प्रवासी मैथिल को सम्मानित किया जाएगा। जबकि समारोह के दूसरे दिन ह्यमिथिलाक गामह्ण विषयक राष्ट्रीय सेमिनार एवं भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

# अस्ताचलगामी सूर्य को दिया गया अर्घ्य

प्रात :किरणसंवाददाता

छठ पूजा चार दिवसीय व्रत होता है। इस पूजा में सबसे पहले नहाय खाय, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्द्ध तथा चौथे और अंतिम दिन उदयगामी (उगते सूर्य) को अर्द्ध दिया जाता है। छठ पूजा में प्रत्यक्ष रुप से सूर्य को देखकर पूजा किया जाता है। यह पूजा जाति समुदाय से परे होते हैं और केवल लोक गीत गाय जाते हैं। छठ पर्व में पूजा के लिए पकवान लोग अपने घर पर बनाये जाते हैं। दुनियां कहती है कि जिसका उदय होता है उसका अस्त निश्चित है। लेकिन सूर्य की छठ महापर्व यह संदेश देता है कि जो अस्त (डूबता) होता है, उसका उदय भी निश्चित होता है। छठ पर्व सामाजिक सौहार्द, सद्भाव, शांति, समृद्धि और सादगी के महापर्व है। प्राचीन हिन्दू वैदिक त्योहार विशेष रूप से बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड और नेपाल राज्यों के माघई लोगों, मैथिल और भोजपुरी लोगों द्वारा मनाया जाता है। छठ पर्व के तीसरे दिन वृहस्पतिवार को अस्तगामी (डूबते) सूर्य को पहला अर्घ्य व्रतधारी ने दिया। विश्व प्रसिद्ध सूर्य देव की आराधना तथा संतान के सुखी जीवन की कामना के लिए समर्पित छठ पूजा का पहला अर्द्ध सेआज सम्पन्न हो गया। चार दिवसीय छठ पूजा 05 नवम्बर को पहला दिन नहाय-खाय, 06 नवम्बर को दूसरा दिन लोहंडा यानि खरना, 07 नवम्बर को अस्तलगामी (सन्ध्या) अर्घ्य और 08 नवम्बर को चौथा दिन उदयगामी/सूर्योदय (सुबह) अर्घ्य, पारण के साथ सम्पन्न होगा। सभी छठव्रती वृहस्पतिवार 07 नवम्बर को अस्तलगामी अर्घ्य देने से पहले बांस की टोकरी को फलों, ठेकुआ, चावल के लड्डू और पूजा के अन्य सामग्रियो से सजाकर गंगा नदी, तलाब, पोखर इत्यादि जगहों पर जहां अर्घ्य देने की व्यवस्था की गई है वहाँ पहुंचकर अस्तलगामी अर्घ्य अर्पित किया गया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सायंकाल में सूर्य अपनी पत्न ी प्रत्यूषा के साथ रहते हैं, इसलिए छठ पूजा में शाम के समय सूर्य की अंतिम किरण प्रत्यूषा को अर्घ्य देकर उनकी उपासना की जाती है। ज्योतिषियों के अनुसार ढलते सूर्य को अर्घ्य देने से कई मुसीबतों से छुटकारा मिलती है और सेहत से जुड़ी भी कई समस्याएं दूर होती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के मुताबिक ढलते सूर्य को अर्घ्य देने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। पटना में अधिकांश लोग अपने- अपने घरों में छत पर भगवान भास्कर को अस्तलगामी अर्घ्य अर्पित किया। पटना के अनीसाबाद स्थित मित्रमंडल कॉलोनी की रहने वाली स्मृति राखी ने बताया कि छत पर छठ व्रत करने से बूढ़े बुजुर्ग लोग भी शामिल होते है तो बहुत अच्छा लगता है, इसलिए मैं घर पर ही छठ व्रत करती हूं।

# लनामिवि की पुरुष कबड्डी टीम ऑल इंडिया प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई

प्रात :किरणसंवाददाता

दरभंगा।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर उत्तर प्रदेश द्वारा 6 नवंबर से 9 नवंबर तक पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी (पु०) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। उक्त प्रतियोगिता में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा की पुरुष कबड्डी की टीम ने भाग लेते हुए पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय कबड्डी (पु०) प्रतियोगिता में क्वालीफाइंग राउंड में एडमास विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल को 47-18 से पराजित करते हुए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। इस शानदार जीत से विश्वविद्यालय में हर्ष का माहौल है। विश्वविद्यालय खेल पदाधिकारी प्रोफेसर अजय नाथ झा ने सहर्ष बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल चार पुल बनाए गए थे जिसमें ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की टीम पुल-सी में खेल रही थी। हमारी टीम ने अपने पुल के अन्य विश्वविद्यालयों की टीमों पर दबदबा बनाते हुए अपने शानदार प्रदर्शन के द्वारा अपने पुल के विभिन्न विश्वविद्यालयों - कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, एस० के० एम० विश्वविद्यालय, बस्तर, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया रॉबिंसन विश्वविद्यालय, ओडिशा, गुरु घासी दास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, मैथ्स विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, चित्रकूट, ओ०पी० जिंदल विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, एडमास विश्वविद्यालय,पश्चिम बंगाल की टीमों को पराजित करते हुए 20 नवंबर से 23 नवंबर तक श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला यूनिवर्सिटी, झुंझुनुन, राजस्थान में आयोजित होने वाले अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। प्रो झा ने आगे बताया कि कल हमारी कबड्डी टीम अन्य पुल के विजेता टीमों के साथ लीग मैच खेलेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी ने कहा कि मुझे खुशी है कि हमारी टीम ने अपने कठिन परिश्रम और संकल्प शक्ति से कबड्डी खेल में प्रोन्नति की है और सबसे अहम बात कि हमारी टीम खेल भावना से ओत- प्रोत है। मैं सभी विजेता खिलाड़ियों प्रशिक्षक,सहायक प्रशिक्षक और टोली प्रबंधक को उनके शानदार जीत और अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने हेतु बधाईयाँ और आने वाली प्रतियोगिता रूपी चुनौतियों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं वित्त पदाधिकारी ने भी सभी खिलाड़ियों को पूर्वी अंतर- विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में जीत तथा अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने के लिए बधाइयां और शुभकामनाएं प्रेषित की।

# मिथिला का पारंपरिक त्योहार भाई बहन का अनोखा पर्व सामा चकेवा शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर चार दिनों का महानुष्ठान आस्था का महापर्व छठ व्रत के समापन होते ही मिथिला की पारंपरिक त्योहार भाई-बहन का अनोखा पर्व सामा चकेवा शुक्रवार को शुरू हो गई।विभूतिपुर प्रखंड क्षेत्र के कल्याणपुर, सिंघिया घाट,नरहन आदि बाजार सहित विभिन्न चौक रंग बिरंगी सामा चकेवा से सजी हुई है।सुबह से ही सामा चकेवा की खरीदारी के लिए बाजार में भीड़ लगी रही। खास करके महिलाएं और बच्चियां सामा चकेवा की खरीदारी कर रही थी।सामा चकेवा एक ऐसा पर्व है जो बिहार के मिथिलांचल में काफी धूमधाम से मनाया जाता है। मिथिलांचल की इसे सांस्कृतिक पर्व भी कहते हैं।इस पर्व को भाई-बहन के प्यार के तौर पर भी मनाया जाता है।8 दिनों तक चलने वाले इस पर्व में बहन अपने भाई के लिए मंगल कामना करती है। मिथिला की पारंपरिक गीत सामा खेलअ गेलिये हो भईया चकेवा लअगेलअ चोर--।सामचक सामचक अयिहअ है,जोतला खेत में बैठिहिअ है-- सहित जट जटिन व झिझिया सहित अन्य गीतों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठता है। सामा चकेवा के अलावा सतभैया, चुगला, बृंदावन नामक कई प्रकार के छोटी छोटी मूर्तियां बनती है।पारंपरिक लोकगीत से जुड़ा सामा चकेवा का यह पर्व सभी समुदायों के बीच व्याप्त जड़ बाधाओं को तोड़ता है।आठ दिनों के बाद पुर्णिमा को सामा चकेवा की मूर्ति को बेटी की विदाई के तरह सजाया जाता है।डोली में बैठाकर भैया अपने कंधे पर उठाकर तालाब में ले जाकर विसर्जन करते है।

# दरभंगा एम्स के शिलान्यास में होगी कार्यकर्ताओं की ऐतिहासिक भागीदारी : सांसद

प्रात :किरणसंवाददाता

दरभंगा। एम्स शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम को सफलता को लेकर गौरबौराम विधानसभा के एनडीए कार्यकर्ताओं की बिरोल प्रखंड के परीं गांव स्थित सती स्थान में भाजपा संयोजक मणिकांत मिश्रा की अध्यक्षता में एक बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें इस विधानसभा क्षेत्र के हर पंचायत के हर बूथ से सौ लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए दरभंगा के सांसद सह लोकसभा में पार्टी सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि एम्स का निर्माण मिथिला क्षेत्र के विकास के नव निर्माण का नींव रखेगा। बिहार के दूसरा एम्स दरभंगा में देने के लिए साढ़े आठ करोड़ मिथिलावासी पीएम श्री नरेन्द्र मोदी का सदैव आभारी रहेंगे। 13 नवंबर को पीएम मोदी के द्वारा एम्स शिलान्यास कार्यक्रम की सफलता देश स्तर पर गूंजेगी।सांसद डा ठाकुर ने इस शिलान्यास कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि मिथिला के लिए इससे बड़ा सौभाग्य क्या होगा जब देश के पीएम यहां के नव निर्माण की नींव रखने के लिए आ रहे। बैठक में चर्चित समाजसेवी सह भाजपा नेता डॉ बैद्यनाथ चौधरी बैजू,विधानसभा प्रभारी विनय पासवान, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह, भाजपा नेता सुजीत कुमार सिंह, जदयू के बिरोल के प्रखंड अध्यक्ष कामरान खां, सुरेश गुप्ता, लोजपा के प्रभाकर ठाकुर, संजय पासवान, प्रदीप गुप्ता, गौरीशंकर पासवान, मनोज सहनी, भगवान ठाकुर, ब्रजनंदन सहनी, राजकुमार राय आदि मौजूद थे।

# मानपुर कैलाश छठ घाट समिति के सम्मान समारोह का आयोजन, सहयोगकर्ताओं को किया सम्मनित

प्रात :किरणसंवाददाता

अलीगंज, चार दिनों तक चलने वाला लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा श्रद्धा के साथ सम्पन्न,होने के बाद शुक्रवार को देर सुबह श्री श्री सूर्यनारायण पूजा समिति मानपुर कैलाश धाम परिसर मे पूजा समिति के द्वारा सम्मान समरोह का आयोजन किया गया, छठ घाट पर छठ पूजा समिति द्वारा हर वर्ष बहुत बड़ी पंडाल एवं आकर्षक सजावट एवं पूरी व्यवस्था के साथ छठ पर्व पर भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर भगवान सूर्यनारायण की उपासना की,जाती है भारी संख्या में भगवान भास्कर की दर्शन करने को उमड़े श्रद्धालु, मानपुर कैलाश धाम में आकर्षक सजावट,एवं पूरी व्यवस्था मे सहयोग एवं उसमे जो भी बढ़ चढ़ कर सहोग राशि प्रदान करते है,उन्हें श्री श्री 108 सूर्यनारायण पूजा समिति कैलाश धाम मानपुर की ओर से मुख्य अतिथि,बुद्धिजीवी एवं प्रतिनिधियों के हाथो सम्मानित किया गया,वहीं मुख्य अतिथि के जज साहब ओमकार कुशवाहा,जदयू जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र महतो उपस्थित हुऐ,वहीं सबसे पहले पूजा समिति की ओर से मुख्य अतिथि शैलेन्द्र महतो को पूजा समिति अध्यक्ष वाई पी सुमन,ने मोमेंटो एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया, वहीं उपस्थित अतिथियों ने बढ़ चढ़ कर सहयोग करने वाले लोगो को मोमेंटो एवं भगवान भास्कर की कैलेंडर,मिठाई एवं चुन्नी पट्टे देकर समानित किया,वहीं सम्मानित करते हुए जदयू नेता शैलेन्द्र महतो ने कहा की छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं और समाज के प्रतिष्ठित लोगों को सम्मानित करते हुए कहा कि छठ पर्व बिहार की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह पर्व न सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे और एकजुटता को भी मजबूत करता है।उनके अनुसार, जदयू पार्टी की ओर से सभी उपस्थि लोगो को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनायें दी,वहीं जज साहब ओमकार कुशवाहा ने कहा कि छठ पूजा एक बहुत महत्वपूर्ण त्योहार है इस माध्यम से समाज में स्वच्छता, अनुशासन और सामूहिकता की भावना का विकास होता है, जो कि समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छठ पूजा मे बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना एक धार्मिक एवं समाज को बढ़ावा देने मे मदद मिलती है,पूजा समिति अध्यक्ष वाईपी सुमन से बताया की हमारे प्रखंड एवं पंचायत क्षेत्र के लोगो के सहयोग से ही हर साल छठपूजा महोत्सव आकर्षक होती है, बिना सहयोग से कुछ भी संभव नही है,मानपुर कैलाश धाम पूजा समिति अपलोगो का आभार प्रकट करती है।

## संक्षिप्त खबरें

### छठ महापर्व के पावन अवसर पर भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य

पटनाः छठ महापर्व के पावन अवसर पर भगवान भास्कर को अर्घ्य देते प्रसिद्ध (आयुवेर्दाचार्य, समाजसेवी एवं लंगर टोली स्थित दूबे क्लिनिक के निदेशक डा॰ सुनील कुमार दूबे, उनकी पत्नी समाजसेविका उषा दूबे एवं पुत्रा डा॰ साजन दूबे।इस अवसर पर पूजा दूबे, अमर प्रकाश तिवारी, शालू सुनील दूबे, अलायना तिवारी, सागर दूबे, राज दूबे, साहिल दूबे, भोला झा, अंजनी देवी, रिंकी दूबे,काजू सिंह,अंजन,रोहित,लाल बाबू पासवान,संजीव कुमार समेत परिवार के अन्य सदस्य एवं यीष्ट मित्रा मौजूद थे ।

# धूमधाम से संपन्न हुआ प्रखंड क्षेत्र में छठ महापर्व नारंगजो घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [ झाझा ] आस्था और लोक संस्कृति के महापर्व छठ का समापन झाझा के गणेशी मंदिर घाट , सोहजाना घाट , पुरानी बाजार घाट , चरघरा सहित नारंगजो घाट पर पूरे भक्तिभाव और धूमधाम के साथ हुआ। हजारों श्रद्धालुओं ने गुरुवार की शाम और शुक्रवार की सुबह , डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। नारंगजो घाट का नजारा इस अवसर पर अद्वितीय था, जहां दीपों की रौशनी और परंपरागत लोकगीतों की गूंज ने पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया था। गुरुवार को संध्या अर्घ्य के समय नारंगजो घाट श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था। रंग-बिरंगे दीपों और पारंपरिक सजावट के बीच श्रद्धालुओं ने पारंपरिक परिधान में सज-धजकर विधिपूर्वक पूजा अर्चना की। ह्लछठ मइया की जयह्ल और ह्लसूर्य देव की जयह्ल के जयघोष से गूंजते इस घाट पर श्रद्धा और भक्ति का अनोखा दृश्य देखने को मिला। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए थे, जिससे किसी को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। शुक्रवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का विधिवत समापन हुआ। हजारों व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर अपने परिवार और समाज की खुशहाली की कामना की। इस दौरान घाट पर उमड़े श्रद्धालुओं की भीड़ और उनके भक्ति-भाव ने माहौल को अत्यंत भावपूर्ण बना दिया। स्थानीय प्रशासन द्वारा साफ-सफाई, सुरक्षा, और यातायात नियंत्रण के विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे श्रद्धालुओं को पूरी सुविधा मिल सकी। नरगंजो में छठ महापर्व एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक अवसर है, जो हर वर्ष क्षेत्रवासियों में नए जोश और उत्साह का संचार करता है। इस वर्ष भी यह पर्व भव्यता के साथ संपन्न हुआ, जो आस्था और परंपरा और आपसी सौहार्द की एक सुंदर मिसाल पेश करता है।

## लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा श्रद्धा के साथ सम्पन्न, छठ घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई ई०अलीगंजः- लोक आस्था व सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा नहाय खाय के साथ शुरू हुए इस छठ पर्व पर छठ मैया की आराधना को ले अलीगंज प्रखंड क्षेत्र के श्रद्धालुओं द्वारा छठ घाटों पर सूर्य को अर्ध देते हुए भगवान भास्कर से प्राथना कर सुख समृद्धि की कामना की, देशभर में छठ महापर्व धूम धाम एवं आस्था के साथ मना . चार दिनो तक चलने वाला त्योहार गुरुवार की संध्या अस्तचलगामी सूर्य को पहली अर्ध्य एवं आखिरी दिन शुक्रवार की सुबह महिलाओं ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया. सूर्य को अर्घ्य देने के साथ के साथ ही इस महापर्व का समापन हो गया। बताते चले की छठ पूजा में सूर्य भगवान और माता छठी की पूजा की जाती है. छठ पर्व में महिलाएं 36 घंटे का व्रत रखती हैं. इस पर्व को सूर्य षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है. छठ का पर्व साल में दो बार आता है. चार दिवसीय छठ पूजा की शुरूआत नहाय खाय के साथ हुई थी. छठ का ये पर्व संतान की सुख समृद्धि, अच्छे सौभाग्य और सुखी जीवन के लिए रखा जाता है. साथ ही यह व्रत पति की लंबी उम्र की कामना के लिए भी रखा जाता है.इस आस्था को लेकर अलीगंज पंचायत मानपुर कैलाश छठ घाट पे गुरुवार को संध्या पहली अर्ध देने छतवर्ती अपने माथे पर डालियां लेकर घाट पहुंचे वहा सभी प्रवैती डूबते हुए भगवान भास्कर सूर्य को नमन करते हुए संध्या वापस अपने घर को वापस हुए फिर सुबह 3 बजे से ही छठ वर्ती दूसरा अरग देने के बड़ी संख्या में कैलाश धाम मानपुर में उपस्थित हुए, वही पूजा के अवसर पर हर साल मेले का आयोजन होता है,पूजा समिति एवं लोगो के सहोग से चाय,पानी पीने की स्टॉल लगाया जाता है । पूजा समिति के सदस्यों ने बताया की हमलोग हर साल अपने तन मन धन से श्रद्धालु की सेवा करते है, हमलोगो को काफी खुशी होती है, सुख शांति मिलती है,भक्तो की सेवा करना हमारा धर्म है, छठ पूजा में मिनी मेले का आयोजन होता है, बच्चे बच्चियों के लिए मनोरंजन का सामान कठघोरा, झूला, ब्रेक डांस, तारामाची,खाने पीने के लिए चाट समोसे की दुकान एवं मिनी बाजार लगाया गया लोग लुत्फ उठाते नजर आए । घाट पर छठ पूजा समिति द्वारा इस बार बहुत बड़ी पंडाल एवं आकर्षक सजावट के साथ छठ पर्व पर भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर भगवान सूर्यनारायण की उपासना की,भारी संख्या में भगवान भास्कर की दर्शन करने को उमड़े श्रद्धालु, वहीं पूजा समिति की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया,अलीगंज मानपुर कैलाश धाम में आकर्षक सजावट,एवं पूरी व्यवस्था होती है,उसमे जो भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया,सहोग राशि प्रदान करनेवाले दाता को समिति की ओर से मोमेंटो एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया,वहीं पूजा के दौरान, शांति व्यवस्था को लेकर मानपुर कैलाश धाम पे सिकंदरा थाना इंक्पेक्टर नईम उद्दीन,प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिषेक भारती, सीओ रंजन कुमार दिवाकर चंद्रदीप थाना अध्यक्ष राजेंद्र सह एवं पुलिस, जवान मुस्तैद दिखे,वहीं छठ घाटों पे सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित थे।

## उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का हुआ समापन

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर) सूर्य उपासना का चार दिवसीय अनुष्ठान सनातन धर्म का सबसे बड़ा छठ महापर्व का समापन शुक्रवार के सुबह विभिन्न छठ घाटों पर पौह फटते ही उगते सूर्य भगवान भास्कर को घंटों से जल में खड़ी छठव्रती महिलाओं ने निष्ठा एवं समर्पण के साथ अर्घ्य देकर पूजा अर्चना किया । इसके पूर्व गुरुवार के शाम अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को छठ व्रतियों ने पूरे हर्षोल्लास एवं नेम निष्ठा के साथ अर्घ्य दिया । इस बीच छठ महापर्व को लेकर संपूर्ण क्षेत्र भर में पिछले चार दिनों से बिना किसी भेद भाव ,उच्च नीच ,जात -पात , की खाई को मिटाकर हर लोगों के बीच जो आपसी भाईचारा ,सद्भाव, संपूर्ण क्षेत्र में देखने को जो मिला वह अपने आप में मिसाल है । इधर पहली बार छठ पर्व कर रही महिला मेघा श्री ने बताया कि पिछले कई दिनों से लगातार हर घरों से लेकर सभी मंदिर, ठाकुरवाड़ी, में बज रहे छठ गीतों में केलवा के पात पर उगले सूरज देव, एवं उग हे सूरज देव भैयले भिनसरवा के अलावे कांच ही बांस के बहंगिया से संपूर्ण क्षेत्र गूंजायमान रहा ।इस बीच भक्ति रस में इस तरह सराबोर रहा जैसे मानो भगवान भास्कर की असीम कृपा सभी छठव्रतियों पर बरस रहा हो । निस्तार के बाद छठव्रतियों ने आस पड़ोस में गांव के नवयुवकों द्वारा स्थापित किए गए भगवान भास्कर की प्रतिमा पर भी जलार्पण किया। छठ व्रतियों ने 36 घंटे निर्जला उपवास के बाद छठ मैया का प्रसाद ग्रहण किया । छठ पर्व को लेकर अनुमंडल प्रशासन ने असरगंज तारापुर एवं संग्रामपुर क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों पर ग्रामीणों के सहयोग से लाइटिंग की व्यवस्था भी किया था ।

## उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ सम्पन्न हुआ छठ

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य के साथ ही चार दिवसीय महापर्व छठ भक्ति भाव के साथ संपन्न हो गया। महापर्व छठ के चौथे दिन शुक्रवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। इसके बाद व्रतियों ने अन्न जल ग्रहण कर पारण किया। प्रखंड क्षेत्र सहित नगर पंचायत संग्रामपुर के विभिन्न नदी तट, तालाब, नहर, तथा बहते जलस्रोत के अलावा घर के आंगन में बनाए गए, जलकुंडों में श्रद्धालुओं ने उदयगामी भगवान भास्कर एवं छठी मैया को अर्घ्य समर्पित कर अपने परिवार सहित समस्त जनों के आरोग्य वैभव के आशीर्वाद की कामना की। महापर्व के मौके पर छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की हुजूम देखी गई। देश ही नहीं बल्कि विदेशों में रहने वाले भी महापर्व छठ को लेकर अपने-अपने गांव में छठ मनाने के लिए पहुँचे थे। वहीं नगर पंचायत संग्रामपुर की ओर से संपूर्ण नगर पंचायत के छठ घाटों पर साफ सफाई के साथ-साथ लाइटिंग सहित महिला श्रद्धालुओं के लिए चेंजिंग रूम एवं सजावट की व्यवस्था की गई थी। वही अंचल अधिकारी सह दंडाधिकारी निशीथ नंदन के साथ थानाध्यक्ष तारकेश्वर कुमार सिंह के नेतृत्व पुलिस बल के साथ लगातार थाना क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर विधि व्यवस्थाओं का जायजा लेते देखे गए। प्रशासनिक पदाधिकारी सहित पुलिस पदाधिकारी हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए थे। वही भीड़ भाड़ वाले विभिन्न चौक चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। गश्ती टीम के द्वारा लगातार गस्ती भी जारी थी। इधर प्रखंड मुख्यालय के मुख्य बाजार संग्रामपुर सहित झिकुली चंदनिया एवं प्रखंड क्षेत्र के अन्य जगहों पर भगवान छठी मैया की प्रतिमा स्थापित कर लोगों ने महापर्व छठ मनाया।

## लाउडस्पीकर क्षतिग्रस्त करने से बढ़ा तनाव पदाधिकारियों ने की शांति समिति की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [ झाझा ] नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या एक बैजलपूरा गांव में छठपूजा के दौरान खरना की रात छठपूजा को लेकर लगाए गए लाउडस्पीकर बाजा को कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिए जाने के बाद गुरुवार की दो समुदायों के बीच तनाव उतपन्न हो गया। मामले की जानकारी एसएचओ संजय कुमार सिंह, नप के अध्यक्ष संजय यादव, उपाध्यक्ष विपिन साह, समाजसेवी राजीव कुमार उर्फ गुड्डू यादव, सीओ निशा सिंह एवं अन्य लोगों को मिलने के बाद तुरंत तनाव अधिक न बढ़ जाये इससे पूर्व गांव में पहुंचकर दोनो समुदाय के बुद्धिजीवियों के बीच शांति समिति की बैठक की। एसएचओ, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सीओ, समाजसेवी ने लोगों से कहा कि कोई भी पर्व हमलोगों को भाईचारा का पैगाम देती है उस भाईचारा को लोग बनाये रखे और पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न करने के लिए दोनो समुदाय को कहा । इस दौरान पर्व में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए दोनो समुदाय के बुद्धिजीवियों का हस्ताक्षर भी सहमति के लिए बने आवेदन पर लिया गया। बैठक में मौजूद बुद्धिजीवियों ने भी मौजूद पदाधिकारी, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष को पूर्ण भरोसा देते हुए कहा कि गांव में पर्व को लेकर सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहेगा। वही एसडीपीओ राजेश कुमार को भी जानकारी मिलने पर उन्होंने गांव में पहुंचकर शांति व्यवस्था का जायजा लेते हुए गांव में घूमते हुए बलियो घाट तक पहुंचकर निरीक्षण किया और लोगों को भाईचारा बनाये रखने की बात कि।

## उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ चैती छठ पर्व आस्था का महापर्व संपन्न

### भगवान भास्कर को नमन करते छठव्रती महिलायें

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। छठ पर्व को लेकर शहर से गांव तक धूम रही। छठ व्रतियों ने गुरूवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। वहीं शुक्रवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया।

इस दौरान गिद्धौर में छठ घाटों पर व्रतियों के अलावा परिवार के सदस्यों की भीड़ उमड़ी रही है। इस दौरान बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। छठ घाट पर छोटे-छोटे बच्चे जहां पटाखे फोड़ रहे थे। वहीं, महिलाएं छठ गीत गा रही थी। इससे पूरी तरह छठमय बना रहा है। इस बीच व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा संपन्न किया। इसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इधर, विधि-व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन बल छठ घाटों पर तैनात रहे।दंड देते घाट तक पहुंच रहे थे कई छठ व्रती मन्नते पूरी होने तो कोई मन्नत पूरी होने की आस लेकर दंडवत करते छठ घाटों पर पहुंच रहे थे। उनके पीछे-पीछे परिजन छठ का दउरा लेकर चल रहे थे। पतसंडा की सुशीला देवी ने बताया कि संतान की सलामति के लिए मैंने दंड देकर घाट पर आने की मन्नत मांगी थी। छठी मईया ने मेरी आस पूरी की तो मैं पिछले 20 वर्षों से दंड देकर घाट पर आ रही हूं।

## छठ पर्व पर पूजा समिति द्वारा प्रतिमा स्थापित कर की गई भगवान भास्कर की पूजा अर्चना

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। प्रखंड में लोक आस्था का महापर्व छठ में श्रद्धालुओं द्वारा भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर प्राण प्रतिष्ठा करते हुए उनकी पूजा की गई। बताते चले की परंपराओं के अनुसार सदियों से लोक आस्था के इस महासंगम छठ पर्व पर छठ व्रती महिलाओं का भगवान भास्कर को अर्घ्य देने की एक लंबी परंपरा सदियों से चली आ रही हैं। पर्व को लेकर प्रखंड के दुर्गा मंदिर घाट पर भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर छठ पूजा समिति द्वारा पूरे नेम निष्ठा के साथ भगवान सूर्य नारायण की पूजा अर्चना करवाई गई। वहीं गिद्धौर कलाली घाट में भी नवयुवक क्लब कलाली घाट के सदस्यों द्वारा मूर्ति स्थापना कर प्राण प्रतिष्ठा करते हुए सूयोर्पासना की गई। इस मौके पर पूजा समिति के सदस्य सहित संबंधित पूजा समिति के सदस्यों द्वारा विधि विधान वन नेम निष्ठा के साथ भगवान भास्कर की पूजा अर्चना करवाई गई। वहीं पर्व को लेकर हजारों की तादाद में प्रखंड क्षेत्र के उलाय नदी,कटहरा नदी आदि घाटों पर छठ व्रती महिलाओं एवं पुरुषों का जनसैलाब देखा गया। सभी ने भगवान सूर्य नारायण की आराधना कर अपने परिजनों व क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना की।

## लोक आस्था का महापर्व छठ भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पण कर समाजिक सदभाव के साथ हुआ संपन्न

### छठ व्रतियों ने अर्घ्य दे भगवन सूर्य नारायण की उपासना कर परिजनों के सुख समृद्धि की कामना

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौरः- प्रखंड मुख्यालय गिद्धौर में लोक आस्था का महापर्व छठ हर्सोल्लास के साथ भगवान भाष्कर को अर्घ्य अर्पण कर नियम निष्ठा के साथ विधिवत सम्पन्न हो गया। इस पर्व के दौरान प्रखंड क्षेत्र के उलाय नदी, नागी, नकटी, आंजन नदी कटहरा नदी तट सहित अन्य कई घाटों पर हजारों की तादाद में छठ व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर अपने परिजनों के सुख समृद्धि व मंगलमय जीवन की कामना की। इधर लोक आस्था के इस महापर्व को लेकर गिद्धौर के पतसंडा दुर्गा मंदिर घाट, राजमहल घाट, कलाली घाट, छतरपुर घाट सहित रतनपुर, कोल्हुआ, सेवा, पूर्वी गुगुलडीह, मौरा, गंगरा आदि पंचायतों के दर्जनों छठ घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ भगवान भास्कर को अर्घ्य देने को लेकर नदी घाटों पर जुटी रही। लोक आस्था के इस महापर्व पर ईश्वर के प्रति निष्ठा का यहां जन सैलाब देखा गया। इस दौरान आस्था के इस महान पर्व को लेकर गिद्धौर थानाध्यक्ष सर्वजीत कुमार, सहायक अवर निरीक्षक रंजित कुमार, प्रमोद कुमार, उमेश कुमार, अनुज कुमार, बीडीओ सुनील कुमार, अंचल अधिकारी आरती भूषण सहित शशस्त्र पुलिस बल के नेतृत्व में पुलिस बल द्वारा विभिन्न घाटों पर पर्व को सामाजिक सौहार्द के साथ संपन्न कराने को लेकर गश्ती करते देखे गए। इस मौके पर आस्था का उम्दा उदाहरण यहां देखा गया।

## छठ महापर्व समापन के साथ कार्तिक उध्यापन सह साप्ताहिक ज्ञान महायज्ञ कलश यात्रा के साथ शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : चार दिनों तक चलने वाली लोक आस्था का महापर्व की समाप्ति के साथ ही कार्तिक उधापन सह साप्ताहिक ज्ञान महायज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ शुरू हो गया है। आदर्श ग्राम दहियारी निवासी पत्रकार श्री पंकज बरनवाल के घर पर आयोजित कार्तिक उधापन सह साप्ताहिक ज्ञान महायज्ञ मे रंग बिरंगी परिधानों मे सजी तकरीबन 101 कन्या कुमारी ओर महिलाओं ने अपने सिर पर कलश लेकर दहियारी से पैदल चलते हुए अम्माटिल्हा गाँव के रास्ते दहियारी मोड़ होते हुए बाबा झुमराज मोड बटिया के रास्ते गोंती नदी पर पहुंची । जहाँ पर विद्वान पंडित आचार्य श्री टुनटुन पांडेय एवं सहायक के रुप मे बुलबुल पांडेय के द्वारा विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ पवित्र जल को कलश मे भरकर पुनः वापस दहियारी गाँव पहुंची । कलश यात्रा मे शामिल बड़ी संख्या में लोगों ने अपने हाथों मे ध्वज लिए जय श्रीराम का जयकारा लगाते हुए चल रहे थे । इस जयकारों से वातावरण भक्ति मय हो उठा । साप्ताहिक ज्ञान महायज्ञ मे यजमान के रूप में श्री ओंकार बरनवाल एवं उनकी धर्म पत्नी श्रीमती रीता देवी एवं माता कमला देवी शामिल थी । कलश यात्रा के दौरान समाज सेवी श्री लल्लू प्रसाद बरनवाल की ओर दही चीनी का सर्बत की व्यवस्था कलश यात्रा मे शामिल सभी लोगों के लिए किया गया था । वहीं कलश यात्रियों ओर आम जनों के लिए प्रसाद रुपी भोजन पुड़ी , सब्जी ओर बुंदिया की व्यवस्था पंकज बरनवाल के द्वारा किया गया था, जहाँ पर कलश यात्रियों के अलावा सेंकडो लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर तृप्त हुए । कलश यात्रा को संपन्न कराने झामुमो नेता सह झामुमो केन्द्रीय समिति सदस्य श्री ओंकारनाथ बरनवाल , सरपंच संघ के पुर्व जिला अध्यक्ष श्री दिनदयाल बरनवाल के अलावा समाज सेवी बिनोद बरनवाल , लल्लू प्रसाद बरनवाल, ललन बरनवाल, बालकृष्ण बरनवाल, मुखिया भीम रजक, उमेश बरनवाल , पवन बरनवाल , विकास बरनवाल , शंभु प्रसाद बरनवाल , गुड्डू बरनवाल , टिंकु बरनवाल , बबलू बरनवाल , संतोष बरनवाल, प्रमोद बरनवाल, डॉ सुधीर बरनवाल, सुकदेव मंडल, मेघन यादव, राजेश बरनवाल तथा शौरभ बरनवाल आदि लोग शामिल थे ।

## देशी कट्टा के साथ कुख्याय अपराधी राजेश की हुई गिरफ्तारी, कारतूस भी हुआ बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [ झाझा ] बीते दिनों सिमुलतला थानाक्षेत्र के कल्याणपुर पंचायत के बसन्तपुर गांव में शिक्षकों, स्थानीय मजदूरों के साथ मारपीट कर रंगदारी मांग कर अपनी दहशत लोगों के बीच बनाकर रखने वाले अपराधी राजेश यादव को जमुई जिला की पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर लिया। इस संदर्भ में एसडीपीओ राजेश कुमार ने गुरुवार को झाझा थाना में पीसी करते हुए गिरफ्तारी की पूरी जानकारी दिया। एसडीपीओ ने बताया कि गुप्त सूचना की कुख्यात अपराधी राजेश कुमार पैसेंजर ट्रेन से दादपुर हॉल्ट पर उतरने वाला है जिसके बाद पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर मेरे नेतृत्व में एक टीम बनाई गई जिसमे झाझा एसएचओ संजय कुमार सिंह, मलयपुर थानाध्यक्ष विकास कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल दादपुर हॉल्ट पर पहुंचकर ट्रेन से उतरते ही गिरफ्तार किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि उसके पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, एक ट्रॉली बैग बरामद हुआ है। एसडीपीओ ने बताया कि शिक्षक के साथ मारपीट मामले में सिमुलतला थाना घटना के दिन 3 मामला दर्ज हुआ था जबकि उससे पूर्व भी जमुई जिला के अलग अलग थाना में कई मामला उस पर दर्ज है इसके अलावे झारखंड के देवघर सहित अन्य कई थाना में दर्ज कांड में वह नामजद अभियुक्त है। एसडीपीओ ने बताया मारपीट, रंगदारी मांगे जाने के बाद राजेश फरार चल रहा था जिसके बाद घटना में शामिल तीन लोगों को पहले गिरफ्तार किया और उसके बाद राजेश की गिरफ्तारी की गई। एसडीपीओ ने बताया कि बसंतपुर में पूर्ण रूप से शांति व्यवस्था कायम है शिक्षक और बच्चे स्कूल आ रहे और विद्यालय का संचालन भी सही रूप से हो रहा है।

## असामाजिक तत्वों ने सूर्य प्रतिमा को किया खंडित, ग्रामीणों ने किया रोड जाम

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंजः- गुरुवार को चंद्रदीप थाना क्षेत्र के अबगिला-प्रसामा पोखर स्थित सूर्य मंदिर की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित करने का मामला सामने आया है। इसके बाद स्थानीय ग्रामीण उग्र होकर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जमुई नवादा मुख्य सड़क को जाम कर दिया। घटना की जानकारी होने के बाद चंद्रदीप पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर घंटों समझाने बुझाने के बाद ग्रामीणों को उचित न्याय दिलाने और दोषियों पर कार्रवाई करने के आश्वासन देने के बाद ग्रामीणों ने सड़क से जाम को हटा लिया। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि देर रात तक सभी ग्रामीणों ने मिलकर मंदिर में सजावट का काम किया था, उसके बाद सभी ग्रामीण अपने-अपने घर चले गए। जब आज सुबह मंदिर में पहुंचे तो ग्रामीणों ने देखा कि भगवान सूर्य की प्रतिमा को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि छठ पूजन में भगवान सूर्य की उपासना की जाती है। असामाजिक तत्वों द्वारा मूर्ति को खंडित किए जाने के बाद ग्रामीणों में रोष है, ग्रामीणों का कहना है कि अगर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो हम लोग दोबारा सड़क जाम करेंगे। अबगिला-प्रसामा पोखर स्थित सूर्य मंदिर में 2 साल पूर्व सूर्य भगवान की मूर्ति स्थापित की गई थी। छठ पूजा के दौरान श्रद्धालु मंदिर में भारी तादाद में पहुंचकर पूजा अर्चना करते हैं। इस मामले में चंद्रदीप थानाध्यक्ष राजेंद्र साह ने बताया कि सूर्य भगवान की प्रतिमा खंडित करने की जानकारी मिली है, ग्रामीणों द्वारा आवेदन दिया है, आवेदन मिलने के उपरांत पुलिस मामले की जाँच मे जुटी है ।

सम्पादकीय

# अमरीका का ट्रंप कार्ड

डोनाल्ड ट्रंप अमरीका के 47वें राष्ट्रपति होंगे। उनके पक्ष में अभी तक 295 इलेक्टोरल वोट हैं, जबकि कमला हैरिस 223 इलेक्टर्स के साथ काफी पिछड़ गई हैं। ट्रंप की टीम का आकलन है कि उन्हें 300 से अधिक इलेक्टर्स का समर्थन मिल सकता है। यह संपादकीय लिखने तक मतगणना जारी थी। अमरीका के लोकतंत्र ने एक बार फिर ट्रंप के नेतृत्व में विश्वास जताया है, नतीजतन उनके पक्ष में 51 फीसदी से अधिक जनादेश है। ट्रंप दूसरी बार अमरीका के राष्ट्रपति बन रहे हैं। बीच में चार साल का अंतराल था, जब जो बाइडेन राष्ट्रपति पद पर रहे। बाइडेन ने बेहद करीबी मुकाबले में ट्रंप को पराजित किया था। बहरहाल इस बार ट्रंप की जीत ऐतिहासिक, चमत्कारिक और अविश्वसनीय मानी जानी चाहिए। खुद ट्रंप ने भी ऐसा माना है। दरअसल उद्योगपतियों का एक वर्ग, संघीय नौकरशाहों की एक जमात, प्रमुख मीडिया समूह और दुष्प्रचार का एक प्रायोजित अभियान ट्रंप के खिलाफ था। वे वामपंथी सोच और सियासत के लोग थे और ट्रंप के खिलाफ लगातार प्रचारित कर रहे थे कि वह कमला हैरिस से पिछड़ रहे हैं। फिर प्रायोजित सर्वे भी प्रकाशित किए जाते रहे कि मुकाबला कांटेदार है, लेकिन जिस तरह इलेक्टर्स को जनादेश मिला है, वह स्पष्ट करता है कि इस बार अधिकांश अमरीका ने ट्रंप को ही चुनने का मन बना लिया था। औपचारिक तौर पर 6 जनवरी, 2025 को 538 निर्वाचित प्रतिनिधि राष्ट्रपति के लिए वोट करेंगे और उसी के बाद ट्रंप आधिकारिक तौर पर ह्यसुपर पॉवरह्ल देश के ह्यसुपर बॉसह्ल घोषित किए जाएंगे। नए राष्ट्रपति 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करेंगे और उसके बाद अमरीका का ह्यट्रंप कालह्ल शुरू होगा। ट्रंप ने उसे ह्यस्वर्णिम दौरह्ल माना है। बेशक अमरीका में एक बड़ा बदलाव सामने आया है, लेकिन ट्रंप के ह्यव्हाइट हाउसह्ल में प्रवेश के बाद विश्व-व्यवस्था भी बदलेगी। रूस के राष्ट्रपति पुतिन नए राष्ट्रपति की नीति और नीयत का आकलन करेंगे, उसके बाद ही बधाई देंगे। संभव है कि रूस पर अमरीकी पाबंदियों में कमी आए या उनमें ढील दी जाए! ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता और अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार जरूर चिंतित होंगे। ट्रंप के पहले कार्यकाल में भी अमरीका घोर ईरान-विरोधी था। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू बल्लियों उछल रहे होंगे, क्योंकि वह ट्रंप के ही पक्षधर, समर्थक रहे हैं। अमरीका में यहूदी लॉबी भी बहुत ताकतवर है। भारत के प्रधानमंत्री मोदी के ह्यगहरे दोस्तह्ल ओबामा और बाइडेन भी थे। पुतिन भी हैं और ट्रंप तो पहले से ही ह्यप्रिय दोस्तह्ल रहे हैं, लेकिन द्विपक्षीय संबंध और कूटनीति ऐसी ह्यदोस्तीह्ल के सहारे नहीं चला करतीं। बेशक राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप का बुनियादी लक्ष्य होगा कि अमरीका को दोबारा ह्यमहानह्ल बनाया जाए। ह्यअमरीका सर्वप्रथमह्ल की नीति लागू की जाए। उनके सामने 100 फीसदी जीडीपी के कर्ज वाली अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, अवैध शरणार्थी सरीखी ज्वलंत समस्याएं हैं, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप की अंतरराष्ट्रीय भूमिका भी कमतर नहीं है। यदि वह भारतीय प्रधानमंत्री के साथ मिल कर रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने में सफल रहे, तो वह ह्यशांतिदूतह्ल बनकर उभर सकते हैं। चूंकि ट्रंप यूक्रेन को अरबों डॉलर की आर्थिक मदद और हथियार मुहैया कराने के खिलाफ रहे हैं और नाटो को भी ज्यादा भाव न देने के पक्षधर रहे हैं, लिहाजा यूक्रेन को युद्ध रोकने को विवश होना पड़ेगा। यदि ट्रंप इजरायल और ईरान के दरमियान भी शांति स्थापित कर सके, तो पूरी दुनिया उन्हें दुआएं देगी, क्योंकि युद्धों और टकरावों से दुनिया की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, नतीजतन अर्थव्यवस्थाएं भी चरमराई हैं। बहरहाल अमरीका में नेतृत्व परिवर्तन से भारत के साथ उसके संबंध और समीकरण बदलने वाले नहीं हैं। भारत अमरीका का मुख्य रणनीतिक साझेदार देश है और क्वाड में अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया का साथी देश है। दोनों देशों के बीच कई आयाम हैं, जिन्हें विस्तार दिया जा सकता है। यह भारत का ट्रंप कार्ड भी है।

# ट्रंप की जीत के भारत के लिए मायने

ट्रंप की जीत भारत के लिए व्यावसायिक रूप से चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। ट्रंप की उल्लेखनीय वापसी के वास्तविक महत्त्व को समझने के लिए, हमें भावनाओं से आगे बढ़कर निहितार्थों की ओर बढ़ना होगा। अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों में सिर्फ.इतना ही काफी नहीं होता। निजी रिश्तों के साथ ही साथ दोनों देशों के आपसी हितों का तालमेल या टकराव नीतियों की दिशा तय करता है। इस लिहाज से ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए कैसा रहेगा, यह तो उनके जनवरी में कार्यभार संभालने के बाद ही पता चलेगा। ट्रंप को अब चीन या बहुपक्षवाद की तुलना में उनके उद्देश्यों के लिए अधिक गंभीर बाधा के रूप में फिर से स्थापित किया गया है। डीप स्टेट के लिए बदतर यह है कि इस बात की पूरी संभावना है कि यूक्रेन और गाजा में चल रहे दोनों युद्ध या तो संप्रभु बहुपक्षीय समन्वय द्वारा समाप्त कर दिए जाएंगे, या, उन्हें सामान्य रूप से व्यवसाय की वापसी सुनिश्चित करने के लिए कालीन के नीचे दबा दिया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान डेमोक्रेट तुलसी गबार्ड ने डेमोक्रेट के बीच कहर बरपाया है और लिज चेनी जैसे सच्चे रिपब्लिकन राजघराने ने डेमोक्रेट के लिए खुलकर प्रचार किया है। पहली नजर में यह भ्रामक लग सकता है, यहाँ तक कि अजीब भी, लेकिन ऐसा तब होता है जब राजनीतिक विचारधारा उतनी ही तेजी से खरगोश के बिल में चली जाती है जितनी कि अमेरिका में। अगर पार्टियों को अब यह नहीं पता कि वे किस लिए खड़े हैं, तो कल्पना करें कि आम राजनेता, पार्टियों के कार्यकर्ता और मतदाता कितने भ्रमित होंगे? अमेरिका एक तरह से भारत की तरह है, जो इस सदी की शुरूआत में नई दिशा की तलाश में था; चीजों को हिलाने और एक नया रास्ता बनाने के लिए दो आम चुनाव, एक नीरस दशक और नरेंद्र मोदी के उग्र आगमन की जरूरत पड़ी। व्यवसायी ट्रंप के लिए, खातों को संतुलित करना और व्यापार घाटे को कम करना एक स्वाभाविक कार्य है, जिसे वे 2016 से 2020 तक की तरह ही लगन से अपनाएंगे। ट्रंप के पहले कार्यकाल की रणनीति से प्रेरणा लेते हुए, हम अमेरिका से चीन, भारत और यूरोप जैसे दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा बाजारों में तेल और गैस के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं। महामारी तक उन्होंने यही सफलतापूर्वक किया और विडंबना यह है कि जो बिडेन ने भी इसे दोहराने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। पहले क्रम के प्रभाव अमेरिका के लिए अच्छे हैं क्योंकि अपस्ट्रीम हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में बढ़ी हुई गतिविधि का मतलब है अधिक नौकरियाँ, आर्थिक विकास, कम व्यापार घाटा और कम मुद्रास्फीति। तेल, विशेष रूप से शेल तेल ने किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में अधिक योगदान दिया और ऐसा फिर से हो सकता है। दूसरा पहलू यह है कि ट्रंप के भीतर की ओर देखने से भारत में कुछ नौकरियाँ खत्म हो सकती हैं और हम कुछ वीजा युद्ध देख सकते हैं। चीन और भारत को अमेरिकी कच्चे तेल की खरीद करने के लिए राजी करना कूटनीतिक मोर्चे पर एक ईमानदार समझौता है, जिसका सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए व्यापक रूप से मतलब होगा कि भारत और चीन को घरेलू मामलों में बहुत अधिक अमेरिकी हस्तक्षेप के बिना अपनी बढ़ती वैश्विक स्थिति को मजबूत करने के लिए अकेला छोड़ दिया जाएगा। निश्चित रूप से, कुछ शोर-शराबा होगा। इसकी प्रतिक्रिया में, यह संभव है कि सऊदी अरब जैसे बड़े तेल और गैस निर्यातक बाजार हिस्सेदारी को बनाए रखने के लिए एकतरफा कीमतों में कटौती कर सकते हैं, जबकि अमेरिका कतर को निचोड़ने और ईरान को खेल से बाहर रखने के लिए अपने सभी शेष प्रभाव का उपयोग करता है। इस खेल की प्रगति का एक संकेतक यह है कि यह देखने के लिए प्रतीक्षा करें और देखें कि क्या भारत ईरान से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करता है या नहीं। यदि ऐसा होता है, तो वैश्विक गतिशीलता कैसे बदलेगी, इस पर सभी दांव बंद हो जाएंगे, क्योंकि इसका मतलब होगा कि अमेरिका ने बहुध्रुवीयता को नई वैश्विक वास्तविकता के रूप में स्वीकार कर लिया है। यूक्रेन और गाजा में चल रहे दो युद्धों पर अमेरिका की स्थिति में किसी तरह की वापसी होगी। दोनों युद्ध या तो बहुपक्षीय संप्रभुता के आदेश से समाप्त हो जाएंगे, या फिर सामान्य स्थिति में वापसी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें बेरहमी से दबा दिया जाएगा। अमेरिका और बाकी दुनिया के लिए जल्द से जल्द यह सामान्य हो जाना चाहिए, क्योंकि, हम भूल न जाएँ, महामारी के बाद एक रिकवरी वर्ष प्राप्त करने के बजाय, हमें दो बदसूरत छद्म युद्ध, बढ़ती मुद्रास्फीति और दुर्बल करने वाले व्यापार व्यवधान मिले, कुछ ऐसा जिससे भारत केवल इसलिए बच गया क्योंकि हमने रूस पर पश्चिम के प्रतिबंधों को चतुराई से दरकिनार कर दिया।

# विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव अंधेरों की आहट

**मगर उमर अब्दुल्ला जो बात पीडीपी के लिए कह रहे हैं, वही शायद उनके लिए भी कही जा सकती है, वरना वह भी यह जानते हैं कि 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के जिस अनुच्छेद 370 को खत्म किया गया था, उसकी वापसी अब इतनी आसान नहीं है। वैसे भी, इतना तो उन्हें पता ही होगा कि सिर्फ विधानसभा में प्रस्ताव पारित हो जाने भर से अनुच्छेद 370 वापस आने वाला नहीं है। फिर इस समय केंद्र में भाजपा सरकार है, जो किसी भी तरह से इस पर विचार करने के मूड में नहीं है। उसकी नजर में यह एक कागज का टूकड़ा है, जो बिना विचार के रद्दी की टोकड़ी में ही जाने वाला है।**

ललित गर्ग
लेखक

ने शनल कॉन्फ्रेंस एवं उमर अब्दुला सरकार ने सदन में अपने बहुमत का लाभ उठाते हुए बुधवार को बिना अनुच्छेद 370 की पुर्नबहाली शब्द का इस्तेमाल कर, विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव तीखी झड़पों, हाथापाई, लात-घूंसे एवं शोरशराबे के बीच ध्वनिमत से पारित करा, साबित कर दिया है, वह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ इस होड़ में पीछे रहने के मूड में नही है। ऐसा लगता है कि जम्मू कश्मीर में अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति फिर से परवान चढ़ने लगी है, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बबार्दी की तरफ धकेलने की कुचेष्टाएं प्रारंभ हो गयी है। इस पारित प्रस्ताव में केंद्र सरकार से कहा गया है कि वह विशेष दर्जा वापस देने के लिए राज्य के प्रतिनिधियों से बातचीत करे। बुधवार को नवगठित राज्य विधानसभा में जब यह प्रस्ताव उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने पेश किया, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि चौधरी का चयन ही इसलिए किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश न कर सके। लेकिन भाजपा ने एक विधान एक निशान और राष्ट्रवाद के प्रति अपनी संकल्पबद्धता को दोहराते हुए इस प्रस्ताव का विरोध कर बताया कि वह प्रत्यक्ष तो क्या परोक्ष तौर पर भी किसी को घड़ी की सुइयां पीछे मोढ़ने की अनुमति नहीं देगी। जब तक केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार है, कोई भी अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 एक मरा हुआ सांप है, जिसे वह एक गले से दूसरे गले में डाल, जहर, आतंक एवं हिंसा फैलाने के षडयंत्र को सफल नहीं होने देगी। कश्मीर के नेताओं को समझना ही होगा कि पूरे भारत में अनुच्छेद 370 को लेकर जैसा जनमानस है, उसे देखते हुए अनुच्छेद 370 की वापसी असंभव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की धरती पर अनेक सकारात्मक स्थितियां उद्घाटित हुई है, विशेषतः लोकतंत्र को जीवंतता मिली है, वहां की अवाम ने चुनावों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, शांति एवं विकास से इस प्रांत में एक नई इबारत लिखी जाने लगी है। जम्मू-कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक सम्पूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता, वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवहमान नहीं होती, अधूरापन-सा नजर आता रहा है। इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने करके एक नये सूरज को उदित किया है, अब उस सूरज को अस्त नहीं होने दिया जायेगा। बड़ी जद्दोजहद से वहां एक नया दौर शुरू हुआ है, अब इस सुनहरे एवं उजले दौर को स्वार्थी एवं सत्ता की अलगाववादी एवं विघटनकारी राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देना चाहिए। भारत की महानता उसकी विविधता में है। साम्प्रदायिकता एवं दलगत राजनीति का खेल, उसकी विविधता में एकता की पीठ में छुरा भोंकता रहा है, घाटी उसकी प्रतीक बनकर लहूलुहान रही है। जब हम नये भारत-सशक्त भारत बनने की ओर अग्रसर हैं, विश्व के बहुत बड़े आर्थिक बाजार बनने जा रहे हैं, विश्व की एक शक्ति बनने की भूमिका तैयार करने जा रहे हैं, तब हमारे मस्तक के ताज जम्मू-कश्मीर को जाति, धर्म व स्वार्थी राजनीति से बाहर रखना सबसे बड़ी जरूरत है। इसी दिशा में घाटी को अग्रसर करने में मोदी सरकार के प्रयत्न सराहनीय एवं स्वागतयोग्य रहे हैं। घाटी की कमजोर राजनीति एवं साम्प्रदायिक आग्रहों का फायदा पडोसी उठा रहे हैं, जिनके खुद के पांव जमीन पर नहीं वे आंख दिखाते रहे हैं। अब ऐसा न होना, केन्द्र की कठोरता एवं सशक्तीकरण का द्योतक हैं। कश्मीर के तथाकथित राजनीतिक कर्णधारों! अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति छोड़ो। अगर तेवर ही दिखाने हैं तो देश के दुश्मनों को दिखाओ, पडौसी देश के मनसूंबों को निस्तेज करों। अतीत की राजनीतिक भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना, जम्मू-कश्मीर की चुनी हुई सरकार का संकल्प होना चाहिए। विशेष राज्य का दर्जा पाने के मसले पर नेशनल कॉन्फ्रेंस जहां खड़ी है, पीडीपी उससे दो कदम आगे रहना चाहती है। ऐसे करके नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी सरीखे दल यहां अलगाववाद और एक वर्ग विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति को जारी रखना चाहते हैं, वह यहां फिर से अलगाववाद को पैदा करना चाहते हैं, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बबार्दी की तरफ धकेलना चाहते हैं, तभी अनुच्छेद 370 की बहाली का प्रस्ताव लाये हैं। जबकि अनुच्छेद 370 के हटने से घाटी में एक उजाला अवतरित हुआ है, अब फिर से घाटी को अंधेरों से नहीं घिरने देना चाहिए। भले ही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर का चुनाव ही इसी घोषणा के साथ लड़ा और जीता है कि वह भारतीय संविधान में राज्य को उसका विशेष दर्जा वापस दिलाएगी। इसीलिये नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सत्ता में आते ही पहला काम यही किया और विधानसभा ने राज्य को विशेष दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव पारित कर दिया। नेशनल कान्फ्रेंस को लगता है कि विशेष दर्जे के मुद्दे से कुछ लोगों के तार भावनात्मक रूप से जुड़े हैं, इसलिए ज्यादा अतिवादी रूख अपनाकर इसका कुछ राजनीतिक फायदा उठाया जा सकता है। दोनों ही प्रमुख दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की होड़ लगाते हुए दिख रहे हैं। तभी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी थी कि यह पीडीपी का केवल प्रचार स्टंट है और उसके विधायक सिर्फ कैमरे के आगे आने के लिए यह सब कर रहे हैं।

# भारत की आर्थिक प्रगति में समाज से अपेक्षा

**आज भारत में शहरों को केंद्र में रखकर विकास की विभिन्न योजनाएं (स्मार्ट सिटी, आदि) बनाई जा रही है, जबकि, आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण इलाकों में ही निवास करती है। इसलिए भारत को पुनः ग्रामों की ओर रूख करना होगा। न केवल कृषि क्षेत्र बल्कि ग्रामीण इलाकों में कुटीर एवं लघु उद्योगों की स्थापना की जानी चाहिए जिससे रोजगार के पर्याप्त अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और इन स्थानों पर उत्पादित की जा रही वस्तुओं के लिए बाजार भी ग्रामीण इलाकों में ही विकसित हो सकें। लगभग 50 गावों के क्लस्टर विकसित किए जा सकते हैं, इन इलाकों में निर्मित उत्पादों को इस क्लस्टर में ही बेचा जा सकता है**

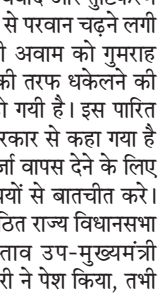

प्रहलाद सबनानी
लेखक

विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी मॉडल को अपनाकर आर्थिक विकास को गति देने का प्रयास पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से हो रहा है। पूंजीवाद की यह विशेषता है कि व्यक्ति केवल अपनी प्रगति के बारे में ही विचार करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के एहसास को भूल जाता है। जिससे, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के चलते समाज में असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विनिर्माण इकाईयों में मशीनों के अधिक उपयोग से उत्पादन में तो वृद्धि होती है परंतु रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो पाते हैं। रोजगार की उपलब्धता में कमी के चलते समाज में कई प्रकार की बुराईयां जन्म लेने लगती हैं क्योंकि यदि किसी नागरिक के पास रोजगार ही नहीं होगा तो वह अपनी भूख मिटाने के लिए चोरी चकारी एवं हिंसा जैसी गतिविधियों में लिप्त होने लगता है। पूंजीवाद की नीतियों के अनुपालन के चलते वर्तमान में विश्व के कई देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो रहा है। परंतु, प्राचीनकाल में भारत में उपयोग में लाए जा रहे आर्थिक मॉडल को अपनाए जाने के कारण भारत में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध रहता था। भारत में अतिप्राचीन काल से ग्रामीण क्षेत्र ही विकास के केंद्र रहते आए हैं। भारत का कृषि क्षेत्र तो विकसित था ही, साथ में, कुटीर उद्योग भी अपने चरम पर था। पीढ़ी दर पीढ़ी व्यवसाय को आगे बढ़ाया जाता था। नौकरी शब्द तो शायद उपयोग में था ही नहीं क्योंकि परिवार के सदस्य ही अपने पुरखों के व्यवसाय को आगे बढ़ाने में रुचि लेते थे अतः भारत के प्राचीन काल में नागरिक उद्यमी थे। नौकरी को तो निकृष्ट कार्य की श्रेणी में रखा जाता था। भारत में भी आर्थिक विकास की दर में तेजी तो दृष्टिगोचर है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हो रही है और आज यह लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो गई है। प्रति व्यक्ति आय यदि 14000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो जाती है तो भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। अतः प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत में आर्थिक विकास के साथ साथ मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या भी बढ़ रही है। परंतु, साथ में आय की असमानता की खाई भी चौड़ी हो रही है, क्योंकि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय तुलनात्मक रूप से तेज गति से बढ़ रही है। हालांकि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग, विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों, के लिए कई विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं और इसका असर भी धरातल पर दिखाई दे रहा है। हाल ही के वर्षों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भारी कमी दिखाई दी है। भारत में आर्थिक प्रगति के चलते सम्पत्ति के निर्माण की गति भी तेज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023 के अंत में आयकर विभाग में जमा की गई विवरणियों के अनुसार, 230,000 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की बताया है। यह संख्या पिछले 10 वर्षों के दौरान 5 गुणा बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2012-13 में 44,078 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की घोषित किया था। उक्त आंकड़ों में वेतन पाने वाले नागरिकों का प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 52 प्रतिशत रहा है, वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह 49.2 प्रतिशत था तथा वित्तीय वर्ष 2012-13 में यह प्रतिशत 51 प्रतिशत था। इस प्रकार एक करोड़ रुपए से अधिक का वेतन पाने वाले नागरिकों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं आया है। जबकि व्यवसाय करने वाले नागरिकों की आय और अधिक तेज गति से बढ़ी है। 500 करोड़ रुपए से अधिक की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में समस्त करदाता व्यवसायी हैं। 100 करोड़ रुपए से 500 करोड़ रुपए की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में 262 व्यवसायी हैं एवं केवल 19 वेतन पाने वाले नागरिक हैं। भारत के एक प्रतिशत नागरिकों के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक की सम्पत्ति है। अतः देश में आय की असमानता स्पष्टतः दिखाई दे रही है। एक अनुमान के अनुसार यदि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवार की आय में 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह केवल 10 रुपए का खर्च करता है एवं 90 रुपए की बचत करता है जबकि एक गरीब परिवार की आय में यदि 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह 90 रुपए का खर्च करता है एवं केवल 10 रुपए की बचत करता है। इस प्रकार किसी भी देश को यदि उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि करना है तो गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध करानी होगी। जबकि विकसित देशों एवं अन्य देशों में इसके ठीक विपरीत हो रहा है, उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है जिसके चलते कई विकसित देशों में आज उत्पादों की मांग बढ़ने के स्थान पर कम हो रही है और इन देशों के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि की दर बहुत कम हो गई है तथा इन देशों की अर्थव्यवस्था में आज मंदी का खतरा मंडरा रहा है। उक्त परिस्थितियों के बीच वैश्विक पटल पर भारत आज एक दैदीप्यमान सितारे के रूप में चमक रहा है। भारत में आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के आसपास आ गई है और इसे यदि 10 प्रतिशत के ऊपर ले जाना है तो भारत में ही उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करनी होगी इसके लिए गरीब वर्ग की आय में वृद्धि करने सम्बंधी उपाय करने होंगे तथा रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने होंगे। प्राचीनकाल में भारत में उपयोग किए जा रहे आर्थिक दर्शन को एक बार पुनः देश में लागू किए जाने की आवश्यकता है।

# राहुल गाँधी के निशाने पर राजघराने

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुलाम भारत के उन राजघरानों के बारे में लिख दिया जो आजाद भारत में भी अपने आपको राजा-महाराजा समझते हैं हालाँकि हैं नहीं और अब उनके लिए दोबारा राजपाट मिलने की कोई संभावना भी नहीं है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने व्यापार और बाजार परिदृश्य पर विचार प्रस्तुत करते हुए एक लेख लिखा जो एक अंग्रेजी अखबार में छपा है। ये अखबार किसी जमाने में कांग्रेस का प्रबल विरोधी अखबार था। अखबार का नाम है इंडियन एक्सप्रेस। राहुल के लेख में उन्होंने एकाधिकार और नफरत फैलाने वालों पर निशाना साधा है। उन्होंने शाही परिवारों को भी निशाने पर लिया। राहुल गाँधी का लेख पढ़ते ही राजघरानों के लोगों को आग सी लग गयी। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राहुल गांधी के लेख की आलोचना की। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में झाँसी की रानी के साथ कथित गद्दारी का कलंक लिए घूमने वाले ग्वालियर के सिंधिया राजघराने के मौजूदा चश्मो चिराग केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी राहुल गांधी की टिप्पणी पर अपनी नाराजगी जताई। आपको अतीत में ले जाना चाहता हूँ। हमने पढ़ा है तो आपने भी पढ़ा ही होगा कि भारत में अंग्रेजी हुकूमत के दौरान हिन्दुस्तान में हिन्दू राजा-महाराजाओं और मुसलमान नवाबों की रियासतें हुआ करतीं थी। यानि जैसे आज आजाद राष्ट्र में एक महाराष्ट्र है वैसे ही गुलाम भारत में एक-दो नहीं बल्कि पूरी 565 रियासतें थीं। यानि 565 हिंदुस्तान। ये सब स्वतंत्र होकर भी परतंत्र थे लेकिन मजे में थे। अंग्रेजों के साथ अधिकांश राजघरानों की संधियां थी।कुछ की तो मुगलों से भी संधियां रहीं। अंग्रेज इन्हें इनाम-इकराम और बड़े-बड़े तमगे भी दिया करते थे, लेकिन इनमें से बहुत से राजघराने थे जो अंग्रेजों से लगातार मुठभेड़ें भी लेते रहते थे ,लेकिन उनकी ये मुठभेड़ें निजी नफा-नुकसान को लेकर हुआ करतीं थीं। आजकल लोग अखबार कम पढ़ते हैं लेकिन सोशल मीडिया ज्यादा देखते हैं इसीलिए राहुल गाँधी ने भी अपने ह्यएक्सह्ल के पन्ने पर अपना लेख साझा करते हुए लिखा कि अपना भारत चुनें निष्पक्ष खेल या एकाधिकार? नौकरियां या कुलीनतंत्र? योग्यता या रिश्ते? नवाचार या डराना-धमकाना? बहुतों के लिए धन या कुछ चुनिंदा लोगों के लिए? मैं इस बारे में लिख रहा हूं कि व्यापार के लिए एक नया समझौता सिर्फ एक विकल्प नहीं है, यह भारत का भविष्य है। आपने शायद राहुल का लेख न पढ़ा हो इसलिए मैं उनके लेख के कुछ अंश यहां साझा करता हूँ। उन्होंने लिखा कि-ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को चुप करा दिया था। यह अपने व्यापारिक कौशल से नहीं, बल्कि अपने दबदबे से कराया गया था। कंपनी ने हमारे अधिक लचीले महाराजाओं और नवाबों के साथ साझेदारी करके, रिश्वत देकर और धमकाकर भारत का गला घोंटा। इसने हमारे बैंकिंग, नौकरशाही और सूचना नेटवर्क को नियंत्रित किया। हमने अपनी आजादी किसी अन्य राष्ट्र से नहीं खोई, हमने इसे एक एकाधिकारवादी निगम से खो दिया जिसने एक जबरदस्ती तंत्र चलाया। अब इस लेख में कितनी हकीकत है और कितना अफसाना ये पाठकों को तय करना है ,लेकिन मुझे लगता है कि राहुल ने एक बार फिर उस सामंतवादी समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया है जो हमेशा राजसत्ता के इर्द गिर्द मंडराता रहता है। कल भी मंडराता था और आज भी मंडरा रहा है। उसके लिए दल ज्यादा महत्व नहीं रखते यानि राजघरानों को राजसत्ता के आसपास ही रहना है फिर चाहे वो सत्ता कांग्रेस की हो,भाजपा की हो, गठबंधन की हो या वैसाखियों वाली हो। राहुल गांधी के लेख की कुछ पंक्तियों ने देश के तमाम राजशाही परिवारों को नाराज कर दिया। राजघरानों के लिए मशहूर राजस्थान के जयपुर के पूर्व शाही परिवार की सदस्य और राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी अपने एक्स हैंडल से राहुल गांधी पर निशाना साधा। राजकुमारी दीया कुमारी ने लिखा कि मैं संपादकीय में राहुल गांधी की ओर से भारत के पूर्व शाही परिवारों को बदनाम करने के प्रयास की कड़ी निंदा करती हूं। उनका कहना है कि एकजुट भारत का सपना भारत के पूर्व शाही परिवारों के अत्यधिक बलिदान के कारण ही संभव हो सका। ऐतिहासिक तथ्यों की अधूरी व्याख्या के आधार पर किए गए निराधार आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। राहुल गाँधी के लेख से सबसे ज्यादा आहत हुए उनके पुराने दोस्त और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया। सिंधिया जिस परिवार से आते हैं उसके ऊपर झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन के समय ह्य गद्दारी ह्य करने का आरोप लगाया गया था,जो आज भी लोकधारणा में जिंदा है। सिंधिया परिवार इस आरोप से इतना लज्जित था कि पिछले डेढ़ सौ साल में इस परिवार का कोई सदस्य रानी लक्ष्मी बाई की ग्वालियर स्थित समाधि पर नहीं गया था,खुद ज्योतिरादित्य सिंधिया भी नहीं गए थे,लेकिन भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें भी रानी झाँसी को वीरांगना स्वीकार कर उनकी समाधि पर शीश नवाने के लिए विवश कर दिया गया था। राहुल के लेख पर बिफरते हुए सिंधिया ने लिखा कि नफरत फैलाने वालों को भारतीय गौरव और इतिहास पर व्याख्यान देने का कोई अधिकार नहीं है। राहुल गांधी का भारत की समृद्ध विरासत के बारे में अज्ञान और उनकी औपनिवेशिक मानसिकता सभी सीमाओं को पार कर गई है।

# पोखर में युवकों से भरी नाव पलटी,पानी में डूबने से दो की मौत विधायक बने ग्रामीणों के नाराजगी का शिकार, किया गया दुर्व्यहार

प्रातः किरण, संवाददाता

तरैया । लोकआस्था के महापर्व छठ को लेकर पूरे बिहार में उत्साह है।शुक्रवार को हजारों छठ व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए थाना क्षेत्र के पचभिंडा बेलहर टोला में स्थित पोखरे पर उपस्थित हुए थे।उसी समय पोखर में युवकों से भड़ी नाव पलट गई।जिससे पानी में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई है।मृतक दसई मांझी के 18 वर्षीय पुत्र सुरज कुमार व वैद्यनाथ सिंह के 20 वर्षीय पुत्र बिट्टू कुमार सिंह है।ग्रामीणों ने बताया कि उक्त गांव स्थित सरकारी पोखरा पर छठ पूजा के दूसरे दिन सूर्य को अर्घ्य देने छठ व्रती पहुंचे थे। इसी बीच एक नाविक कुछ युवकों को नाव में बैठा कर पोखर में घुमाने लगा। तभी अचानक नाव पोखर के गहरे पानी में पलट गई।कुछ ग्रामीण पानी में कूद कर नाव सवार को पानी से निकालने लगे। लेकिन दो युवक को बचा नहीं पाए। दोनों युवकों की डूबने से मौत हो गई। इस घटना से छठ घाट के पास अफरा तफरी का माहौल हो गया।घटना की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर लोगो की भीड़ लग गई।

**अस्पताल में एम्बुलेंस नहीं रहने पर परिजन व ग्रामीण हुए आक्रोशित,पुलिस और विधायक से किया धक्का मुक्की**

दोनों युवक को स्थानीय ग्रामीणों व विधायक ने अपने निजी सवारी से रेफरल अस्पताल तरैया पहुंचाया गया।जहां चिकित्सकों ने दोनों युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक बिट्टू कुमार सिंह के शव को एंबुलेंस से पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय प्रशासन ने सदर अस्पताल छपरा भेज दिया।मृतक सूरज को भेजने के लिए एंबुलेंस बुलाई जा रही थी लेकिन एंबुलेंस आने में देरी हुई तो ग्रामीण आक्रोशित हो गए।जिसमें कुछ ग्रामीणों ने विधायक के साथ दुर्व्यवहार किया।वहीं सूरज के शव को ग्रामीण व परिजन कंधे पर उठाकर अस्पताल से घर ले जाने लगे। जिसे स्थानीय पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो पुलिस के साथ भी हाथापाई करने लगे और पथराव करने लगे जिससे एंबुलेंस का शीशा टूट गया और कई लोग घायल हो गए।घायलों में तरैया गांव निवासी 20 वर्षीय नीतीश कुमार वह अन्य शामिल हैं।पुलिस प्रशासन के लाख मना करने के बाद भी मृतक सूरज के शव को कंधे पर उठाकर अस्पताल से अपने गांव पचभिंडा लेकर चले गए और मढ़ौरा तरैया मुख्य सड़क एसएच 73 पर शव को रखकर सड़क जाम करते हुए आवागमन बाधित कर दिए।मृतक के भाई श्रवण कुमार वह बीडीसी लालू पासवान ने बताया कि प्रशासन द्वारा एंबुलेंस उपलब्ध नहीं कराया गया है जिस कारण स्थानीय लोग आकर्षित हो गए। लगभग 1 घंटे के बाद स्थानीय लोगों व प्रशाशन के समझाने बुझाने के बाद जाम हटाया गया और पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया।तब जाकर आवागमन बहाल हुआ।

**तीन भाइयों में सबसे छोटा था बिट्टू**

स्व.बैजनाथ सिंह के 20 वर्षीय पुत्र बिट्टू कुमार सिंह तीन भाइयों में सबसे छोटा था।जिसमें बड़ा भाई जीतू कुमार की मौत बीमारी से हो गई थी।दूसरा भाई जितेंद्र कुमार गुम हो गया था।वही सबसे छोटा बिट्टू कुमार सिंह बरौनी में एक प्राइवेट कंपनी में मजदूरी कर अपने माता उर्मिला कुंवर का भरण पोषण कर रहा था।मृतक बिट्टू 06 नवंबर को कंपनी से छुट्टी लेकर छठ पर्व में घर आया था।08 नवंबर को वह वापस बरौनी जाने वाला था कि सुबह में पोखरे में डूबने से मौत हो गई।माता उर्मिला कुंवर का रो रो कर बुरा हाल है।

दसई मांझी के 18 वर्षीय पुत्र सूरज कुमार तीन भाइयों में दूसरा था।बड़ा भाई श्रवण कुमार व छोटा भाई सत्यम कुमार,माता मीरा देवी,बहन सोनम कुमारी का रो रो कर बुरा हाल है।

# हर डूबने वाले को सुनिश्चित उदय की सीख देता है छठ महापर्व:गरिमा

- अपनी पारिवारिक परंपरा के अनुरूप घर की छत पर स्थापित घाट पर महापौर ने रखा छठ का महाव्रत

प्रातः किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने पारिवारिक परंपरा के अनुरूप अपने घर की छत पर बने कृत्रिम पोखर के माध्यम से छठ का व्रत किया। शुक्रवार को उदय कालीन सूर्य को नेम टेम से अर्घ्य देकर अपने परिजनों के साथ 36 घंटे के निर्जला महाव्रत को पूरा किया। इस मौके पर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि प्रायःपूरी दुनिया में मान्यता है कि जिसका उदय हुआ है, उसका अस्त होना निश्चित है, लेकिन अपने बिहार पर केंद्रित हमारा छठ महापर्व अनूठा सीख देता है कि - जो डूबता है,उसका उदय भी निश्चित है। अनुपम सामाजिक सौहार्द, सद्भाव, शान्ति, समृद्धि और सादगी में समाहित सूर्य देव की उपासना का बिहार केंद्रित छठ महापर्व देश और दुनिया का एक अनूठा उदाहरण है। श्रीमती सिकारिया ने कहा कि यह एक ऐसी पूजा जिसमें पंडित, पुजारी विशेष महत्ता नहीं होती, इसमें जिसमें सबके लिए प्रत्यक्ष सूर्य देव के प्रति लोक आस्था के अनुरूप घर घर में पूजा की जाती है। इसकी शुरूआत डूबते सूर्य की अर्घ्य पूजा के साथ होती है। इसमें व्रती की जाति या समुदाय की कोई महत्ता नहीं होती। इस उपासना में घाट पर कोई उच्च-निम्न छोटा बड़ा कोई नहीं होता है। सबका सहयोग संभाव से सभी करते हैं। हर वर्ग के अमीर-गरीब व्रती का प्रसाद सभी श्रद्धा से ग्रहण करते हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### पुलिस ने गांजा व एक महिला समेत तीन लोगों को किया गिरफ्तार

प्रातः किरण, संवाददाता

बागहा।(नसीम खान क्या)

बगहा पुलिस जिला अंतर्गत धनहा थाना पुलिस ने गौतमबुद्ध पूल चेकि पोस्ट पर वाहन चेकिंग के दौरान एक महिला समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। इनके पास से तलाशी के दौरान 27 किलो गांजा बरामद किया गया है। सूत्रों के मुताबिक गांजे की कीमत करीब 50 लाख रुपये आंकी जा रही है।थानाध्यक्ष धर्मवीर कुमार भर्ती ने बताया कि ये तस्कर ओटो से माल लेकर चौतरवा की तरफ से आ रहे थे तभी गौतमबुद्ध पूल पर चेकिंग दौरान पकड़े गए। इन्होंने आगे बताया कि पकड़े गए एक महिला व दो तस्कर छोटू निषाद और बसंत कुमार के रूप में हुई है।ये सभी भितहाँ थाना क्षेत्र रेडहा के निवासी बताए जा रहे है।

### सरकारी छठ घाट है पचभिंडा फिर भी नहीं थे कोई मजिस्ट्रेट

तरैया। घटना स्थल सरकारी छठ घाट है।फिर वहां कोई मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी नहीं थे।जबकि छठ घाटों पर मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारी तैनाद करने के निर्देश थे।उक्त छठ घाट पर गुरुवार के दिन संध्या अर्घ्य के समय भी एक नाविक द्वारा 20 से तीस रुपए लेकर युवकों को नौका विहार कराया जा रहा था।जिसकी पुनरावृत्ति पुनः सुबह की जा रही थी।अगर यहां कोई अधिकारी रहते तो शायद इस नौका विहार पर रोक लग जाता तो यह घटना नहीं घटती।हालांकि स्थानीय चौकीदार द्वारा छोटी नाव पर अधिक संख्या में युवकों के चढ़ने का विरोध किया जा रहा था।लेकिन उसकी कोई नहीं सुन रहा था।और आखिरकार देखते ही देखते नाव डूब गई और दो लोग की मृत्यु हो गई।

### छठ में प्रशासन दिखी सक्रिय, डीएम एसपी ने कई घाटों का किया निरीक्षण

छपरा ' छठ महापर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय रही, जिलाधिकारी अमन समीर एवं पुलिस कप्तान कुमार आशीष ने कई घाटों का निरीक्षण किया ' मालूम हो कि शहर में दो दर्जन से अधिक छठ घाट बनाए गए थे ' इस महापर्व को लेकर जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर निगम द्वा-रा बड़े पैमाने पर छठ घाटों की साफ -सफाई, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़क-ाव करना एवं उबर खाबर सड़को को समतल करने का अभियान चलाया जा रहा था ' छठ पर्व को लेकर विगत कई दिनों से नगर निगम की पूरी टीम लगी हुई थी ' जिसका मॉनिटरिंग महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता स्वयं कर रहे थे ' सभी घाटों पर मुकम्मल व्यवस्था का जायजा स्थानीय वार्ड कमिश्नर से भी महापौर ले रहे थे ' प्रशासन द्वारा सभी घाटों की सफाई के अलावा घाटों पर जाने वाले संपर्क पथ को भी सफाई की गई थी ' जबकि विभिन्न घाटों पर बाकेटिंग के साथ ही एनडीआरएफ टीम और गोताखोर भी मौजूद रहे ' जिला प्रशासन द्वारा मोटर बोट से कई घाटों का निरीक्षण कर जायजा लिया गया ' चार दिवसीय महाअनुष्ठान को लेकर जिला प्रशासन के साथ स्थानीय समितियां और समाजसेवियों द्वारा भी घाटों की सफाई संपर्क पथ को मरम्मत करने तथा छठ वर्तिओं को घाटों तक जाने के लिए रंग-बिरंगे लाइटों से सजाया गया था ' साहिबगंज सोनार पट्टी स्थित घाट पर जाने वाले संपर्क पथको स्थानीय लोगों द्वारा सजाया गया, लोगों को आकर्षित कर रहा था ' इसके अलावा छोटा तेलपा कोरार एवं लाला टोली घाटों पर जाने वाले संपर्क पथ रंग-बिरंगे लाइटों से सजा था।

# इंडो नेपाल सीमावर्ती क्षेत्रों में छठ ममहापर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

प्रातः किरण, संवाददाता

बगहा। नेपाल और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित बगहा और वाल्मीकिनगर समेत धनहा व भीतहा बोरवल और नेपाल स्थित पड़ोस में त्रिवेणी,रानी नगर,36 नम्बर चौक में नारायणी गंडक नदी तट पर लाखों छठ वर्तियों नें उदयीमान सूर्य कों अर्घ्य देकर निर्जला व्रत छठ महापर्व के पूजा का समापन किया वहीं रामनगर शहर के बीचोंबीच गुजरने वाली रामरेखा नदी तट पर स्थित छठघाट पर हजारों छठवर्ती महिलाओं ने उगते सूर्य भगवान को अर्ध्य दिये । नगर समेत ग्रामीण क्षेत्र के सभी घाटों पर छठपूजा पुलिस प्रशासन की देखरेख में शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ । बतादें की छठ घाट पर भगवान सूर्य देव,छठी मईया व साधू की प्रतिमा बनाई गई जो मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा । छठी माता की प्रतिमा पर भक्तों व श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की । जहाँ छठ की छटा में पूरा इलाका सराबोर दिखा ।

# छठ पूजा के बाद वाल्मीकिनगर में पर्यटकों की अप्रत्याशित आवक बढ़ी

प्रातः किरण, संवाददाता

बगहा। बगहा के वाल्मीकिनगर में छठ पूजा के अगले दिन पर्यटकों की अप्रत्याशित आवक बढ़ी।लोग परिवार के साथ वाल्मीकिनगर स्थित पर्यटन स्थलों पर घूमते हुए देखे जा रहे है। बतादें की चार दिनों तक छठ महापर्व के संपन्न होते वाल्मीकिनगर में मनोरंजन के लिए परिवार के साथ लोगों ने रुख किया।कई पर्यटक अपनी निजी वाहन से आए और माता नरदेवी के साथ वीटीआर जंगल मे स्थित जटाशंकर और वाल्मीकि आश्रम के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।वहीं पाथवे,झूला,इको पार्क,जंगल कैम्प समेत ऐतिहासिक गडक बराज का दीदार किया।हाइ स्कूल मैदान,छताचौक,हॉस्पिटल, क्लब परिसर में लोगों ने पिकनिक मनाई।बगहा, बेतिया,लौरिया, चौतरवा, परसौनी आदि जगहों से पर्यटक वाल्मीकिनगर स्थित पर्यटक स्थलों पर पहुंच प्रकृति के नयनाभिराम दृश्यों का दीदार किया। चौतरवा से आए पर्यटक अरविंद यादव ने बताया कि छठ महापर्व से पूर्व हम लोगों ने प्लान बनाया हुआ था कि छठ बीतने के बाद हम चार पांच दोस्त वाल्मीकिनगर आएंगे। यहां आकर मन नहीं भरता है बल्कि यहां आने का बार बार मन करता है।हर बार यहां का दिलकश नजारा मन को मोह लेता है।

# माँझी में श्रद्धालुओं ने भगवान भाष्कर को किया अर्घ्यदान

प्रातः किरण, संवाददाता

माँझी। सूयोर्पासना के महान छठ पर्व के अवसर पर गुरुवार की शाम एवं शुक्रवार को सुबह माँझी के प्रसिद्ध रामघाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान भाष्कर को अर्घ्यदान किया। मौके पर स्थानीय प्रशासन,नगर पँचायत तथा छठ पूजा समिति से जुड़े सदस्यों ने व्रतियों की सहूलियत के लिए बेहतर व्यवस्था की थी। व्रतियों के लिए साफ सफाई के अलावा सड़कों एवम प्रवेश स्थलों पर आकर्षक तोरण द्वार,सजावट तथा गोताखोरों द्वारा नौका से मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई थी। रामघाट छठ पूजा समिति के संयोजक रंजन शर्मा ने बताया कि उक्त घाट पर व्रतियों के लिए पूजन सामग्री एवम चाय आदि की भी व्यवस्था की गई थी। उधर रामघाट से सटे पुरब बहोरन सिंह के टोला छठ घाट पर भी सैकड़ो व्रतियों ने अर्घ्यदान किया। इससे पहले संत रामजी दास उर्फ पतइया बाबा तथा संत रामदास उदासीन जी महाराज ने फीता काटकर छठ घाट का विधिवत उदघाटन किया। संत द्वय ने बताया कि उक्त घाट पर ग्रामीणों के अलावा बड़ी संख्या में छपरा शहर से पधारे व्रती व श्रद्धालु आदि मौजूद थे। संत द्वय ने बहोरन सिंह के टोला छठ घाट का नामकरण राम जानकी घाट किये जाने की घोषणा की। मौके पर संत रामदास उदासीन ने श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित छठ की महत्ता की तथा कथावाचन किया। छठ पर्व के पावन अवसर पर माँझी के बैरिया घाट,बाबा मधेश्वर नाथ घाट तथा ड्यूमाइगढ घाट के अलावा महम्-दपुर,मुबारकपुर,ताजपुर,मटियार,डुम-री,घोरहट,फतेहपुर,मेंहदीगंज,दुगापुंर ,धनी छपरा,कौरुधौरु एवम मझनपूरा आदि घाटों पर भी बड़ी संख्या में व्रतियों ने अर्घ्यदान किया। मौके पर बीडीओ रंजीत सिंह,सीओ सौरभ अभिषेक,कार्यपालक पदाधिकारी रक्षा लोहिया तथा मुख्य पार्षद प्रतिनिधि बिट्टू राय समिति सदस्यों के साथ लगातार सक्रिय रहे। रामघाट पर आए अतिथियों एवं पदाधिकारियों को माँझी विधानसभा के पूर्व प्रत्यासी ई सौरभ सन्नी द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। छठ व्रतियों की भीड़ के विभिन्न घाटों के अलावा विशेष तौर पर माँझी चट्टी पर पुलिस बल को तैनात किया गया था।

# किशोरी की अधजली शव को पुलिस ने किया बरामद

प्रातः किरण, संवाददाता

चनपटिया। मनुआपुल थाना क्षेत्र के राय धुर्वा नया टोला गांव के स्वजनों द्वारा एक किशोरी के हत्या कर साक्ष्य छुपाने के लिए शव को चोरी छिपे मठिया सरेह में जलाने का प्रयास कर रहे, किशोरी की शव को पुलिस ने बरामद कर पोस्टमार्टम कराने के बाद उसके रिश्तेदार को सौंप दिया है।

मृत किशोरी के गले पर जख्म के निशान है । घटना मंगल घटना मंगलवार दे रात की है । मृत किशोरी राय धुर्वा नया टोला बाली रावत के पुत्री उषा कुमारी उर्फ सुनैना कुमारी है । मनुआपुल पुलिस ने इस मामले में किशोरी के माता-पिता एवं दोनों सहोदर भाई सहित चार लोगों पर प्राथमिक दर्ज किया है।

करते हुए उसके दो सहोदर भाई राय धुर्वा नया टोला गांव निवासी बली राउत के पुत्र उपेंद्र कुमार 25 दीपेंद्र कुमार उर्फ रामू 20 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत बेतिया भेज दिया । इस घटना से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है ग्रामीणों द्वारा दबे जुबान कई तरह के बात कर रहे हैं। हालांकि मामले का उत्पादन में पुलिस जुट गई है । इस संदर्भ में मनुआपुल थानाध्यक्ष नरेश कुमार ने बताया कि किशोरी के शव को मठिया सरेह से मंगलवार देर को बरामद किया गया है । प्रथम दृश्यता में हत्या प्रतीत हो रहा है । किशोरी के गले पर जख्म का निशान है ।

उसके घर वाले हत्या कर साक्ष्य छुपाने के लिए किशोरी के शव को चोरी छिपे मठिया सरेह में जलाने का प्रयास कर रहे थे,भनक लगते हि शव को छोड़कर सभी लोग वहां से फरार हो गये। शव को बरामद कर पोस्टमार्टम कराने के बाद उसके रिश्तेदार वाले को सौंप दिया गया।

हत्या मामले में मृतिका उषा कुमारी के पिता बली राउत ,माता निशा देवी,दो सहोदर भाई उपेंद्र कुमार एवं दीपेंद्र कुमार उर्फ रामू हत्या मामले में प्राथमिकी दर्ज कर की गई है । गिरफ्तार उपेन्द्र कुमार एवं दीपेन्द्र कुमार को न्यायिक हिरासत बेतिया भेज दिया गया । अन्य लोगों कि गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।वही एक तरफ जहां पुलिस हत्या मान रही है जबकि ग्रामीण व परिजनों का कहना है कि मृतका अपनी मां से कपड़े खरीदने को लेकर झड़प हुई थी।

मां चारा लाने सरेह गई थी इस बीच उषा ने आत्म हत्या कर ली। परिजनों ने चोरी छुपे शव को जला रहे थे।इसी से पुलिस की शंका है कि उसके परिजनों ने उसकी हत्या की है।

मृतक के दोनों भाई जेल गए। मां पिता फरार है। जबकि मृतका के जीजा ने पोस्टमार्टम से लेकर अंतिम संस्कार किया है। ऐसे में हत्या या आत्महत्या में कुछ और जानकारी उभर कर सामने आ सकता है।

### पीएम ग्रामीण तैराकी प्रतियोगिता शनिवार से, भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव होंगी मुख्य अतिथि

छपरा,। ग्रामीण क्षेत्रों की तैराकी प्रतिभाओं को निखारने और उनको प्रतिस्पर्धा के लिए उचित मंच दिलाने के उदेश्य से प्रधानमंत्री ग्रामीण तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। अमनौर स्थित पर्यटक स्थल बड़ा पोखरा में शनिवार को इसका आयोजन पूर्व केंद्रीय मंत्री और सारण के सांसद श्री राजीव प्रताप रुडी द्वारा किया जा रहा है। इस संदर्भ में सांसद ने बताया कि प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजनाओं में तमाम भारतीयों को स्वस्थ्य और सबल बनाने के उदेश्य से खेलो इंडिया की परियोजना भी जारी है। इसके अंतर्गत परंपरागत खेलों के अलावा गाँव-गाँव में खेले जाने वाले खेलों को भी शामिल किया गया है। खेल से न केवल स्वास्थ्य सबल और सुदृढ़ होता है बल्कि मन को भी शांति मिलती है, यानी मानसिक और शारीरिक दोनों लाभ खेलने कूदने से होते हैं। जन-जन को इस लाभ से अवगत कराने के उदेश्य से खेलो इंडिया अभियान के तहत ही सारण में भी ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

सांसद श्री रुडी ने बताया कि 09 एवं 10 नवम्बर को आयोजित यह प्रतियोगिता अमनौर अमृत सरोवर पर होगी। बतौर मुख्य अतिथि जानी मानी भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव आमंत्रित की गई है, जबकि भोजपुरी गायिका निशा उपाध्याय की भी विशिष्ट उपस्थिति रहेगी। इसके अलावा खेलों से जुड़े हुए खेल विशेषज्ञ और खिलाड़ियों को भी आमंत्रित किया गया है ताकि वे युवा खिलाड़ियों को न केवल स्वास्थ्य तक खेल को सीमित रख सकें बल्कि इसे अपना पैशन और कैरियर भी बना सके, इस तरीके से उनको उत्प्रेरित करने के लिए खेल स्टार की भी उपस्थिति होगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री रुडी ने बताया कि खेलो इंडिया के तहत बड़े स्तर पर प्रधानमंत्री ग्रामीण तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन युवाओं में खेलकूद के प्रतिस्पर्धा को जागृत करेगी। प्रतिस्पर्धा में खेलकूद से जुड़ाव रखने वाले सारण संसदीय क्षेत्र सहित जिला के सभी वर्ग के युवा व युवतियां भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर प्रतियोगिता में जीत दर्ज करायेंगे।

# लोक आस्था छठ महापर्व की देश विदेश में रही धूम

प्रात : किरण, संवाददाता

बगहा। लोक आस्था और सूर्य उपासना के चार दिनों तक मनाये जाने वाले महापर्व छठ की बिहार समेत देश हीं नहीं विदेशों में भी धूम है। छठ की छटा में पूरी दुनिया रंगी हुई है।इसी बीच खबर आ रही है कि कनाडा में प्रवासी बिहार झारखण्ड के दर्जनों परिवार एक साथ छठ कर रहें हैं, जहां दूसरे दिन खरना पूजा कर छठवर्तियों नें प्रसाद बनाये और ग्रहण किया । बिहार और झारखंड के करीब दो सौ परिवार हिन्दू हेरिटेज सेंटर मिसिसॉगा,कनाडा में एकत्रित होकर चार दिवसीय छठ पूजा का सामूहिक आयोजन हर्षोल्लास के साथ कर रहा है। एक साथ खरना पूजा किया जाता है । ठेकुआ व प्रसाद के निर्माण से लेकर सूर्य को संध्या व सुबह का अर्घ्य देने तक यानी पर्व के समापन तक सबकुछ एकसाथ सम्पन्न होता है । बतादें की कनाडा में इस बार 160 किलोग्राम आटा से 60 किलो गुड़ और 60 किलो घी का इस्तेमाल कर 10 हजार पीस ठेकुआँ बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें बीती रात से हीं श्रद्धालु जुटे हुए हैं । क्योंकि भारतीय समय से वहाँ 12 घंटे का डिफरेंस है लिहाजा आज दूसरे दिन रात हो रही है जब सभी लोग एक साथ खरना पूजा में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण कर रहें हैं । ई.मृणाल व इंजीनियर सुरभि बगहा के पटखौली निवासी वरीय अधिवक्ता अशोक कुमार सिंह के पुत्र व पुत्रवधू हैं लिहाजा इसबार उनके श्वसुर एन के सिंह व उनकी सास भी बेटी-दामाद के महापर्व में भारत से शामिल होने कनाडा गए हैं ।

वहीं पड़ोसी राष्ट्र नेपाल में भी छठ महापर्व को हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया।

# उदीयमान सूर्य के अर्घ्य देने के साथ ही लोक आस्था का महापर्व संपन्न

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा। लोक आस्था का महापर्व उदीयमान सूर्य के अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व जिला भर में शांति पूर्ण माहौल में सम्पन हो गया ' बता दें कि बिहार का प्रसिद्ध पर्व जिसे महापर्व छठ के नाम से जाना जाता है ' इस पर्व का नाम महापर्व इसलिए दिया गया कि यह पर्व 4 दिनों तक चलता है। इस पर्व में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। प्रथम दिन नहाह खाए से शुरू होता है, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पण तथा चौथे दिन उदित होते हुए सूरज को अर्घ्य अर्पित कर इस पर्व के करने वाले व्रतियों के द्वारा व्रत का समापन किया जाता है। चार दिनों तक चलने वाले यह त्योहार के दौरान बहुत सारे नियमों का पालन करते हुए व्रत करने वाले अपने व्रत को समाप्त करते हैं। सूर्य के अर्घ्य देने के लिए सभी घाट एवं तालाबों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। शहर के राजेन्द सरोवर पर जिला प्रशासन द्वारा छठ महोत्सव का आयोजन किया गया था।जिलाधिकारी अमन समीर, एसपी डॉ कुमार आशीष तथा एसडीओ लक्ष्मण तिवारी मोटर बोट से कई घाटो का निरीक्षण किया। वहीं घाटो पर सुरक्षा के मद्देनजर एनडीआरएफ की टीम के साथ सीओ मौजूद रहे। शहर के रावल टोला घाट,साहेबगंज घाट, दहियावां घाट एवं ब्रह्मपुर घाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान किया ' जबकि रिविलगंज में श्रीनाथ बाबा घाट, गौतम ऋषि घाट, करियावा मंदिर घाट तथा थाना घाट सहित विभिन्न घाटों पर छठ व्रतियों की भारी भीड़ रही।

वहीं माँझी में सूयोर्पासना के महान छठ पर्व के अवसर पर गुरुवार की शाम एवं शुक्रवार को सुबह माँझी के प्रसिद्ध रामघाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्यदान किया। मौके पर स्थानीय प्रशासन,नगर पँचायत तथा छठ पूजा समिति से जुड़े सदस्यों ने व्रतियों की सहूलियत के लिए बेहतर व्यवस्था की गयी थी। व्रतियों के लिए साफ- सफाई के अलावा सड़कों एवं प्रवेश स्थलों पर आकर्षक तोरण द्वार,सजावट तथा गोताखोरों द्वारा नौका से मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई थी। रामघाट छठ पूजा समिति के संयोजक रंजन शर्मा ने बताया कि उक्त घाट पर व्रतियों के लिए पूजन सामग्री एवम चाय आदि की भी व्यवस्था की गई थी। उधर रामघाट से सटे पुरब बहोरन सिंह के टोला छठ घाट पर भी सैकड़ो व्रतियों ने अर्घ्यदान किया। इससे पहले संत रामजी दास उर्फ पतइया बाबा तथा संत रामदास उदासीन जी महाराज ने फीता काटकर छठ घाट का विधिवत उदघाटन किया। संत रामजी दास के अनुसार उक्त घाट पर ग्रामीणों के अलावा बड़ी संख्या में छपरा शहर से पधारे व्रती व श्रद्धालु आदि मौजूद थे। बहोरन सिंह के टोला छठ घाट का नामकरण राम जानकी घाट किये जाने की घोषणा की गयी । मौके पर संत रामदास उदासीन ने श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित छठ की महत्ता की तथा कथावाचन किया। छठ पर्व के पावन अवसर पर माँझी के बैरिया घाट,बाबा मधेश्वर नाथ घाट तथा ड्यूमाइगढ घाट के अलावा महम्मदपुर,मुबारकपुर ,ताजपुर,मटियार,डुमरी,घोरह ट,फतेहपुर,मेंहदीगंज,दुगार्पुर,धनी छपरा,कौरुधौरु एवम मझनपूरा आदि घाटों पर भी बड़ी संख्या में व्रतियों ने अर्घ्यदान किया। मौके पर बीडीओ रंजीत सिंह,सीओ सौरभ अभिषेक ,कार्यपालक पदाधिकारी रक्षा लोहिया तथा मुख्य पार्षद प्रतिनिधि बिट्टू राय समिति सदस्यों के साथ लगातार सक्रिय रहे। रामघाट पर आए अतिथियों एवं पदाधिकारियों को माँझी विधानसभा के पूर्व प्रत्यासी ई सौरभ सन्नी द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। छठ व्रतियों की भीड़ के विभिन्न घाटों के अलावा विशेष तौर पर माँझी चट्टी पर पुलिस बल को तैनात किया गया था। वहीं डोरीगंज के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी ' उधर पानापुर प्रखण्ड के गंडक नदी के तटीय मथुरा धाम रामपुररुद्र भोरहा सारंगपुर डाक बंगला बसहीया पृथ्वीपुर घाटो पर नवयुवको और जनप्रतिनिधियो के सहयोग से घाटो की सफाई सजावट और रौशनी की चकाचैंध से घाटो की विंहगम नजारे देखने को मिल रही थी हजारो की तदाद में व्रतियों ने नदी में खड़ा होकर भगवान भास्कर का उगने का इंतजार कर रहे थे।

# उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का हुआ समापन

प्रातः किरण संवाददाता

कराकाट(रोहतास) : कराकाट प्रखंड क्षेत्र में छठ महापर्व शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत समापन हो गया। श्रद्धालुओं ने घाटों पर जाकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया और छठ पूजा संपन्न की। सुबह 3 बजे से ही नदी, नहर पोखर आदि घाटों पर लोगों की भीड़ उमड़ने लगी थी। सभी व्रती पूजा की सामग्री लेकर घाट पहुंच रहे थे। इससे पहले गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया था। कई लोगों ने घरों की छतों और तालाबों में भी छठ पूजा की। यह महापर्व चार दिनों तक चलता है। इस दौरान व्रती कठोर उपवास रखते हैं और सूर्य देव की आराधना करते हैं। घाटों पर गाजे-बाजे के साथ श्रद्धालु भगवान सूर्य को सबसे पहले अर्घ्य देने के लिए आतुर नजर आए। इसे लेकर लोगों में बहुत उत्साह दिखाई दिया। लोग नए कपड़े पहनकर घाटों पर पहुंचे और पूरे विधि-विधान से पूजा की। वहीं महिलाओं ने छठ पूजा के दौरान लोकगीत की गाए । प्रखंड क्षेत्र के मोथा, संसार डिहरी, कुरूर, काराकाट, मोहनपुर, गोडारी, सतोपरासी, देव मारकंडे धाम सहित सभी गांव की नदी, नाहर किनारे बने छठ घाट पर छठ व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का सम्पन्न किया। छठ पूजा के चौथे दिन उगते सूर्य यानी उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठ व्रतियों ने 36 घंटे का अपना निर्जला उपवास का पारण किया। सभी के बीच ठेकुआ, फल प्रसाद का वितरण किया गया। प्रखंड के सभी घाटों पर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखी । वही जगह जगह छठ पूजा समितियों द्वारा पूजा सामाग्री, चाय, बिस्किट, खीर आदि वितरण किया गया । मौके पर एडीपीओ कुमार संजय, बीडीओ राहुल कुमार सिंह, बीपीआरओ रेणुका कुमारी, सीओ रितेश कुमार, थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी, एसआई रोहित कुमार, सहित पुलिस बल व मेडिकल टीम तैनात थी ।

## छठ महापर्व पर रंगरोधन व सफाई को लेकर भक्तों में दिखा उमंग

बिक्रमगंज (रोहतास) छठ महापर्व को लेकर बिक्रमगंज नगर परिषद में शुक्रवार के अंतिम दिन भी रंगरोधन और सफाई को लेकर लोगों में दिखा उमंग। जिसको लेकर क्या युवा क्या वयस्क सभी भक्त लोग छठी मईया के आस्था के प्रति शुरू से अंतिम दिन तक घाटों से लेकर सड़कों व गलियों के सौंदर्यीकरण में लगे रहें। अवसर पर छठ घाटों की सफाई को लेकर नगर परिषद ने स्पेशल अभियान चलाया था। जिसमें नगर के सभी छठ घाटों की सफाई किया गया। नगर सभापति मनोरंजन सिंह और उपसभापति अमृता देवी सहित नगर परिषद वार्ड 14 पार्षद प्रविंद्र कुमार सिंह उर्फ मिंटू सिंह ने बताया कि छठ पर्व को लेकर शहरों सहित वार्ड में लगातार सफाई अभियान जारी था। इसके लिए अधिक मजदूर तैनात किए गए थे। जिस पर्व पर देर रात तक सफाई कार्य जारी था। जिस महापर्व को लेकर नगर परिषद काफी सक्रिय रहा। सभी घाटों पर व्रतियों की नदी, नहर, तालाब, पोखरा में गहरे पानी से सुरक्षा और लाईट की व्यवस्था सुव्यवस्थित थी। जिसकी प्रशंसा लोगों की जुबा पर थी।

# आस्था : छठ महापर्व के अंतिम दिन उगते सूर्य को व्रतियों ने अर्घ्य देकर मांगी मनोकामनाएं

- मन्नतों और उपासना का कठिन महापर्व है छठ : डॉ. मनीष

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) शुक्रवार को छठ महापर्व भास्कर सूर्य को अर्घ्य देने के साथ शांतिपूर्ण भक्तिमय माहौल में हुई संपन्न।

इस महापर्व पर , रोहतास के बिक्रमगंज, डेहरी सहित सासाराम के समस्त क्षेत्रों में अलग-अलग इलाकों में श्रद्धालुओं ने शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय छठ महोत्सव का समापन किया। वहीं बिहार के राजधानी पटना में भी शुक्रवार को 36 घंटे के निर्जला व्रत के समापन पर विभिन्न घाटों व घरों पर बनें कृत्रिम घाटों पर भी खूब रौनक रही। पर्व के अंतिम शुक्रवार के दिन अहले सुबह से ही लोग घाटों पर एकत्र हो गए थे। जिसमें सैकड़ों घाट दीयों की रोशनी से जगमग किए गए थे। जहां व्रतियों ने उगते सूर्य देव को अर्घ्य दिया। जिस व्रत के समापन पर घाटों पर लोगों के बीच ठेकुआ का प्रसाद भी व्रतियों द्वारा बांटा गया। इस अवसर पर पटना में व्रत कर रहें भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री डॉ. मनीष रंजन व उनकी पत्नी नेहा सिंह ने बताया कि छठ महापर्व एक उपासना का एक कठिन पर्व है। जिसके करने से दिल मांगी मन्नतों की छठी मईया पूर्ण करते हुए भक्तों के जीवन में एक नया सबेरा लाती है। जिनकी महिमा का प्रत्यक्ष फल देखते को तत्काल मिल जाता है। जिसमें व्रती महिलाएं कई कठिन नियमों का पालन करती हैं। अंतिम दिन लोगों ने पहले तो बेदी बनाकर वहां छठी माता का पूजा पाठ किया। उसके बाद उगते हुये सूर्य भगवान को अर्घ्य सुबह करीब 6:30 मिनट पर जब सूर्यभगवान के दर्शन हुये तो लोगों ने उन्हें अर्घ्य दिया और अपनी मनोकामनायें मांगी। मौके पर व्रतियों ने नदियों और तालाबों के घाटों पर पहुंचकर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। चार दिवसीय इस महापर्व के चौथे दिन व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर अपने 36 घंटे के निर्जला उपवास का प्रसाद ग्रहण कर पारण भी किया। इस महापर्व पर सभी घाटों पर विशेष व्यवस्था देख वर्ती काफी खुश दिखें।

## कपड़ा गोदाम में लगी भीषण आग, डेढ़ करोड़ का नुकसान

आरा । आरा में शुक्रवार की सुबह एक कपड़ा गोदाम में आग लग गई। हादसा शहर के नगर थाना क्षेत्र के आनंद नगर मोहल्ला स्थित गोदाम में हुआ। इस गोदाम में कई व्यापारियों और टेंट हाउस के कपड़े रखे गए थे।गोदाम में ठंड के कपड़े, शादी के कपड़े, शादी सीजन को देखते हुए लहंगा, बनारसी साड़ी समेत महंगे कपड़े और बच्चों का कपड़े थे। सब जलकर खाक हो गए। इस घटना में करीब डेढ़ करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जल कर राख हो गई। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा र-ही है। दमकल ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।आग लगने की सूचना लोगों ने फायर ब्रिगेड की टीम को दी। सूचना मिलने के बाद दमकल की करीब 6 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुटी। इस घटना को लेकर आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

# छठ पूजा पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : छठ पूजा के अवसर पर गुरुवार की रात्रि प्रखंड क्षेत्र के नोनहर गांव में छात्र युवा संगठन सौजन्य से कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दिनारा विधायक विजय मंडल ने फीता काट कर किया। जबकि संचालन छात्र युवा संगठन के अजीत कुमार ने किया। मौके पर प्रखंड प्रमुख बिक्रमगंज राकेश कुमार सिंह उर्फ लाली सिंह, नगर परिषद बिक्रमगंज के पूर्व सभापति रबनवाज खां उर्फ राजू, जिला पार्षद मनोज सिंह, पूर्व मुखिया भागीरथी सिंह, पूर्व मुखिया हिरालाल सिंह, राम वचन सिंह सहित कई लोग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।कार्यक्रम का शुभारंभ बिरहा सम्राट बल्लू मस्ताना ने छठ मईया के वंदना से किया। इस के बाद एक से बढ़कर एक नये एवं पुराने गीत कलाकार गायक धनंजय शर्मा और गायिका शिवानी सिंह ने प्रस्तुत किए। वादक कलाकार पप्पू शर्मा, लवजी, कामेंद्र ने अपनी कला से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये।कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्र युवा संगठन के सदस्य अरूण सिंह, डब्लू सिंह, मुन्ना गुप्ता, धर्मवीर शर्मा, फिरोज खां, निरंजन गुप्ता, धिरंजन गुप्ता, रंजन पटेल, आशीष कुमार, संजय कुमार, राजू कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई।

# रोटी बैंक द्वारा सदर अस्पताल में मरीजों के बीच किया गया छठ प्रसाद का वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । आरा रोटी बैंक द्वारा मरीजों के बीच छठ प्रसाद लगातार तीसरे वर्ष वितरित किया गया।

आरा रोटी बैंक के तत्वाधान स्थानीय सदर अस्पताल आरा में संतोष सिंह भारद्वाज,अखौरी दीपक बिहारी,सोनाली देवी,हर्षिता विक्रम ने प्रसाद फॉर पेशेंट्स कार्यक्रम की शुरूआत प्रसाद वितरण से की।

संतोष सिंह भारद्वाज ने बतलाया आस्था के महापर्व छठ में वैसे मरीज जो विभिन्न अस्पतालों में भर्ती है उनके बीच प्रसाद वितरण करना पुण्य की भागीदारी है।पिछले 2 वर्षों की तरह इस तीसरे वर्ष भी प्रसाद फॉर पेशेंट्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आरा रोटी बैंक की स्थापना 14 जनवरी 2019 को करने वाले धनुपरा ग्राम निवासी वर्तमान में सी के रोड चौधरियाना निवासी संतोष सिंह भारद्वाज ने कहा लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का प्रसाद वैसे भर्ती मरीजों के लिए है जो अपनी बीमारी के कारण न तो दिवाली की रौशनी देख पाए न ही छठ महापर्व पूजा को मना पाए ।ऐसे विभिन्न अस्पतालों में भर्ती मरीजों के बीच लगातार तीसरे वर्ष प्रसाद वितरण का अवसर मिलना सुखद है साथ ही प्रसाद वितरण करते हुए उनके जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई।आरा रोटी बैंक की अध्यक्ष सोनाली देवी ने बतलाया हमारी संस्था की यह लगातार तीसरे वर्ष प्रसाद फॉर पेशेंट्स कार्यक्रम आयोजन कर इस बार लोक आस्था के महापर्व पर सदर अस्पताल में भर्ती जरूरतमंद मरीजों के बीच छठ का प्रसाद वितरण किया गया।आरा रोटी बैंक संस्था सामाजिक समरसता से वंचित वर्ग को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने को सदैव प्रयासरत है।अखौरी दीपक बिहारी ने बताया कि विभिन्न अस्पतालों में भर्ती मरीजों तक छठ का प्रसाद पहुंचाया गया।ह्वप्रसाद फॉर पेशेंट्सह्व कार्यक्रम के तहत यह कार्य लगातार तीसरे वर्ष किया गया।सामाजिक संस्था आरा रोटी बैंक के संतोष सिंह भारद्वाज सहित अन्य सदस्यों ने सदर अस्पताल पहुंच कर शुक्रवार को छठ का प्रसाद मरीजों के बीच वितरित किया। संस्था के मुक्तिकांत ने कहा कई कारणों से कुछ लोग छठ महापर्व नहीं कर पाते है।

# सुबह में उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महापर्व का हुआ संपन्न

## सभी घाटों को प्रशासन मुस्तैद दिखी

प्रातः किरण संवाददाता

आरा/शाहपुरः पूरे नगर में छठ पूजा की रौनक देखते ही बनी। दोपहर के बाद से ही घाटों पर छठ व्रतियों का पहुंचना शुरू हो गया। बड़ी संख्या में घाटों पर पहुंचकर छठ व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य भेंट किया। समृद्धि, पुत्र प्राप्ति व मंगलकामना के महापर्व छठ पूजा को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग भी घाटों पर हर साल आते हैं। शुक्रवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महापर्व का समापन होगा। मान्यता है कि छठ पूजा के कठिन व्रत को पूरा करने से छठी माई हर मनोकामना पूरी करती हैं।शाहपुर नगर पंचायत में इस बार भी छठ पूजा समितियों ने बढ़िया बंदोबस्त किया। घाटों की सफाई भी की गई। शाम होने से पहले ही व्रती तालाबों व नदियों पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए पहुंचने लगे। बड़ी संख्या में छठ व्रती अपने पूरे परिवार एवं गाजे-बाजे के साथ छठ घाट पर पहुंचे। शाम को पूरे विधि-विधान से छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य एवं छठ माता की आराधना की। पूजा को लेकर नगर प्रशासन के पदाधिकारी से लेकर कर्मी तक तत्पर दिखे रऊट संजीत कुमार, रऊढड राजीव चंद्र सिंह स्थानीय जनप्रतिनिधि व अन्य लोग भी व्रतियों को पर्व की शुभकामनाएं देने छठ घाटों पर पहुंचे। सबसे ज्यादा भीड़ नगर के वार्ड 01 स्थित न्या पोखरा, वार्ड-02 के शिव मंदिर, वार्ड-06 के नारायणी नदी के तट पर तथा वार्ड -10 के कृषि फार्म स्थित पोखरे समेत अन्य घाटों पर रही। शाहपुर इऊड शत्रुंजय कुमार सिंह नगर के कार्यपालक पदाधिकारी नेशात आलम, फ्ड रश्मि सागर, पु. नि. कमलजीत, अपर थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी महिला दरोगा स्वेता कुमारी सहित प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस के जवान पूरी तरह मुस्तैद रहे।

# आईटीबीपी के सीनियर कमांडेंट की अंत्येष्टि में शामिल हुए सांसद रुड़ी

- रुड़ी के अभिन्न मित्र ई॰ सत्येन्द्र सिंह के छोटे भाई थे सीनियर कमांडेंट मानवेंद्र सिंह
- चंडीगढ़ में इलाज के दौरान मृत्यु, रिविलगंज के सेमरिया घाट में राजकीय सम्मान से हुआ अंतेष्टि

प्रातः किरण संवाददात

छपरा कार्यालय । सारण से भारतीय जनता पार्टी के सांसद राजीव प्रताप रुडी छपरा के भाजपा नेता व अपने मित्र सत्येन्द्र कुमार सिंह के दिवंगत छोटे भाई आईटीबीपी के सीनियर कमांडेंट मानवेन्द्र सिंह की अंत्येष्टि में सम्मिलित होकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। दिवंगत की अंत्येष्टि रिविलगंज के सेमरिया घाट पर हुआ। इस दौरान छपरा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ,डीआईजी सारण, अपर पुलिस निरीक्षक राज किशोर सिंह , एसएसबी डीआईजी जितेन्द्र सिंह, आई टी बीपी मुख्यालय से कमांडेंड डा दीपक पांडेय, बेलगाँव के कमांडेंट मुकेश धसमाना,पटना के कमांडेंट अशोक गुप्ता ,कमांडेंट उमाकांत कुमार,उप कमांडेंट कुलदीप कु सिंह, विनय सिंह के साथ ही स्थानीय स्तर पर सारण जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अशोक कु सिंह, रमेश प्रसाद मुख्य, प्रवक्ता धर्मेन्द्र सिंह चौहान, जिला महामंत्री विवेक सिंह, भाजपा नेता शैलेंद्र शेंगर, संजय सिंह, मदन सिंह, सत्यानन्द सिंह, मनोज सिंह, कौशल सिंह, ब्रज भूषण सिंह,ददन सिंह कामेश्वर ओझा, अनुरंजन प्रसाद, सिंह, रिविलगंज सीओ कौशलेंद्र कुमार,थाना प्रभारी सुबाष पासवान, नगर थाना प्रभारी, भगवान बाजार थाना प्रभारी सहित सैकड़ो लोगों ने उपस्थित होकर अपनी श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान सांसद रुडी बहुत दुखी और व्यथित दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि हमारे अभिन्न मित्र सत्येंद्र जी के छोटे भाई का असामयिक निधन हमारे लिए पारिवारिक क्षति के समान है। महज 49 वर्ष की उम्र में मनु ने देश सेवा के कई कीर्तिमान स्थापित किये। आईटीबीपी की सेवा में देश और राज्य की सेवा करते हुए इतनी उम्र में सबको छोड़कर चले गये। कई यादें उनके साथ जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ है। इस दुःख को सहने के लिए भगवान पूरे परिवार को अथाह धैर्य प्रदान करें।

दरअसल, छपरा के प्रभुनाथ नगर निवासी सांसद रुडी के अभिन्न मित्र इ॰ सत्येन्द्र सिंह के 49 वर्षीय छोटे भाई जो आईटीबीपी में सीनियर कमांडेंट के पद पर चंडीगढ़ में कार्यरत थे, की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई है। दो भाईयों में मानवेंद्र सिंह छोटे भाई थे।

# सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : बिक्रमगंज प्रखंड क्षेत्र के कन्या प्राथमिक विद्यालय नोनहर के प्रांगण में शुक्रवार को सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनकी जीवनी की चर्चा करते हुए समाज को एक जुट करने का संकल्प लिया। पूर्व प्रधानाध्यापक रामाकांत देशमुख ने कहा कि सरदार पटेल ने आजादी के बाद पूरे भारत के राजतंत्र को समाप्त कर जनता का राज कायम किया था। अखंड भारत उनकी देन है। जिसे बचा कर रखना हम भारतवासियों का कर्तव्य है। कार्यक्रम को जगनारायण चौधरी, सुरेश चौधरी, पूर्व उपमुखिया विजय कुमार पटेल, सहित कई लोगों ने संबोधित किया। मौके पर अरूण चौधरी, कमलेश चौधरी, भैयालाल पटेल, अयोध्या चौधरी, वार्ड पार्षद राजू चौधरी, सत्यनारायण चौधरी, अशोक चौधरी, राधेश्याम चौधरी, सागर सिंह, पुरूषोत्तम चौधरी, कन्हैया चौधरी, नन्हे मालाकार अच्छेलाल चौधरी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

# छठ पर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी का सफाई अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

गया।छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी ने एक विशेष सफाई अभियान का आयोजन किया है। इस अभियान में समिति के कई सदस्यों ने भाग लिया और पूरे क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाने का कार्य किया है। इस पहल का उद्देश्य छठ पूजा के दौरान घाटों और रास्तों को स्वच्छ और सुविधाजनक बनाना है ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।सफाई अभियान का कार्य ब्लॉक से शुरू होकर चिड़िया मोड़ और रंका मोड़ होते हुए दानरो नदी के छठ घाट तक चलाया गया है। इस दौरान संस्था के सदस्य सड़क पर बिखरे कचरे और अन्य गंदगी को हटाने में जुटे रहे हैं। मुख्य सड़कों के साथ-साथ घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों को भी पूरी तरह से साफ किया गया ताकि श्रद्धालुओं को पवित्र छठ पूजा के लिए साफ-सुथरा वातावरण मिल सके। संस्था का उद्देश्यः संस्था के सचिव विकास कुमार माली ने सफाई अभियान के दौरान बताया कि छठ व्रत करने वाले श्रद्धालुओं को गंदगी के ऊपर से गुजरना न पड़े, यह सुनिश्चित करना समिति का प्राथमिक उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि, ह्वहम हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरी निष्ठा के साथ सफाई अभियान चला रहे हैं ताकि श्रद्धालु बिना किसी कठिनाई के पवित्र घाटों तक पहुँच सकें। यह पर्व हमारे भारतीय संस्कृति का एक विशेष हिस्सा है और इसे स्वच्छता एवं पवित्रता के साथ मनाना चाहिए।ह्व

समिति का संदेश और भविष्य की योजनाः विकास कुमार माली ने सभी स्थानीय लोगों से अपील की कि वे भी इस सफाई अभियान में सहयोग करें और पर्व के दौरान साफ-सफाई का ध्यान रखें। समिति का मानना है कि यदि सभी लोग मिलकर इस प्रयास में योगदान दें, तो छठ पर्व को और भी पवित्र और सुखद बनाया जा सकता है। आगे उन्होंने कहा कि इस सफाई अभियान को नियमित रूप से हर साल किया जाएगा और इसे और भी बड़े स्तर पर चलाने की योजना है ताकि छठ पर्व के समय न केवल रास्ते बल्कि पूरे क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके।

स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं का समर्थनः इस सफाई अभियान की शुरूआत होते ही स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं का भी समर्थन मिला है। श्रद्धालुओं ने समिति के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि ऐसी पहल से न केवल सफाई होती है बल्कि आम लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है।

छठ पर्व के प्रति समिति की जिम्मेदारीः छठ पूजा झारखंड सहित कई राज्यों में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई जाती है, जिसमें लाखों लोग भाग लेते हैं। इस पर्व पर साफ-सफाई और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाना जरूरी है और कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।इस प्रकार, कन्या विवाह और विकास समिति ने छठ पर्व के अवसर पर क्षेत्र में स्वच्छता का संदेश देते हुए स्थानीय निवासियों को स्वच्छता और पवित्रता का महत्व समझाया है। इस प्रयास से समिति ने छठ पर्व को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने की एक महत्वपूर्ण मिसाल पेश की है।

# बिक्रमगंज से उमराह के लिए आठ लोग हुए रवाना

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : इस्लाम धर्म और अल्लाह की इबादत में यकीन रखने वाले लोग उमराह के लिए मक्का शहर जाते हैं और अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं । विद्युत विभाग बिक्रमगंज में कार्यरत कार्यपालक सहायक मोहम्मद आदिल खान ने बताया कि हर धर्म में पूजा- पाठ करने का अपना एक तरीका होता है । जैसे कि हिंदू धर्म में ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए जिस तरह से चारधाम यात्रा की जाती है ठीक उसी तरह से इस्लाम को मानने वाले उमराह करते हैं और हज पर जाते हैं । जिस तरह पूजा-पाठ करने से मन को शांति मिलती है ठीक उसी तरह से उमराह करके इस्लाम के मामने वाले सुकून पाते हैं । उमराह करने के लिए लोग सऊदी अरब के सबसे पुराने और पवित्र शहर मक्का जाते हैं । नेता- अभिनेताओं से लेकर एक आम मुसलमान तक,हर वो इंसान जो आर्थिक रूप से समर्थ है और अल्लाह की इबादत में यकीन रखता है,वह उमराह के लिए जरूर जाता है ।

मोहम्मद आदिल ने बताया कि बिक्रमगंज से कुल आठ लोग उमराह करने के लिए मक्का गए हैं

,जिसमें उनके पिता मोहम्मद अनीस खान एवं हाजी मोहम्मद कलीमुद्दीन,डॉ महफूज आलम,हसनैन खान,नुसरत आलम, सईद आलम,मोहम्मद सदरुद्दीन खान, मौलाना गुलाम सरवर का नाम शामिल है ।

# जिले में लोक आस्था का महापर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न

- मधुश्रवां मे एक लाख छठ व्रतियों ने अर्घ्य अर्पित किया
- विभिन्न छठ घाट पर सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। चार दिनों तक चलनी वाली छठ पूजा अरवल जिले भर में शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ`छठ पर्व के आखिरी दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह महापर्व संपन्न हो गयो जिले के ऐतिहासिक मधुश्रवां छठ घाट, जनकपुर सोन नदी,बेलॉव सोन नदी , सोहसा सोन नदी, मैनपुरा सोन नदी, बेलसार सूर्य मंदिर के मोथा सूर्य मंदिर अलावे सभी छठ घाटों पर श्रद्धालुओं ने सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया` इस दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिलो सूर्य को अर्घ्य देने के बाद सभी श्रद्धालु घाटों से अपने घरों की तरफ लौट गए। अर्घ्य देने के लिए सुबह से ही छठ घाटों पर लोगों की भीड़ जुटना शुरू हो गई। व्रतधारी महिलाओं ने सुबह से छठ मैया का ध्यान लगाकर सूर्य की उपासना की । सुबह के अर्घ्य के साथ ही छत्तीस घंटे के निर्जला व्रत के कठिन तप के साथ इन व्रतों की समाप्ति हुई। डीएम कुमार गौरव एवं एसपी राजेन्द्र कुमार भील के द्वारा जिले के विभिन्न छठ घाट पर जाकर निरीक्षण किया गया` इधर मधुश्रवां छठ घाट पर सुरक्षा के लेकर कलेर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार, अंचलाधिकारी सर्वेश कुमार सिन्हां, मेहंदिया थाना अध्यक्ष राहुल अभिषेक ,इस्माइलपुर कोयल पंचायत मुखिया आनंद सिन्हां, पहलेजा पंचायत मुखिया मुंद्रिका सिंह, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस जवान के मौजूद थे छठ घाट पर मेडिकल टीम, बैरिकेडिंग, पर्याप्त लाइट, चेंजिंग रूम और सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की हुई थी ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना ना हो। जिनका ख्याल पूरी तरह रखा जा रहा थो हालांकि सबसे ज्यादा भीड़ मधुश्रवा छठ घाट पर देखी गई जहाँ करीब एक लाख छठ व्रतियों नेअर्घ्य अर्पित किया` मधुश्रवां छठ पर स्टॉल लगाकर पहलेजा पंचायत के समाजसेवी सत्यजीत कुमार, नई बाजार के नवयुवक संघ सुनील कुमार के द्वारा दूध , पानी एवं चाय का वितरण किया गया` वही समाजसेवी विक्रम सिंह के द्वारा रसगुल्ला वितरण किया गयो छठ व्रतियों को किसी प्रकार का दिक्कत ना हो जिसका खयाल कंट्रोल रूम के माध्यम से मॉनिटरिंग किया जा रहा था` कंट्रोल रूम में पुलिस प्रशासन के द्वारा पैनी नजर रखी जा रही थी वही मौके पर समाजसेवी कुंदन पाठक , विशेश्वर राय एवं पुजारी अंकुश गिरी के द्वारा लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को जानकारी दी जा रहा थो

# मां कामाख्या से उपचुनाव एवं झारखंड विधानसभा चुनाव में एनडीए की जित के लिए प्रार्थना: डॉ मनीष

प्रातः किरण संवाददाता

गया।भाजपा किसान मोर्चा के सह प्रभारी, डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने गया जिले के विधानसभा उप चुनाव में एनडीए प्रत्याशी की जीत और झारखंड विधानसभा के आगामी चुनाव में दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाने के लिए माता कामाख्या से आशीर्वाद लिया है। उनका यह कदम पार्टी की मजबूत कार्यशैली और जीत के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

गया जिले का उप चुनाव एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, और एनडीए उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए भाजपा किसान मोर्चा की टीम ने पूरी ताकत झोंकी है। डॉ. मनीष पंकज मिश्रा, जो किसान मोर्चा के माध्यम से किसानों के हित में निरंतर काम कर रहे हैं, उन्होंने चुनावी माहौल में किसान और ग्रामीण विकास के मुद्दों को प्रमुखता दी। उनकी यात्रा का उद्देश्य सिर्फ राजनीतिक जीत हासिल करना नहीं है, बल्कि किसानों और आम जनमानस की समस्याओं के समाधान हेतु एक स्थिर सरकार की आवश्यकता पर भी जोर देना है।

माता कामाख्या के चरणों में माथा टेकते हुए डॉ. मिश्रा ने कामना की कि झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दलों को दो तिहाई बहुमत मिले, जिससे राज्य में स्थिर और विकासशील सरकार स्थापित हो सके। उनका विश्वास है कि भाजपा के नेतृत्व में राज्य में बेहतर शासन और समृद्धि आएगी।

इस दौरान उन्होंने पार्टी की विचारधारा, नेतृत्व और जनता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है। जो कि झारखंड की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेगी।माता कामाख्या से आशीर्वाद प्राप्त कर डॉ. मनीष पंकज मिश्रा का मानना है कि एनडीए की विजय निश्चित है, और यह जीत राज्य के हर वर्ग के उत्थान के लिए एक नई शुरूआत होगी।

# उदीयमान सूर्य के अर्घ्य के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का हुआ समापन

## वभिन्न समाजसेवी संस्थाओं ने पूजन सामग्री वितरण से लेकर साफ सफाई कर लिया जिम्मा

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल) लोक आस्था के चार दिवसीय छठ महापर्व शुक्रवार को उदयिमान सूर्य के अर्घ्य के साथ समापन हो गया बता देती गुरुवार की देर शाम छठ महापर्व को लेकर प्रखंड क्षेत्र के कुर्था मानिकपुर मोतीपुर समेत विभिन्न बाजारों में सूर्य मंदिर घाट पर अस्तांचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पण करने को लेकर हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ी जहां श्रद्धालुओं ने विभिन्न छठ घाटों पर अस्तांचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पण किया साथ ही शुक्रवार के अहले सुबह उदयिमान सूर्य के अर्घ्य के साथ छठ महापर्व का समापन हो गया छठ महापर्व को लेकर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न छठ घाट पर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक इंतजाम किया गया था चपे चपे पर पुलिस वालों की तैनाती देखी गई जहां प्रखंड क्षेत्र के व्रतधारी ने गाजे बाजे के साथ सूर्य मंदिर घाट पहुंचकर भगवान भास्कर को अर्ध अर्पण किया हालांकि इस दौरान विभिन्न छठ घाटों पर समाज सेवी संस्थाओं द्वारा पूजन सामग्री से लेकर साफ सफाई का जिम्मा लिया जहां समाज सेवी संस्थाओं ने व्रत धारी के सेवा को लेकर साफ सफाई की साथ ही मंदिर कमेटी द्वारा व्रतधारियों को किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो उसको लेकर छठ घाटों पर दतवन स्नान समेत तमाम प्रकार की व्यवस्थाएं की गई थी हालांकि शुक्रवार को कुर्था प्राचीन सूर्य मंदिर छठ घाट, पंचतीर्थ धाम, सूर्य मंदिर घाट मुबारकपुर समेत विभिन्न छठ घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी जहां व्रतधारी ने अस्तांचलगामी सूर्य व उदयिमान सूर्य को अर्ध अर्पण किया और इसके साथ लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ का समापन हुआ।

# मुबारकपुर सूर्य मंदिर कमेटी ने नगर पंचायत के अधिकारियों पर लगाया घोटाले का आरोप

- कहा:नगर पंचायत के द्वारा मुबारकपुर सूर्य मंदिर परिसर में नहीं की गई कोई व्यवस्था

प्रातः किरण संवाददाता

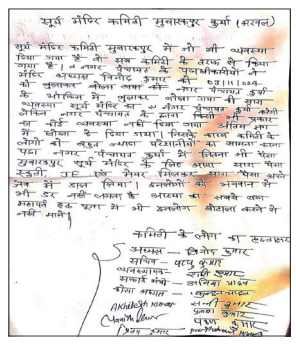

कुर्था (अरवल) कुर्था नगर पंचायत के सूर्य मंदिर कमिटी मुबारकपुर में जो भी व्यवस्था दिया गया है वो सब कमिटी के तरफ से किया गया है। नगर पंचायत के पदाधीकारीयों ने मंदिर कमिटी के अध्यक्ष विनोद कुमार को नगर पंचायत कुर्था के ओफिस में बुलाकर बोला गया की सारा व्यवस्था सूर्य मंदिर का नंगर पंचायत कुर्या करेगी लेकिन नगर पंचायत के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई व्यवस्था नहीं दिया गया अंतिम समय में धोखा दे दिया गया। जिसके कारण कमिटी के लोगों को बहुत ज्यादा परेशानीयों का सामना करना पड़ा नगर पंचायत कुर्था में जितना भी पैसा मुबारकपुर सूर्य मंदिर के लिए आया सारा पैसा स्कुटीब,जेई एवं मेयर मिलकर सारा पैसा अपने जेब में डाल लिया। इनलोगों को भगवान से भी डर नहीं लगता है आस्था का सबसे बड़ा महापर्व छठ पूजा में भी इनलोग घोटाला करने से नहीं माने। उक्त बातों की जानकारी देते हुए कमिटी के अध्यक्ष विनोद कुमार सचिव पप्पू कुमार व्यवस्थापक राशि कुमार सफाई मंत्री अनिश यादव कोषाध्यक्ष अखिलेश कुमार,मनीष कुमार,प्रविण कुमार, कुन्दन यादव, सन्नी कुमा,र प्रकाश कुमार ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर युक्त आवेदन देकर अरवल जिलाधिकारी से उक्त मामले की जांच की मांग की है उन्होंने कहा कि कुर्था नगर पंचायत के मुबारकपुर सूर्य मंदिर जहां प्रतिवर्ष सैकड़ो की संख्या में व्रत धारी छठ महापर्व का आयोजन करते हैं ऐसे में नगर पंचायत द्वारा किसी प्रकार की कोई सुविधा न देना और सुविधा के नाम पर सारा पैसा हड़पने कहीं ना कहीं नगर पंचायत के अधिकारियों के द्वारा राशि के घोटाला करने का मामला प्रतीत होता है उक्त आशय जानकारी उन्होंने प्रेस बयान जारी कर दी।

# इनर व्हील क्लब गया ने छठ पर्व में बिस्किट पानी का किया वितरण

प्रातः किरण संवाददात

गया।सिगरा स्थान स्थित बने इनर व्हील पार्क के अंदर बिस्किट पानी का वितरण किया गया है। छठ पर्व एक बड़ा ही आस्था का पर्व है यह बिहार में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस त्यौहार के लिए लोग बहुत उत्साह से अपने परिवार के पास आकर मिलते है।यह पर्व चार दिन चलता है और इसमें बहुत शुद्धता बढ़ती जाती है। यह एक ऐसा पर्व है जिसमें उगते तथा डूबते सूर्य को अर्ग दिया जाता है। समाज के सभी वर्ग इस पर्व को बड़ी शुद्धता के साथ मनाते हैं और एक दूसरे की मदद करते हैं।इसी सोच के साथ क्लब ने भी बिस्किट पानी का वितरण किया गया है जिसमें पीडीसी अंजना पोद्दार वाइस प्रेसिडेंट स्मिता पोद्दार,अर्चना गोयनका, मनीषा भदानी, बीना अग्रवाल तथा अन्य सदस्यों के साथ प्रेसिडेंट तृप्ति गुप्ता भी मौजूद रही है।पिछले कई वर्षों से इनर व्हील क्लब गया के द्वारा सिगरा स्थान के सौंदर्य करण का कार्य किया जा रहा है।क्लब ने सिगरा स्थान में बच्चों के लिए पार्क बनवाए हैं तथा पेड़ पौधों के साथ बैठने के लिए बेंच भी बनवाए हैं और उसकी देखरेख समय-समय पर क्लब करवाता है।

# अस्ताचलगामी भगवान भास्कर की पूजा अर्चना हुई संपन्न

## पूरे समाज के लिए भगवान भास्कर से की खुशिहाली की प्रार्थना

प्रातः किरण संवाददात

गया।कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भारत में प्रतिवर्ष गंगा-यमुना के तटवासी आर्य संस्कृति का प्रतीक महान पर्व सूर्य षष्ठी छठ पर्व अत्यंत धूमधाम से मनाते हैं। इस दिन वे अस्ताचल भगवान भास्कर की पूजा करते हैं। यह बातें अनंत धीश अमन ने बताया है। आज अनंत धीश अमन अपने परिवार के साथ फल्गु तट पर उनकी माता, पिता के साथ वार्ड पार्षद स्मारिका वर्मा आदी काफी संख्या में उनके परिजन उपस्थित थे। प्रत्यक्ष देव भगवान आदित्य को अर्घ्य देकर पूजन, अर्चन करते हुए अपने समाज के खुशहाली की कामना की है और अपने परिवार के खुशीहाली के लिए प्रार्थना कि है।अनंत धीश अमन ने कहा कि भगवान सूर्य प्रत्यक्षदेव व विश्वदेवता के नाम से विख्यात भगवान भास्कर का पूजन-अर्चन बिहार के करोड़ों स्त्री-पुरुष अत्यंत पवित्रता से प्रतिवर्ष करते हैं।

ब्रिटिश काल में गिरमिटिया मजदूर के रूप में गए पूर्वांचल के भारतवंशियों ने अपने रीति-रिवाज, तीज त्योहार और प्रतीकों के बल पर सूर्य षष्ठी को विश्वव्यापी बना दिया है।पौराणिक मान्यता है कि कार्तिक शुक्ल षष्ठी के अस्ताचल सूर्य एवं सप्तमी को सूर्योदय के मध्य वेदमाता गायत्री का जन्म हुआ था। ब्रह्मर्षि वशिष्ठ से प्रेषित होकर राजऋषि विश्वामित्र के मुख से गायत्री मंत्र नामक यजुष का प्रसव हुआ था।

## सज धज कर तैयार हुए छठ

प्रातः किरण संवाददात

कुर्था (अरवल) लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर प्रखंड क्षेत्र के के सभी घाटों को सजा दिया गया है। चारों तरफ घाट के डिजाइनिंग लैंडिंग बल्ब से सजाया गया है देखने में ऐसा लग रहा है कि दुल्हन की तरह छठ घाट लग रहे हैं छठ गीतों से माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। सभी घाटों समितियों की ओर से व्यवस्था काफी की गई है। इसके साथ प्रशासन के तरफ से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।घाटों पर पुलिस के जवानों की तैनाती की जा चुकी है। छठ के गीतों से वातावरण पूरी तरह से भक्तिमय हो गया है गांव से घर तक छठ मईया के गीत सुनाई दे रहे है। सभी घाटों पर कंट्रोल रूम रहेंगे कार्यरत छठ में लगने वाले मेले के सुरक्षा व्यवस्था को लेकर छठ घाटों के खतरे के निशान की मापी कर हर जगह निशान लगाया गया है।इसके साथ ही बैरिकेडिंग की गई है।वहीं सभी घाटों पर सादे लिबास में चारों तरफ पुलिसकर्मी और प्रशासनिक अधिकारी तैनात रहेंगे।जहां माइकिंग के द्वारा लोगों से लगातार सतर्कता बरतने के लिए प्रशासन की टीम अनुरोध करेगी। डीएम ने लोगों से अपील किया कि किसी भी तरह के अफवाह की सूचना हो तो प्रशासन को दे ताकि समय पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

# डूबते हुए सूर्य देव की उपासना करते छठ व्रतियों ने सत्तान एवं खुशिहाली की कामना की

प्रातः किरण संवाददात

गया। गया के कयी घाटो पर छठ महापर्व में आज संध्याकाल में डूबते सूरज को अर्घ्य दिया गया है।इस दिन पहले भगवान सूर्य और छठी मैय्या की विधिवत पूजा की गई है।

फिर शाम के समय अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दीया गया है।इस बारे में प्रवेतिन लोग ने कहा कि इस दिन सूर्य देव की उपासना से संतान प्राप्ति, संतान की रक्षा और सुख समृद्धि का वरदान मिलता है।

## छठ के प्रति श्रद्धा और आस्था ने निर्जन क्षेत्र में मनवाया पर्व देश और विदेश में एकांत में मनाते दिखे छठ पूजा

पटना । कहते हैं मन में श्रद्धा हो, धर्म के प्रति आस्था हो, अपनी संस्कृति से प्रेम हो, प्रकृति का मोह हो और परिवार का सम्मान हो तो मनुष्य हर वह काम कर सकता है जिसे वह ठान ले । छठ महापर्व पर ऐसी ही दो तस्वीर देखने को मिली जिसमें दुर्गम और निर्जन क्षेत्र में एकांत में बिहारी छठ पर्व मनाते दिखे । पहली तस्वीर दक्षिण कोरिया के सियोल से जहां भारतीय दूतावास में तैनात पटना के निशिकांत सिंह अपनी धर्मपत्नी शालिनी सिंह के साथ हेन नदी के किनारे भगवान भास्कर को अर्घ्य देते दिखे । वही दूसरी तस्वीर गोवा से है जहां के अंजुना बिच पर वैशाली जिला के सत्यम सूर्यदेव को नमन करते दिखे ।जहां आस पास कोई भी छठवर्ती नहीं देखे ।सत्यम पिछले कई वर्ष से छठ पूजा कर रहे है । पहली बार गोवा में जॉब के लिए गए है। गोवा में बतौर शेफ होटल में अपनी सेवा दे रहे है ।

# चीन के होंकी टीम का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जिला प्रशासन द्वारा भव्य स्वागत किया गया

प्रातः किरण संवाददाता

गया। पर्यटक स्थल राजगीर में आयोजित किए जाने वाले महिला एशियन हॉकी चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने आईं अंतरराष्ट्रीय टीमों का गया के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इन खिलाड़ियों का पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया है। इनके आगमन के ध्यान में रखते हुए 7 नवंबर को जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम एवं वरीय पुलिस अधीक्षक आशीष भारती अधिकारी के द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बोधगया एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी, कर्मी के साथ उनके आवासन स्थलों होटलों,रिसॉर्ट की सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाओं का भी आंकलन किया और सुनिश्चित किया कि सभी सुविधाएं उच्चतम स्तर पर हों। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए खिलाड़ियों की सुरक्षा में कोई कमी न रहे, इसके लिए संबंधित पदाधिकारियों को विशेष दिशा निर्देश भी दिए हैं।गया के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इन खिलाड़ियों का पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया है। राजगीर में 11 से 20 नवंबर तक यह प्रतियोगिता आयोजित की गई है। इस प्रतियोगिता में भाग ले रही भारत सहित विभिन्न देशों की कुल छह टीमें शामिल हैं। इसके पहले भारतीय टीम का आगमन हो चुका है। जिनका स्वागत भी भव्य और भारतीय संस्कृति की परंपरागत तरीके से किया गया था।

# इमामगंज में हम के प्रचार वाहन पर हमला, राजद के लोग कुछ भी कर सकते हैं: ई नंदलाल मांझी

प्रातः किरण संवाददाता

गया । हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रचार वाहन पर लाठी डंडे से लेस असामाजिक तत्वों ने वाहन पर हमला कर दिया और लगे बैनर पोस्टर को फाड़ दिया गया है। इस दौरान असामाजिक तत्वों ने पीएम नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा का नाम लेकर जातिगत टिप्पणी और गाली-गलौज करते हुए वाहन चालक को जमकर पिटाई कर दी। इसके साथ ही हमलावारों ने प्रचार वाहन चालक की मोबाइल फोन छीन लिया और प्रचार वाहन पर लगे पोस्टर को फाड़ दिया।क्षेत्र के बांकेबाजार प्रखंड के पंचमा गांव में हम पार्टी का प्रचार वाहन क्षेत्र में प्रचार के लिए निकला ही था कि प्रचार वाहन को रोककर चालक की पिटाई की गई है। उसके बाद चालक का मोबाइल छीनकर प्रचार वाहन में लगे पोस्टर और बैनर को फाड़कर फरार हो गया है।घटना के बाद क्षेत्र में दहशत व्याप्त है। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के कार्यकर्ता राजद समर्थित कुछ लोगों पर हमला करने का आरोप लगा रहे हैं। घटना की सूचना के बाद मौके पर स्थानीय थाना की पुलिस पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है ।इस घटना के बाद पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। वहीं पुलिस का कहना है कि इस मामले की जानकारी मिली है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है।

इस हमले पर हम के राष्ट्रीय प्रवक्ता नंदलाल मांझी ने कहा कि राजद के कार्यकर्ता जंगल राज्य की स्थापना के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार तेजस्वी यादव और लालू प्रसाद यादव के सपनों का बिहार की स्थापना के लिए कोई भी कु कृत्य करने को तैयार है राजद कार्यकर्ता यह कहना हम के राष्ट्रीय प्रवक्ता ई नंदलाल मांझी ने कहा।

# लोक आस्था का महा पर्व छठ अस्ताचलगामी सूर्य की अर्घ्य के साथ हुआ संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

गया। गया पूजा का अंतिम और आखिरी दिन ऊषा अर्घ्य होता है।इस दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठ के व्रत का पारण किया जाता है। इस दिन व्रती महिलाएं सूर्योदय से पहले नदी के घाट पर पहुंचकर उदित होते सूर्य को अर्घ्य देती हैं। इसके बाद सूर्य भगवान और छठ मैया से संतान की रक्षा और परिवार की सुख-शांति की कामना करती हैं। इस पूजा के बाद व्रती कच्चे दूध, जल और प्रसाद से व्रत का पारण करती हैं। हजारों भगवान सूर्य उदयमान सूर्य की विभिन्न नदी तालाबों, नहरों छठ घाटों पर छठव्रतियों ने श्रध्दा भक्ति भावना और पूरे आस्था और निष्ठा के साथ लोक आस्था का महा पर्व छठ पूजा मनाएं तथा भगवान सूर्य को अर्घ्य दिए। गया के बिंदेश्वरी घाट,पितामेहेश्वर,सुर्य कुंड,केंदुई घाट, , सहित अन्य छठ घाटों पर छठव्रतियों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य प्रदान किए हैं। चारों तरफ छठी मईया की गीत से गुंजायमान रहा है।छठ पूजा समिति सदस्यों ने छठव्रतियों के लिए सुविधाएं व्यवस्थाएं बनाए गए थे। प्रशासन बीडीओ अवतुल्य कुमार आर्य,सीओ मो अकबर हुसैन और थाना अध्यक्ष राजेश कुमार सुरक्षात्मक व्यवस्था में थे।

## संक्षिप्त समाचार

### शहरी इलाके की तुलना में दोगुनी बढ़ी ग्रामीण खपत

**नईदिल्ली, एजेंसी।** शहरी और ग्रामीण बाजारों में उपभोक्ता मांग में क्रमिक सुधार देखा गया और भारत के अधिकतर क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्र मात्रा वृद्धि के मामले में शहरी क्षेत्रों से आगे निकल रहे हैं। 'डेटा एनालिटिक्स फर्म' नीलसनआईक्यू की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय स्रस्श्र उद्योग में जुलाई-सितंबर तिमाही में 1.5 प्रतिशत कीमत वृद्धि पर 5.7 प्रतिशत मूल्य-आधारित वृद्धि और 4.1 प्रतिशत मात्रा वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया कि 2024 की तीसरी तिमाही में शहरी उपभोग वृद्धि 2.8 प्रतिशत रही, जबकि ग्रामीण वृद्धि पिछली तिमाही के 5.2 प्रतिशत से बढ़कर छह प्रतिशत हो गई जो शहरी वृद्धि की तुलना में दो गुना है। छोटी तथा मध्यम एफएमसीजी (दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं बनाने वाली) कंपनियों ने कुछ तिमाहियों में गिरावट का सामना करने के बाद वापसी की है। मूल्य और मात्रा के मामले में बड़ी एफएमसीजी कंपनियों की तुलना में खाद्य क्षेत्र की मदद से उनकी वृद्धि तेज रही। रिपोर्ट में कहा गया कि खाद्य उपभोग वृद्धि दर 2024 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई, जबकि दूसरी तिमाही में यह 2.1 प्रतिशत थी। इसमें कहा गया कि एचपीसी (होम एंड पर्सनल केयर) श्रेणियों में खपत वृद्धि 2024 की तीसरी तिमाही में छह प्रतिशत पर स्थिर रही।

### एचडीएफसी के ग्राहकों के लिए अहम खबर, बैंक ने दिया बड़ा झटका

**नईदिल्ली, एजेंसी।** प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक से लोन लेना अब महंगा हो गया है। बैंक ने अपनी मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट्स में बदलाव किया है। बता दें कि बैंक ने अपने चुनिंदा अवधि वाले कर्ज के लिए एमसीएलआर में इजाफा किया है। निजी बैंक ने इसे 5 आधार अंक यानी 0.05 फीसदी बढ़ा दिया है। एचडीएफसी बैंक की वेबसाइट पर जारी सूचना के अनुसार, एक साल की अवधि के लिए मानक एमसीएलआर दर को 9.45 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। इसी के आधार पर ज्यादातर कंज्यूमर कर्ज मसलन वाहन और पर्सनल लोन की दरें तय की जाती हैं। हालांकि, एक दिन के लिए स्रस्श्र 9.10 प्रतिशत से बढ़कर 9.15 प्रतिशत हो गई है, जबकि एक महीने की दर 0.05 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब 9.20 प्रतिशत हो गई है। अन्य मेच्योरिटी अवधि वाले कर्ज के लिए दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, नई दरें 7 नवंबर, 2024 से प्रभावी हो गई हैं। आपको बता दें यह दर वृद्धि भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से लगातार दसवीं बार अपनी पॉलिसी रेट रेपो को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने के निर्णय के बाद की गई है।

# अमेरिका संग कारोबार को नई दिशा दे सकती है ट्रंप की जीत; एफटीए के भी पूरा होने की गुंजाइश

**नईदिल्ली, एजेंसी।** डोनाल्ड ट्रंप की जीत के साथ ही अब भारत और अमेरिका में कारोबार को नए सिरे से परिभाषित करने और बढ़ावा देने की तैयारी हो सकती है। अगर अमेरिका सकारात्मक कदम उठाता है तो भारत भी अमेरिकी कंपनियों के लिए आसान बाजार पहुंच की पेशकश कर सकता है। दोनों देशों में लंबे समय से उच्च टैरिफ को लेकर विवाद है। सूत्रों के मुताबिक, ट्रंप ने हाल ही में भारत को व्यापार संबंधों का बहुत बड़ा दुरुपयोगकर्ता बताया था। अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान अमेरिका की ओर से सभी आयातों पर टैरिफ बढ़ाने का उन्होंने वादा भी किया था। 2017 से 2021 तक राष्ट्रपति के अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने टैरिफ को लेकर भारत को आंखे दिखाई?थी, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी के साथ बेहतर संबंध बनाए रखा।

हालांकि, ट्रंप के कार्यकाल के अंतिम समय में भारत और अमेरिका अपने मतभेदों को पाटने के प्रयास में एक सीमित समझौते पर बातचीत करने पर सहमत हुए। एक सूत्र ने बताया, अगर इसका अर्थ भारतीय वस्तुओं के लिए बेहतर व्यापार शर्तों का मतलब है तो भारत अमेरिकी कंपनियों के प्रवेश के लिए टैरिफ घटाने को तैयार है।

व्यापार मामलों में ट्रंप का नजरिया लेन-देन वाला है। इससे भारत को बातचीत में मदद मिलती है। मोदी दुनिया के उन पहले नेताओं में से एक थे, जिन्होंने ट्रंप की ऐतिहासिक जीत के बाद उनसे टेलीफोन पर बात की। 2023 में 120 अरब डॉलर के निर्यात के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का शीर्ष निर्यात गंतव्य है।

अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में आयात शुल्क कम कर सकता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में अमेरिका में भारत के राजदूत रहे हर्ष वर्धन श्रृंगला ने कहा, उस दौरान हमारे बीच काफी अच्छा तालमेल था। मुझे लगता है कि उनका दूसरा कार्यकाल और भी बेहतर होगा, क्योंकि दोनों पक्षों ने एक आपसी समझ और सम्मान विकसित किया है, खासकर लीडर के स्तर पर। श्रृंगला ने कहा, ट्रंप के पहले कार्यकाल में भारत ने एक मिनी व्यापार सौदा लगभग पूरा कर लिया था। पर, कोरोना के कारण यह आगे नहीं बढ़ पाया। उनके दूसरे कार्यकाल के समय मुक्त व्यापार समझौता पूरा होने की गुंजाइश है। भारत ट्रंप के इस कार्यकाल में अमेरिका से अपने व्यापार संबंधों को लेकर चिंतित नहीं है, क्योंकि चीन उनके टैरिफ खतरों के लिए मुख्य केंद्र में है। व्हाइट हाउस पर भले ही किसी का भी कब्जा हो, पिछले दशक में दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध बढ़ते रहे हैं।

एंजल वन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप की जीत से अमेरिका और भारतीय शेयर बाजार को बढ़ावा मिलेगा। ट्रंप को बाजार समर्थक माना जाता है, इसलिए जीत सोने पर सुहागा है। इससे निवेशकों का विश्वास बढ़ सकता है। भारतीय शेयर बाजारों में विशेष रूप से चीन+1 रणनीति के कारण अल्पकालिक तेजी देखी जा सकती है, जहां वैश्विक कंपनियां चीन से परे अपने विनिर्माण आधार में विविधता लाने की कोशिश कर रही हैं। भारत एक वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरा है।

## मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज को 50 अरब डॉलर का झटका

**नईदिल्ली, एजेंसी।** देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आज फिर गिरावट दिख रही है। बीएसई पर यह 1.5 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ 1278.70 रुपये पर पहुंच गया।



ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में कंपनी का शेयर उच्चतम स्तर पर पहुंचा था लेकिन उसके बाद से इसके मार्केट कैप में करीब 50 अरब डॉलर यानी करीब 42,18,63,25,00,000 रुपये की गिरावट आई है। अभी इसका मार्केट कैप करीब 17,39,586.54 करोड़ रुपये रह गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कमजोर आय और इकनॉमिक स्लोडाउन के कारण रिलायंस संघर्ष कर रही है। एशिया और भारत के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का बिजनस रिफाइनिंग से लेकर रिटेल तक फैला है। इस साल कंपनी के शेयरों में कम ही तेजी देखने को मिली है। यह बेंचमार्क एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स से लगभग एक दशक में सबसे बड़े अंतर से पीछे है। हाल के महीनों में विदेशी बिकवाली और इनकम ग्रोथ की चिंताओं के कारण शेयर मार्केट में भारी गिरावट आई है। इसके बावजूद देश के प्रमुख सूचकांक अब भी 2024 में एशिया के सबसे अच्छे प्रदर्शन करने वाले प्रमुख बाजारों में से हैं।

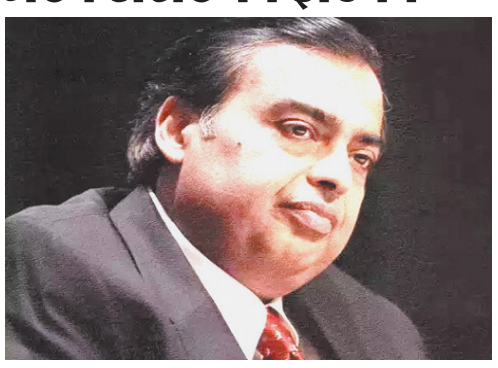

## भारत ने रूसी तेल खरीदकर पूरी दुनिया का भला किया, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने बताया

**नईदिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अनुसार वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच रूस से तेल खरीदने के भारत के फैसले से वैश्विक तेल कीमतों में संभावित उछाल को रोकने में मदद मिली है। अबू धाबी में सीएनएन की बेकी एंडरसन के साथ एक साक्षात्कार में, केंद्रीय मंत्री पुरी ने बताया कि अगर भारत सरकार ने रूसी तेल नहीं खरीदा होता, तो वैश्विक तेल की कीमत सभी के लिए 200 डॉलर तक बढ़ जाती। उन्होंने कहा, आने वाले वर्षों में तेल दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। पुरी ने कहा, वर्ष 2026 तक, जब बाजार में अधिक ऊर्जा उपलब्ध होगी, स्थिति का अध्ययन करने वाले के रूप में, मुझे लगता है कि कीमतों के स्थिर रहने और नीचे आने की संभावना अधिक है।

यह पूछे जाने पर कि भारत ने अक्तूबर में रूस से तेल आयात में लगभग 10 प्रतिशत की कमी क्यों की, पुरी ने बताया कि ऐसा बाजार में प्रतिस्पर्धी तेल दरों के कारण हुआ। उन्होंने कहा, अन्य लोग भी उसी प्रतिस्पर्धी दर पर आपूर्ति करने को तैयार हैं, क्योंकि ओपेक की स्थिति यह है कि वे कीमत से नहीं निपटते। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा चल रही है। यदि आपको यह किसी एक से नहीं मिलता है, तो आपको यह किसी और से मिलता है। यह पूछे जाने पर कि क्या रूसी तेल आयात में कमी एक रणनीतिक निर्णय था, मंत्री ने कहा, ये तेल के बारे में बाजार में लिए गए निर्णय हैं। जब रूस यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ बाजार में 13 मिलियन बैरल रूसी तेल था, यदि अचानक वह तेल बाजार से चला जाता और भारत ने अपने 5 मिलियन बैरल की खरीद को खाड़ी के आपूर्तिकर्ताओं को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया होता, तो तेल की कीमत 200 प्रति बैरल हो जाती। इसलिए मुझे लगता है कि हमने सभी का उपकार किया है।

## भारत आने वाले समय में दुनिया के लिए बनेगा महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र : केवी कामथ

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारत में बैंकिंग प्रणाली को वैश्विक अस्थिरता के बीच मजबूती से खड़ा रखने के लिए स्थानीय ऋणदाताओं को अपनी रणनीतियों में सुधार करने की जरूरत है, खासकर अनसिक्योर रिटेल लोन (जैसे क्रेडिट कार्ड और माइक्रोफाइनेंस) के मामले में। आइसीआइसीआइ बैंक के पूर्व प्रमुख और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन के वी कामथ ने हाल ही में एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी की है। कामथ ने इस साक्षात्कार में भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति, वैश्विक घटनाओं का प्रभाव, चीन की अर्थव्यवस्था और भारतीय कंपनियों द्वारा पूंजीगत खर्च के बारे में भी अपनी राय व्यक्त की।

के वी कामथ ने कहा कि वर्तमान में भारत के जैसी कोई और अर्थव्यवस्था नहीं है, जो वैश्विक संदर्भ में इतनी अच्छी स्थिति में हो। उनका मानना है कि भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए आने वाले 25 वर्षों का समय बहुत महत्वपूर्ण है और भारत आने वाले दशकों तक दुनिया के लिए एक अहम आर्थिक केंद्र बनेगा। कामथ ने अमेरिकी चुनावों के भारतीय निवेशकों पर प्रभाव के बारे में कहा कि यह देखना जरूरी है कि किसी भी वैश्विक घटनाक्रम से भारत पर किस प्रकार का अस्थिरता असर हो सकता है। भारतीय निवेशकों को इन घटनाओं के असर से बचने के लिए तैयार रहना चाहिए और जो हालात पिछले दो वर्षों में आए, उनसे सीखा जा चुका है कि किस प्रकार ऐसे शॉक को सहन किया जा सकता है। चीन की अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए दिए गए बड़े प्रोत्साहन पैकेज के बारे में कामथ ने कहा कि यह चीन के लिए जरूरी था ताकि वह अपनी वृद्धि दर पर लौट सके। .18 ट्रिलियन से अधिक का यह पैकेज चीन के लिए आवश्यक है, ताकि वह वैश्विक परिवर्तनों के बीच अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सके।

उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक की प्रशंसा करते हुए कहा कि कोविड-19 के दौरान केंद्रीय बैंक और सरकार ने शानदार तरीके से अर्थव्यवस्था को संभाला। रिजर्व बैंक ने बिना किसी जल्दबाजी के बहुत ही सोच-समझकर कदम उठाए, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था संकट के बावजूद संभल पाई।

कामथ ने बताया कि भारतीय कंपनियों द्वारा पूंजीगत खर्च में अभी भी अस्थिरता बनी हुई है, हालांकि बड़ी औद्योगिक कंपनियां इस खर्च को बढ़ाने में सक्षम रही हैं। उनका मानना है कि कंपनियों को इस खर्च में वृद्धि के लिए क्षमता विस्तार और नए क्षेत्रों में निवेश की आवश्यकता है। कोविड के दौरान भारतीय कंपनियों ने उत्पादन में तेजी से वृद्धि की और यह बिना बड़े निवेश के केवल प्रक्रिया सुधार और ऑटोमेशन के जरिए संभव हुआ। भारत में चीन से अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए चल रही चीन प्लस एक रणनीति के बारे में चर्चा की। हालांकि, उन्होंने बताया कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश इस साल नकारात्मक रहा है और यह ज्यादातर निजी इक्विटी कंपनियों के एक-दूसरे से खरीदारी के रूप में देखा जा रहा है। के वी कामथ ने भारतीय बैंकिंग उद्योग की स्थिरता पर चर्चा की और बताया कि बैंकिंग प्रणाली को अब अनसिक्योर पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड जैसे ऋणों के मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है

## सोनालीका ने अक्टूबर24 में 20,056 कुल ट्रैक्टरों के साथ अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री का रिकॉर्ड सीज़न दर्ज किया

**सोनालीका ट्रैक्टर्स का ऐतिहासिक सबसे बड़ा मासिक प्रदर्शन किसानों के लिए अनुकूलित ट्रैक्टर बनाने और कृषि समृद्धि को बढ़ावा देने के कंपनी मिशन के अनुरूप है**

**नई दिल्ली एजेंसी।** सबसे बड़े त्योहारी सीज़न के दौरान किसानों के लिए अधिकतम खुशी सुनिश्चित करते हुए, भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अक्टूबर24 में 20,056 कुल ट्रैक्टरों के अपने सर्वाधिक मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड दर्ज किया है। सोनालीका ट्रैक्टर्स के इतिहास में सबसे बड़ा मासिक प्रदर्शन किसानों के लिए अनुकूलित ट्रैक्टर बनाने और कृषि समृद्धि को बढ़ावा देने के कंपनी मिशन के अनुरूप है।

परिवर्तनकारी कृषि विकास के साथ-साथ हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टरों से कृषि क्षेत्र का उत्थान कर रहा सोनालीका ट्रैक्टर्स किसानों के बीच लगातार एक विश्वसनीय ब्रांड बना हुआ है। सबसे बड़े त्योहारी सीज़न के दौरान, कंपनी ने अपने वार्षिक हैवी ड्यूटी धमाका ऑफर द्वारा किसानों के लिए उचित मूल्य पर उन्नत तकनीक से लैस ट्रैक्टरों की पेशकश की जिससे किसानों को जीवन आगे बढ़ने के लिए एक महत्वपूर्ण समर्थन मिला। देश में अपने सबसे व्यापक डीलरशिप नेटवर्क द्वारा कंपनी ने क्षेत्रीय किसानों की आवश्यकताओं के अनुसार सही और अनुकूलित उत्पाद प्लेसमेंट सुनिश्चित किया और प्रत्येक ट्रैक्टर के साथ असाधारण प्रदर्शन के साथ गुणवत्ता प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पूरा किया।

इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, हम 20,056 कुल ट्रैक्टरों की बिक्री के साथ पिछले सभी मासिक बिक्री रिकॉर्ड को पार करके उत्साहित हैं, और ये हमारे कृषक समुदाय के साथ साझा किया गया एक गौरवपूर्ण क्षण है। हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक किसान सही ट्रैक्टर तक पहुंचे, जो विश्वसनीय, अनुकूलित और उनकी आवश्यकताओं के लिए तैयार किया गया हो और स्थाई समृद्धि की दिशा में उनकी यात्रा का समर्थन करता हो। हमारी नई उपलब्धि हमें हर कदम पर किसानों को सशक्त बनाने के लिए इंटेलीजेंट, हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करती है।

## दो भाइयों का कमाल, घर में उगाया दुनिया का सबसे महंगा मसाला, अब लाखों की कमाई

**नईदिल्ली, एजेंसी।** हरियाणा के दो भाइयों नवीन और प्रवीण सिंधु ने कमाल कर दिया है। ये अपने घर में ही कश्मीरी केसर उगाते हैं। उन?होंने घर के अंदर केसर उगाने का नया तरीका ईजाद किया है। इसके लिए भाइयों ने ईरान और इजरायल की उन्नत एयरोपोनिक तकनीक का इस्तेमाल किया। इसमें मिट्टी के बिना ही पौधे हवा में उगाए जाते हैं। इस तकनीक से उन्होंने अपने घर की छत पर ही कश्मीरी केसर उगाकर लाखों रुपये कमाए हैं। केसर को दुनिया का सबसे महंगा मसाला कहते हैं। आइए, यहां नवीन और प्रवीण सिंधु की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। 2018 में दोनों भाइयों ने अपने घर की छत पर 15×15 फीट के कमरे को एक छोटी प्रयोगशाला में बदल दिया। यहां उन्होंने एरोपोनिक्स तकनीक का इस?तेमाल करके केसर उगाना शुरू किया। एरोपोनिक्स एक ऐसी तकनीक है जिसमें पौधे बिना मिट्टी या पानी के, हवा में लटके हुए उगते हैं। उन्होंने इस सेटअप में लगभग 6 लाख रुपये का निवेश किया। इसमें ग्रो लाइट्स, ह्यूमिडिफायर, तापमान नियंत्रण के लिए चिलर और केसर के बल्ब रखने के लिए लकड़ी की ट्रे शामिल थीं।

### ऐसे आया आइडिया

प्रवीण सिंधु को यह आइडिया तब आया जब वह एमटेक की पढ़ाई कर रहे थे। उन्होंने अखबार में घर के अंदर केसर उगाने के बारे में पढ़ा था। उन्होंने अपने भाई नवीन को इस बारे में बताया, जो उस समय ब्रिटेन में एक होटल में काम कर रहे थे। 2016 में प्रवीण की पढ़ाई पूरी होने के बाद दोनों भाइयों ने मिलकर यह अनोखा काम शुरू करने का फैसला किया। प्रवीण थाईलैंड गए और वहां उन्होंने कॉर्डिसेप्स मशरूम उगाने की ट्रेनिंग ली। यह मशरूम अपने औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। इस दौरान, नवीन केसर की खेती सीखने के लिए जम्मू-कश्मीर के पंपोर चले गए। पंपोर केसर की खेती का केंद्र है। यहां भारत का लगभग 90 प्रतिशत केसर उगाया जाता है। उन्होंने वहां के किसानों से केसर उगाने की बारीकियां सीखीं। अपनी जानकारी बढ़ाने के लिए उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय का भी दौरा किया। शुरुआत में प्रवीण और नवीन को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने सबसे पहले कश्मीर से 100 किलो केसर के बल्ब ऑनलाइन मंगवाए थे। लेकिन, वे खराब हालत में पहुंचे। इस असफलता से सीखते हुए अगले साल उन्होंने खुद पंपोर जाकर बल्ब खरीदे। 2019 में उन्होंने 100 किलो बल्ब खरीदे और उन्हें उगाने में सफलता मिली। भाइयों ने अपने परिवार और दोस्तों को यह केसर तोहफे में दी। इससे उत्साहित होकर उन्होंने अगले सीजन में बिचौलियों को दरकिनार करते हुए सीधे 700 किलो बल्ब खरीदे। इससेउन्हें सस्ती दर पर बल्ब मिल गए। उस फसल से उन्हें 500 ग्राम केसर मिला, जिसे उन्होंने 2.5 लाख रुपये में बेचा। 2023 में उनकी छोटी सी प्रयोगशाला में 2 किलो केसर की पैदावार हुई।

## सार समाचार

### पूर्व पाक क्रिकेटर सिकंदर बख्त का तीखा बयान

### यह 2 प्लेयर तो बोझ है

**लाहौर (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही एकदिवसीय श्रृंखला में पाकिस्तान के प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त करते हुए पूर्व पाक तेज गेंदबाज सिकंदर बख्त ने वरिष्ठ और युवा दोनों खिलाड़ियों के फॉर्म की आलोचना की है। हाल ही में एक साक्षात्कार में बख्त ने युवा बल्लेबाजों अब्दुल्ला शफीक और सैम अयूब को टीम पर 'बोझ' बताया, जिससे पाकिस्तान की टीम के चयन और रणनीति पर बहस छिड़ गई। पाकिस्तान टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया में सफेद गेंद की सीरीज खेलने के लिए पहुंची हुई है। पहले ही वनडे में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों में मजेदार जंग हुई थी जिसमें आखिरकार ऑस्ट्रेलिया

जीतने में सफल रहा था। बख्त, जिन्होंने 1976 और 1989 के बीच पाकिस्तान के लिए 26 टेस्ट मैच और 27 एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले, ने कहा कि वरिष्ठ होने के बावजूद बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान लगातार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आगे नहीं बढ़े हैं, जिससे उनके नेतृत्व पर सवाल उठ रहे हैं। बख्त ने कहा कि बाबर और रिजवान टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, फिर भी वे कठिन समय में टीम का नेतृत्व नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका मानना ??है कि वनडे में पाकिस्तान के एकमात्र सच्चे मैच विजेता फखर जमान को गलत तरीके से बाहर कर दिया गया। बख्त ने नसीम शाह की लचीलेपन की प्रशंसा की। युवा तेज गेंदबाज ने पहले वनडे में तब शानदार गेंदबाजी की थी जब पाकिस्तान की टीम पहले खेलते हुए 203 रन ही बना पाई थी। नसीम की किफायती गेंदबाजी के कारण एक समय ऑस्ट्रेलिया पर हार का खतरा मंडराने लगा था। लेकिन अंत में पैट कमिंस ने साझेदारी कर अपनी टीम को जीत दिला दी। मैच के दौरान पाक टीम के संघर्ष और रिजवान के कप्तानी कौशल को सराहा गया था। लेकिन जीत न मिलने के चलते रिजवान भी निंदा का शिकार हुए थे। मैच में मोहम्मद रिज़वान 71 गेंदों में 44 रन बनाकर पाकिस्तान के शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि नसीम ने 39 गेंदों में 40 रन जोड़कर पाकिस्तान को प्रतिस्पर्धी स्कोर के करीब ला खड़ा किया था।

**भारत-आस्ट्रेलिया ए**

### स्पिनर को तोहफे में विकेट दे गए के एल राहुल, गाबा टेस्ट से पत्ता कटना तय

**मेलबर्न (एजेंसी)।** आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में ओपनिंग के लिए दावेदारी पेश करने उतरी केएल राहुल की किस्मत उनका साथ देता दिखाई नहीं दे रही है। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ चार दिवसीय क्रिकेट मैच के दौरान राहुल जहां पहली पारी में 4 ही रन बना पाए थे तो वहीं, दूसरी पारी में भी उन्होंने अपने क्रिकेट फैंस को निराश कर दिया है। तेज और उछाल लेती पिच पर राहुल फिर से संघर्ष करते नजर आए और मात्र 10 रन बनाकर बोल्ड हो गए। भारत ए टीम अब मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को दूसरी पारी में 5 विकेट पर 73 रन बनाकर खेल रही है। राहुल का इस प्रदर्शन के साथ गाबा में होने वाले पहले टेस्ट से पत्ता कटना तय माना जा रहा है।

भारतीय टीम में सलामी बल्लेबाज के एक अन्य दावेदार अभिमन्यु ईश्वरन भी मूव करती गेंदों पर संघर्ष करते नजर आए जबकि अन्य बल्लेबाजों का भी यही हाल रहा। भारत ए की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी है जबकि उसे केवल 11 रन की बढ़त हासिल है। ऑस्ट्रेलिया ए ने भारतीय टीम को पहली पारी में 161 रन पर आउट करने के बाद अपनी पहली पारी में 223 रन बनाए और इस तरह से उसने 62 रन की बढ़त हासिल की। भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन दूसरी पारी में भी जारी रहा जिससे आस्ट्रेलिया की टीम दो मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने के करीब पहुंच गई है। उसने पहला मैच सात विकेट से जीता था। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे मैच में राहुल अजीब तरीके से आउट हुए। उन्होंने हल्की उछाल लेती गेंद को खेलने का प्रयास ही नहीं किया जो उनके पैड से लगकर विकेटों में समा गई। राहुल 44 गेंद की अपनी पारी के दौरान रन बनाने के लिए जूझते रहे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के लिए बैकअप सलामी बल्लेबाज के रूप में भारतीय टीम में चुने गए अभिमन्यु दूसरी पारी में भी नाकाम रहे। अभिमन्यु पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 31 गेंद पर 17 रन बनाए। शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाजों के भी नहीं चल पाने के कारण भारत ए का स्कोर पांच विकेट पर 56 रन हो गया। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल (नाबाद 19) और नितीश कुमार रेड्डी (नाबाद 09) ने इसके बाद टीम को आगे कोई झटका नहीं लगने दिया। इससे पहले प्रसिद्ध कृष्णा के चार विकेट और मुकेश कुमार के तीन विकेट की मदद से भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को 62.1 ओवर में 223 रन पर आउट कर दिया।

**डब्ल्यूपीएल 2025**

# सभी टीमों की रिटेंशन लिस्ट आई बाहर, यह प्लेयर हुई बाहर

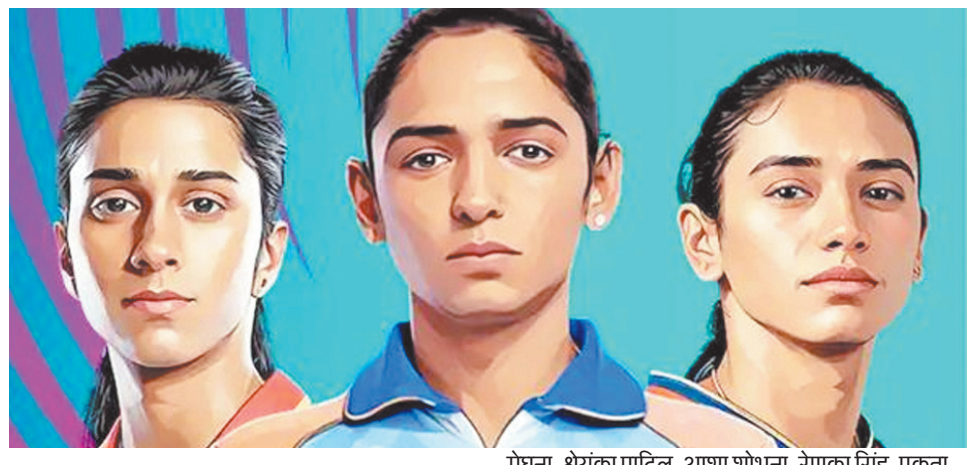

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** स्मृति मंधाना, एलिस पैरी, शेफाली वर्मा, मेग लेनिंग और हरमनप्रीत कौर कुछ बड़े नाम है जिन्हें उनकी फ्रेंचाइजी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल ) क्रिकेट टूर्नामेंट के अगले सत्र के लिए रिटेन (अपने साथ बरकरार रखना) किया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने बृहस्पतिवार को 14 खिलाड़ियों को रिटेन करने की घोषणा की जिसमें 6 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। कप्तान स्मृति, स्टार बल्लेबाज पैरी और विकेटकीपर रिचा घोष को डब्ल्यूपीएल चैंपियन टीम ने अपने साथ बरकरार रखा है।

दिल्ली कैपिटल्स ने शेफाली के अलावा जेमिमा रोड्रिग्स, राधा यादव और अरुंधति रेड्डी जैसी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़े रखा है। विदेशी खिलाड़ियों में लेनिंग, दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप, जेस जोनासेन, एलिस कैप्सी और एनाबेल सदरलैंड को टीम ने अपने साथ बरकरार रखा है। डब्ल्यूपीएल 2025 से पहले मुंबई इंडियन्स ने 14 खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रखा है। मुंबई ने कप्तान हरमनप्रीत, नैट स्किवर ब्रंट, हेली मैथ्यूज, सजना सजीवन, सेइका इशाक जैसी खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

**रिटेन खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है**

#### दिल्ली कैपिटल्स

भारतीय खिलाड़ी-जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, राधा यादव, अरुंधति रेड्डी, शिखा पांडे, तानिया भाटिया, मीनू मणि, स्नेहा दीप्ति, टिटास साधु रिटेन की गईं

विदेशी खिलाड़ी - मेग लेनिंग, मारिजेन कैप, जेस जोनासेन, एलिस कैप्सी, एनाबेल सदरलैंड

#### रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू

भारतीय खिलाड़ी – स्मृति मंधाना, रिचा घोष, सब्बिनेनी मेघना, श्रेयंका पाटिल, आशा शोभना, रेणुका सिंह, एकता बिष्ट, कनिका आहूजा रिटेन की गईं

विदेशी खिलाड़ी – केट क्रॉस, डेनियल वॉट हॉज, एलिस पेरी, जॉर्जिया वेयरहैम, सोफी डिवाइन, सोफी मोलिन्यु

#### मुंबई इंडियंस

भारतीय खिलाड़ी –हरमनप्रीत कौर, शबनिम इस्माइल, यस्तिका भाटिया, पूजा वस्त्राकर, सजना सजीवन, सेइका इशाक, अमनजोत कौर, जिंतिमनी कलीता, कीर्तना बालाकृष्णन और अमनदीप कौर।

विदेशी खिलाड़ी – नेट स्काइवर–ब्रंट, हेली मैथ्यूज, अमेलिया केर, शब्निम इस्माइल, क्लो ट्रायोन।

#### गुजरात जायंट्स (जीजी)

रिटेन खिलाड़ी –एशले गार्डनर*, बेथ मूनी*, भारती फुलमाली, दयालन हेमलता, हरलीन देयोल, काशवी गौतम, लौरा वोल्वार्ड्ट*, मन्नत कश्यप, मेघना सिंह, फोएबे लिचफील्ड*, प्रिया मिश्रा, सयाली सतघरे, शबनम शकील और तनुजा कंवर।

रिलीज खिलाड़ी – कैथरीन ब्राइस*, लॉरेन चीटल*, ली ताहुहू*, स्नेह राणा, तरन्नुम पठान, त्रिशा पूजिथा और वेदा कृष्णमूर्ति।

#### यूपी वारियर्स (यूपीडब्ल्यू)

रिटेन खिलाड़ी – एलिसा हीली*, अंजलि सरवानी, चमारी अथापथु*, दीप्ति शर्मा, गौहर सुल्ताना, ग्रेस हैरिस*, किरण नवगिरे, पूनम खेमनार, राजेश्वरी गायकवाड़, साइमा ठाकोर, श्वेता सहरावत, सोफी एक्लेस्टोन*, ताहलिया मैकग्राथ*, उमा छेत्री, और वृंदा दिनेश.

रिलीज खिलाड़ी – लक्ष्मी यादव, पार्श्वी चोपड़ा, एस. यशश्री, और लॉरेन बेल*। पिछले सीज़न में यूपी वारियर्स तीन जीत और पांच हार के साथ चौथे स्थान पर रहकर प्लेऑफ़ से चूक गया था।

# रुतुराज गायकवाड़ की वकालत में बैठ गए सूर्यकुमार यादव

- **बोले- उनका समय जल्द आएगा...**

**डरबन (एजेंसी)।** डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 से पहले भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की क्षमताओं पर विश्वास व्यक्त किया, जो श्रृंखला टीम से गायब हैं, और कहा कि उनका समय जल्द ही आएगा। भारत की युवा टीम दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर टी20 सीरीज खेलने के लिए तैयार है। शुक्रवार को डरबन में 4 टी20 मैचों की सीरीज का पहला मैच होना है। यादव की यह टिप्पणी भारत की घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड से 0-3 से टेस्ट सीरीज हार, 12 साल में घरेलू सरजमीं पर किसी टेस्ट सीरीज में पहली हार और तीन मैचों या उससे अधिक मैचों की टेस्ट सीरीज में पहली बार व्हाइटवॉश के बाद आई है।

रुतुराज वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की दो मैचों की श्रृंखला में खेल रहे हैं, जहां उन्होंने बल्लेबाज के रूप में कोई प्रभाव नहीं डाला है। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए मेरा मानना ??है कि उनका समय जल्द आएगा। रुतुराज एक शानदार खिलाड़ी हैं। वह सभी प्रारूपों में शानदार और निरंतर रहे हैं... ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो उनसे पहले भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए मुझे लगता है कि प्रबंधन के पास एक दिनचर्या या प्रक्रिया है। रुतुराज ने अब तक 23 मैचों की 20 पारियों में 39.56 की औसत और 143.53 की स्ट्राइक रेट के साथ 633 रन बनाए हैं। वह एक शतक और चार अर्द्धशतक बना चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 123* है। उनकी बेहतरीन पारियों के बावजूद उन्हें बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए नहीं चुना गया है।

बहरहाल, भारत चार टी20 मैचों की सीरीज खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंचा है। दूसरा टी20 मैच 10 नवंबर को गकेबरहा के सेंट जॉर्ज पार्क में होगा, इसके बाद तीसरा 13 नवंबर को सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में होगा। सीरीज का समापन 15 नवंबर को वांडरर्स स्टेडियम में चौथे टी20 मैच के साथ होगा।

**भारत की टी20 टीम**

सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार विशक, अवेश खान, यश दयाल।

**चैंपियंस ट्रॉफी**

# झुका पीसीबी, 'हाइब्रिड मॉडल' अपनाने को तैयार, यूएई में खेलेगा भारत

**कराची (एजेंसी)।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अपने पिछले रुख से पीछे हटते हुए अपनी मेजबानी में होने वाली 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम में बदलाव करने को तैयार है और भारत के मुकाबले यूएई में हो सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इसका मतलब यह है कि टूर्नामेंट 'हाइब्रिड मॉडल% में आयोजित किया जा सकता है क्योंकि मौजूदा सामाजिक-राजनीतिक माहौल और राष्ट्रीय टीम के लिए सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए भारत सरकार के अपनी टीम को पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति देने की संभावना नहीं है। पाकिस्तान ने पिछली बार जब 2023 में एशिया कप की मेजबानी की थी तो इसका आयोजन भी 'हाइब्रिड मॉडल' में किया गया था जिसमें भारत ने अपने मैच श्रीलंका में खेले थे क्योंकि सरकार ने खिलाड़ियों को सीमा पार यात्रा करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र का कहना है कि पीसीबी को लगता है कि भले ही भारत सरकार पाकिस्तान दौरे को मंजूरी ना दे लेकिन कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव किया जा सकता है क्योंकि पूरी संभावना है कि भारत अपने मैच दुबई या शारजाह में खेलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अपनी ओर से किसी भी बोर्ड को अपनी सरकारी नीति के खिलाफ जाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता और यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस मामले में अंतिम फैसला कब लेता है। जब अंतिम फैसला होने की संभावना है तब आईसीसी की अध्यक्षता भारत के जय शाह करेंगे। इस बीच पीसीबी आईसीसी पर अगले सप्ताह तक टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए दबाव डाल रहा है क्योंकि वैश्विक संचालन संस्था के कुछ शीर्ष अधिकारी अगले सप्ताह फिर से लाहौर का दौरा करने वाले हैं।

सूत्र ने कहा कि पीसीबी ने आईसीसी के साथ उस संभावित कार्यक्रम पर चर्चा की है जो उन्होंने कुछ महीने पहले भेजा था और वह चाहता है कि 11 नवंबर को उसी कार्यक्रम की घोषणा की जाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने आईसीसी से कहा है कि संशोधित बजट के साथ एक वैकल्पिक योजना पहले से ही मौजूद है इसलिए संभावित कार्यक्रम जारी करने में देरी करने का कोई मतलब नहीं है। सूत्र ने कहा कि पीसीबी ने आईसीसी से यह भी कहा है कि वह बीसीसीआई पर यह पुष्टि करने के लिए दबाव डाले कि क्या वे अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाली प्रतियोगिता के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजेंगे। सूत्र ने कहा कि पीसीबी चाहता है कि बीसीसीआई लिखित में दे कि उन्हें अपनी टीम पाकिस्तान भेजने के लिए अपनी सरकार से अनुमति मिली है या नहीं।

पीसीबी द्वारा प्रस्तावित अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार अगले साल एक मार्च को लाहौर में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला होना है। टूर्नामेंट 19 फरवरी 2025 को शुरू होगा जिसका पहला मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होगा। फाइनल नौ मार्च को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होगा। अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार सुरक्षा और साजों-सामान से जुड़े कारणों से भारत के सभी मैच लाहौर में ही रखे गए हैं। सूत्रों के अनुसार पीसीबी कराची, लाहौर और रावलपिंडी में अपने स्टेडियमों के नवीनीकरण पर लगभग 13 अरब रुपये खर्च कर रहा है जहां चैंपियन्स ट्रॉफी के मैच होने हैं।

# चेन्नई ग्रांडमास्टर्स शतरंज -राउंड 3

**अर्जुन नें सराना को हराया, विश्व नंबर 2 रैंकिंग पर पहुंचे**

**चेन्नई (एजेंसी)।** फीडे सर्किट 2024 का हिस्सा चेन्नई ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में आज का दिन तीन परिणाम लेकर आया और आज सिर्फ एक मुक़ाबला बेनतीजा रहा । भारत के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरीगैसी का शानदार खेल आज भी जारी रहा और उन्होने आज सर्बिया के नंबर एक खिलाड़ी अलेक्सी सराना को पराजित करते हुए ना सिर्फ अपने खेल जीवन की सर्वोच्च लाइव रेटिंग 2805.8 हासिल की बल्कि वह पहली बार दुनिया के नंबर 2 खिलाड़ी बन गए है । अब अर्जुन से आगे 2831 अंको के साथ सिर्फ पाँच बार के विश्व चैम्पियन और एक दशक से ज्यादा समय से दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैगनस कार्लसन है । अर्जुन नें काले मोहरो से खेलते हुए सराना के खिलाफ आज निमजों इंडियन ओपनिंग मे एक बेहतरीन आक्रामक खेल खेला साथ ही कई मौको पर उन्होने बहुत खतरा भी उठाया पर सराना मिले मौको का फायदा नहीं उठा सके और अर्जुन नें 37 चालों में जीत दर्ज कर दी । आज सिर्फ एक मुक़ाबला बेनतीजा रहा , भारत के विदित गुजराती नें लगातार दो हार के बाद आज हमवतन अरविंद चितांबरम से ड्रॉ खेला और अपना खाता खोला । वहीं ईरान के अमीन तबातबाई नें फ्रांस के मकसीम लागरेव को पराजित करते हुए अपनी दूसरी जीत दर्ज की तो यूएसए के लेवान अरोनियन नें ईरान के परहम मघसूदलू को मात देते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की ।

**इंग्लैंड जिन टर्निंग पिचों पर हारी**

# आईसीसी ने दे दी रेंटिंग, पीसीबी हो गया बागोबाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की हाल ही में इंग्लैंड पर 2-1 टेस्ट श्रृंखला जीत के दौरान इस्तेमाल की गई मुल्तान और रावलपिंडी की पिचों पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रिव्यू किया है। पाकिस्तान इस सीरीज का पहला मैच बुरी तरह हार गया था। लेकिन इसके बाद पाकिस्तान प्रबंधन ने आगामी दो मैचों के लिए ऐसी टर्निंग पिचें बनाई जिसके आगे इंग्लैंड की टीम नतमस्तक हो गई और आगामी दोनों टेस्ट गंवा दिए। क्या पिचों के साथ माणक से ज्यादा छेड़छाड़ की गई, इस पर आईसीसी की टीमों ने जांच की थी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को इस जांच में कोई आंच नहीं आई है क्योंकि आईसीसी ने पिचों को संतोषजनक की रेटिंग दी है। मुलतान में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने 827/7 (डी) रन बनाए थे। इसमें जो रूट (262) और हैरी ब्रूक (317) का बड़ा सहयोग रहा था। लेकिन इसके बाद इंग्लैंड की टीम इन्हीं पिचों पर रन बनाने के लिए संघर्ष करती दिखी थी।

मुलतान में पहला टेस्ट गंवाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक नई चयन समिति का गठन किया था। इसमें आकिब जावेद और अलीम डार शामिल थे। इसी टीम ने मुलतान के ही मैदान पर दूसरा टेस्ट खेलने का फैसला किया। देखा गया कि

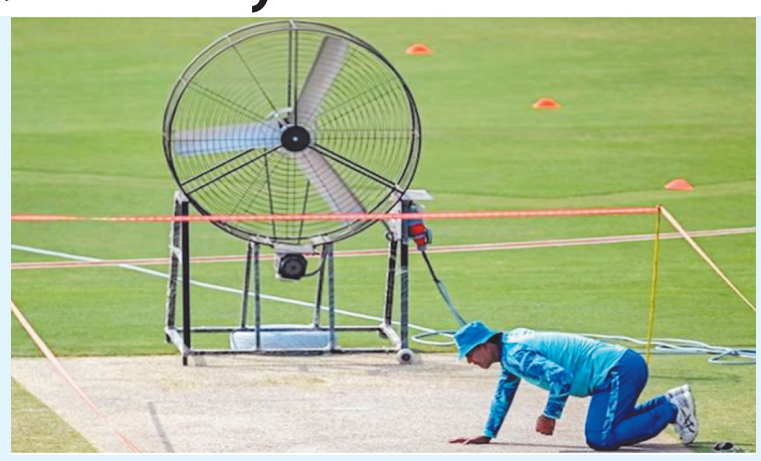

पिच को सुखाने के लिए बड़े पंखों का उपयोग किया गया, जिससे स्पिनरों को लाभ मिल सके। इसी तरह की नीति रावलपिंडी में लागू की गई थी, जहां पिच को सुखाने के लिए विशाल पंखे का उपयोग किया गया था, जो स्पष्ट रूप से गेंदबाजों को स्पिन की कमी के लिए जाना जाता था। दोनों स्ट्रिप्स ने टेस्ट की शुरुआत में तेज स्पिन और असमान उछाल के साथ स्पिनरों को भरपूर सहायता प्रदान की। दूसरे और तीसरे गेम में पाकिस्तान की फिरकी के कारण इंग्लैंड के सभी 40 विकेट गिर गए, जिसने टेस्ट कप्तान के रूप में शान मसूद को पहली सीरीज जीत भी दिलवाई।

## संक्षिप्त समाचार

### मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने कैंसर जागरूकता दिवस मनाया

**अहमदाबाद एजेंसी।** मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने बड़े गौरव के साथ 7 नवंबर को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाया, तथा इस अवसर को कैंसर की रोकथाम और शुरुआती चरण में पहचान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उपचार के कारगर विकल्पों को सुलभ बनाने की जरूरत के लिए समर्पित किया। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस हम सभी को कैंसर के खिलाफ जारी बेहद महत्वपूर्ण संघर्ष की याद दिलाता है, और इस बार को भी सामने लाता है कि समुदायों पर इस बीमारी के प्रभाव को न्यूनतम करना हम सभी की सामूहिक ज़िम्मेदारी है। साल 2024 का राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस, कैंसर की शुरुआती चरण में पहचान एवं रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उपचार को सुलभ बनाने की थीम पर आधारित है। कैंसर जागरूकता दिवस के अवसर पर, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने लोगों एवं समुदायों को कैंसर से बचाव हेतु एहतियाती कदम उठाने के लिए जरूरी जानकारी तथा संसाधनों के साथ सक्षम बनाने का लक्ष्य रखा है। साथ ही, अस्पताल ने समय पर जाँच और बेहतर गुणवत्ता वाले उपचार को सुलभ बनाने की अहमियत पर भी बल दिया, ताकि मरीजों के लिए परिणामों को बेहतर बनाया जा सके और कैंसर से जुड़ी मृत्यु-दर को कम किया जा सके।सामान्य तौर पर भारत में स्तन, सर्वाइकल, तथा मुँह एवं फेफड़े के कैंसर से पीड़ित मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा है। मौजूदा स्थिति से यह बात जाहिर होती है कि, कैंसर से निपटने के लिए ठोस प्रयासों की तात्कालिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए सभी पहलुओं को शामिल करते हुए रोकथाम के उपायों को अपनाने, लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने तथा बेहतर गुणवत्ता वाले स्वास्थ्य सेवाओं को सभी के लिए सुलभ बनाने की जरूरत है।

### काउंटडाउन शुरू हुआ... नेटफ्लिक्स की 'सिकंदर का मुकद्दर' हुए 29 नवंबर प्रसारित होगा

**मुंबई, एजेंसी।** नेटफ्लिक्स का क्राईम ड्रामा सिकंदर का मुकद्दर सभी का इंतजार खत्म करते हुए 29 नवंबर को प्रसारित होने वाला है। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म में जिमी शेरगिल, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, और राजीव मेहता मुख्य भूमिकाएं निभा रहे हैं। इस फिल्म में पांडे ने अपने सिग्नेचर स्टाईल में नेटफ्लिक्स के दर्शकों के लिए कहानी को बहुत दिलचस्प बना दिया है।

### एआई से बनाया टीचर का गंदा वीडियो, ब्लैकमेल से तंग आ करने जा रहा था सुसाइड

**ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।** ग्रेटर नोएडा में साइबर अपराधियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से एक टीचर का महिला के साथ अश्लील वीडियो बनाकर ठगी के लिए ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया था। सेक्सटॉर्शन के जाल में फंसकर खुदकुशी करने जा रहे टीचर को पुलिस ने बचा लिया। उसे काउंसिलिंग के बाद परिजन को सौंपा गया है। साइबर अपराध थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विजय गौतम ने बताया कि सूरजपुर थाना क्षेत्र में तिलपता गोल चक्कर के पास दिल्ली निवासी एक शिक्षक अकेले रहते हैं।

# साइकिल प्योर अगरबत्ती ने अयोध्या में 121 फीट ऊंची अगरबत्ती जलाकर इतिहास रचा

**अयोध्या, एजेंसी।** सायकल प्योर अगरबत्ती, भारत का प्रमुख घरेलू पूजा ब्रांड, रघुकुल फाउंडेशन के साथ मिलकर अयोध्या के भारतकुंड महोत्सव में एक अद्वितीय 121 फीट की अगरबत्ती के साथ भव्यता, दिव्यता और आकर्षक खुशबू का अनुभव प्रदान किया। सात दिवसीय इस आयोजन का उद्घाटन अयोध्या के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट श्री अशोक कुमार सैनी और कमांडो अधिकारी श्री आशुतोष तिवारी द्वारा अपनी तरह की सबसे बड़ी अगरबत्ती जलाकर किया गया। इस वर्ष की शुरुआत में, अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन के दौरान, साइकिल प्योर ने मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा मनाने के लिए मैसूर में 111 फुट की अगरबत्ती बनाई थी, जिसे प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज की मां सुश्री सरस्वती ने प्रज्वलित किया था। प्रकाश समारोह में सांस्कृतिक गौरव और आध्यात्मिक महत्व को दर्शाया गया, जिसका उद्देश्य महोत्सव को खुशी, एकता और पारिवारिक सद्भाव का संदेश देना था।

उद्घाटन समारोह में बोलते हुए अयोध्या के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट श्री अशोक कुमार सैनी ने कहा, ÷भरतकुंड महोत्सव के इस विशेष अवसर का

हिस्सा बनना सम्मान की बात है, यह एक ऐसा उत्सव है जो हमारी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिकता का सार दर्शाता है।÷ सायकल प्योर अगरबत्ती और रघुकुल फाउंडेशन द्वारा निर्मित 121 फीट की अगरबत्ती श्रद्धा और एकता का एक शक्तिशाली प्रतीक है। ऐसे महत्वपूर्ण अभियानों का समर्थन करना एक विशेषाधिकार है, और यह संतोषजनक है कि हम अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने में योगदान दे रहे हैं और भारतकुंड महोत्सव की भावना को ऊंचा कर रहे हैं।

121 फीट की अगरबत्ती के प्रज्वलन पर टिप्पणी करते हुए, श्री अर्जुन रंगा, प्रबंध निदेशक, सायकल प्योर अगरबत्ती ने कहा, ÷हमारी आत्मा में आध्यात्मिकता है और हम कलाकार समुदाय को समर्थन देने और लोगों के जीवन में आशा लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह 121 फीट की अगरबत्ती उसी वादे को साकार करती है, अपनी मनमोहक खुशबू के माध्यम से खुशियाँ फैलाती है और शिल्प कौशल का जश्न मनाती है - प्रेरणा और समर्थन की हमारी साझा यात्रा के लिए एक श्रद्धांजलि।

सायकल प्योर अगरबत्ती की 121 फीट लंबी कृति को 18 कुशल व्यक्तियों की एक समर्पित टीम ने 23 दिनों में तैयार किया, जिसमें शुभ दशांग (शहद, कोनगरी गड्डे, घी, चंदन पाउडर, गुग्गुल, अगरू, सम्ब्रानी, देवदारू, लोबान और सफेद सरसों) के साथ-साथ चारकोल, जिगट और गुड़ जैसे हाथ से चुने गए सामग्री का उपयोग किया गया। निर्माण प्रक्रिया में सायकल प्योर की विशेषज्ञ टीम द्वारा विकसित एक अनूठी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है ।

# महायुति से अलग सुर छेड़ रहे अजित, योगी के बटेंगे तो कटेंगे से बनाई दूरी

**मुंबई, एजेंसी।** अजित पवार ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बटेंगे तो कटेंगे' वाले बयान से दूरी बना ली है। उन्होंने कहाकि कुछ बाहरी लोग इस तरह का बयान देते हैं। महाराष्ट्र के लोग सांप्रदायिक भावना बनाए रखने पर जोर देते हैं। भाजपा नेता योगी आदित्यनाथ बुधवार को महाराष्ट्र में महायुति उम्मीदवार के पक्ष में रैली कर रहे थे। इतना ही नहीं, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने अपने उम्मीदवार नवाब मलिक के प्रति एक बार फिर से खुले समर्थन का इजहार किया। पीएम मोदी द्वारा महायुति उम्मीदवारों के समर्थन में रैली किए जाने के सवाल पर अजित पवार ने कहाकि बारामती में उन्हें किसी अन्य के रैली की जरूरत नहीं है।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने बिना योगी आदित्यनाथ का नाम लिए कहाकि किसी को भी हमारे प्रदेश की तुलना किसी अन्य प्रदेश से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहाकि महाराष्ट्र के लोगों ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव पर ध्यान दिया है। कुछ बाहरी लोग आते हैं और इस तरह के बयान देते हैं, लेकिन महाराष्ट्र ने कभी भी सांप्रदायिक भेदभाव को स्वीकार नहीं किया है। अजित पवार ने कहाकि हमारा प्रदेश छत्रपति शाहूजी महाराज, ज्योतिबा फुले और बाबा साहेब आंबेडकर की आइडियोलॉजी को फॉलो करता है।

इस दौरान अजित पवार ने अपने पार्टी उम्मीदवार नवाब मलिक के प्रति भी समर्थन जताया। उन्होंने कहाकि वह नवाब मलिक के लिए प्रचार करेंगे। मलिक को ईडी ने मनी लॉड्रिंग केस में गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह जमानत पर बाहर हैं और मानखुर्द-शिवाजीनगर सीट से उम्मीदवार हैं। इसी सीट से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के दल के नेता ने भी पर्चा भरा है। दोनों ही महायुति गठबंधन से उम्मीदवार हैं, लेकिन भाजपा शिंदे के उम्मीदवार का समर्थन करेगी। पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह नवाब मलिक के पक्ष में प्रचार नहीं करेगी। अजित पवार ने कहाकि कि नवाब मलिक पर लगाए गए आरोप साबित नहीं हुए हैं। केवल आरोपों के आधार पर उन्हें दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार पर भी अजित पवार ने अपनी बात रखी। पीएम मोदी यहां पर महायुति गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में रैली करने वाले हैं। हालांकि अजित पवार का कहना है कि उन्हें बारामती में किसी के रैली की जरूरत नहीं है।

## शरद पवार के खिलाफ अपशब्द बर्दाश्त नहीं, अजित पवार की एनसीपी को सता रहा डर

**मुंबई, एजेंसी।** एनसीपी प्रमुख शरद पवार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद रायत क्रांति संगठन के नेता सदाभाऊ खोट ने माफी मांगी है। पवार के खिलाफ टिप्पणी करने के बाद उनकी काफी आलोचना हो रही थी। उन्होंने कहा, अगर मेरे बयान से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं अपना बयान वापस लेता हूं। खोट ने सांगली की एक रैली के दौरान कहा था कि क्या शरद पवार महाराष्ट्र की हालत अपने चेहरे की तरह करना चाहते हैं बता दें कि सदाभाऊ खोट की पार्टी राज्य में महायुती का हिस्सा है। अजित पवार की एनसीपी ने भी उनकी आलोचना की थी। अजित पवार ने कहा, शरद पवार को लेकर की गई सदाभाऊ खोट की टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जा सकती। इस तरह के घटिया बयानों का हम विरोध करते हैं और यह महाराष्ट्र की संस्कृति नहीं है। मैं एनसीपी की तरफ से और खुद के तौर पर भी इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं। भविष्य में पवार साहेब के खिलाफ इस तरह के निजी हमले हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

एनसीपी नेता इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि शरद पवार के खिलाफ की गई ऐसी टिप्पणी से कहीं उनको संवेदना ना मिल जाए और उसका फायदा चुनाव मे भी मिले। लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी ने उन्हें भटकती आत्मा कह दिया था। इसके बाद भी एनसीपी नेता लांडे ने कहा था, किसी 84 साल के नेता के खिलाफ इस तरह के बयान उचित नहीं हैं। जुलाई में गृह मंत्री अमित शाह ने शरद पवार को भ्रष्टाचारा का रिंगमास्टर बता दिया था। इसके बाद भी पूर्व विधायक लांडे ने आपत्ति जताई थी। लांडे अजित पवार के करीबी माने जाते हैं। उन्होंने राज्य में बीजेपी चीफ चंद्रशेखर बावनकुले को पत्र लिखा था और कहा था कि पार्टी को इस तरह की बयानबाजी से दूर रहने की जरूरत है। पार्टी के सूत्रों का यह भी कहना है कि शरद पवार के खिलाफ ज्यादा बयानबाजी एनसीपी उम्मीदवारों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है।

## बागेश्वर पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने किए श्रीनाथजी के दर्शन

**जयपुर, एजेंसी।** बागेश्वर पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री और कथा वाचक इंद्रेश उपाध्याय के साथ अल सुबह भीलवाड़ा से सड़क मार्ग से यहां राजस्थान के नाथद्वारा पहुंचे। यहां उन्होंने प्रभु श्रीनाथजी की मंगला आरती के दर्शन किए। मंदिर परंपरा अनुसार बैठकजी में अधिकारी सुधाकर शास्त्री, सहायक अधिकारी अनिल सनाढय, सचिव लीलाधर पुरोहित ने उपरना रजाई ओढ़ाकर व श्रीनाथजी का प्रसाद भेंट कर उनका स्वागत किया।

इस दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि आज श्रीनाथजी के दर्शन कर ऐसा आंनद आया जैसे वृंदावन की कुंज गलियों में द्वापर युग मे हो और श्रीनाथजी से यही प्रार्थना की है कि जल्द से जल्द भारत हिन्दू राष्ट्र हो जाए। सभी धर्म विरोधी यहां से भाग जाएं। उन्होंने कहा कि धर्म से राजनीति चलती है, राजनीति से धर्म नही चालता है। धर्म का उपयोग वोट बैंक के लिए नही किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म धारणाओं का विषय है प्रचीन परम्पराओं का विषय है, उत्साह, आनंद, मोक्ष का विषय है। धर्म के रास्ते मे संकीर्णता नही होने चाहिए, सनातन अखंड है और राजनीति से इसे नही जोड़ना चाहिए।

# वसुंधरा राजे को लेकर भाजपा के नेता दे रहे हैं बार-बार सफाई

**जयपुर, एजेंसी।** राजस्थान विधानसभा की 7 सीटों पर उपचुनाव को लेकर चुनाव प्रचार चरम पर है, लेकिन उपचुनाव को लेकर सीएम भजनलाल शर्मा की घबराहट दिखाई दे रही है। जिन 7 सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं उनमें मात्र एक सीट सलूंबर में बीजेपी का कब्जा था। अन्य सीटों पर कांग्रेस और क्षेत्रिय दलों का कब्जा है, लेकिन इसके बावजूद सीएम भजनलाल की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। सियासी जानकारों का कहना है कि 7 में से 5 सीटों पर चुनाव हारने की स्थिति में विरोधी खेमा मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग कर सकता है जो अभी तक चुपी साधे हुए है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए सबसे बड़ी परेशानी वसुंधरा राजे को लेकर है। दरअसल, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे उपचुनाव के मंच दूरी बनाए हुए है।यहीं बीजेपी नेता बार-बार वसुंधरा राजे की दूरी पर सफाई दे रहे है। पहले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सफाई दी। इसके बाद प्रदेश प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल ने हर मंच से सफाई दे रहे हैं। दोनों ही नेताओं का कहा है कि वसुंधरा राजे नाराज नहीं है। पार्टी की वरिष्ठ नेता है। पार्टी में उनकी भूमिका को कम नहीं आंका जा सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मदन राठौड़ और राधा मोहन अग्रवाल की बार-बार सफाई से जाहिर होता है कि बीजेपी में अंदरूनी हालत ठीक नहीं है। इसलिए वसुंधरा राजे को लेकर बीजेपी के नेता बार-बार सफाई दे रहे है। हालांकि, खुद वसुंधरा राजे और उनके समर्थकों ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। जानकारों का कहना है कि उपचुनाव के परिणाम से ही सीएम भजनलाल शर्मा का राजस्थान की राजनीति में सियासी कद तय होगा। जानकारों का कहना है कि सीएम विरोधी खेमा नहीं चाहता है कि वह मुख्यमंत्री बने रहे। लेकिन भजनलाल शर्मा पीएम मोदी की पहली पंसद है। ऐसे में विरोधी कैंप के नेता चुप्पी साधे हुए है। राजस्थान में विधानसभा उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान होना है। प्रचार में दूरी बनाए हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ सक्रिय हो गए है। हालांकि, रणनीति के तहत राजेंद्र सिंह राठौड़ को कुछ सीटों के प्रचार से दूर रखा है। दूसरी तरफ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया भी प्रचार के लिए दौरे कर रहे हैं। पूनिया ने अलवर जिले की रामगढ़ सीट पर प्रचार कर बीजेपी प्रत्याशी के लिए वोट मांगे है। लेकिन पूर्व सीएम वसुंधरा राजे दूरी बनाए हुए है। उल्लेखनीय है कि राजेंद्र राठौड़ और सतीश पूनिया को राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का धुर विरोधी माना जाता है।

# मगरमच्छों से भरी नदी में गिर गए थे इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी

**लंदन , एजेंसी।** इंग्लैंड के पूर्व महान क्रिकेट खिलाड़ी इयान बॉथम ने हाल ही में मौत के मुंह से निकलने की अपनी कहानी सुनाई है। दरअसल, बॉथम हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में थे और इस दौरान वह अपने पुराने दोस्त मर्व ह्यूजेस के साथ फिशिंग करने गए थे। लेकिन इस फिशिंग ट्रिप के दौरान बॉथम की जान जोखिम में पड़ गई, जिसका खुलासा अब उन्होंने खुद किया है।

इयान बॉथम और उनके दोस्त मर्व ह्यूजेस एक जहाज से मदरशिप पर जाने की कोशिश कर रहे थे, तभी उनका पैर फिसल गया और वह गंदी नदी में गिर गए। इस नदी का नाम मोयह है, जिसमें मगरमच्छ और ब्लू शार्क जैसी खतरनाक जीव-जंतु रहते हैं। बॉथम ने कहा कि गिरने के बाद उन्हें यह सोचने का समय नहीं मिला कि पानी में कौन-कौन से जानवर हो

सकते हैं। इससे पहले कि कोई जानवर उन पर हमला करता, उनके दोस्त मर्व ह्यूजेस ने उन्हें तत्काल पानी से बाहर खींच लिया। इस हादसे में बॉथम को कुछ चोटें भी आईं। ह्यूजेस और बचाव दल के बाकी सदस्योंने मेरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेहतरीन काम किया। यह सब बहुत जल्दी हुआ और अब मैं ठीक हूं। 68 साल के इयान बॉथम इंग्लैंड के सबसे दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक माने जाते हैं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 102 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने 33.54 की औसत से 5200 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 14 शतक और 22 अर्धशतक भी लगाए। बॉथम का वनडे करियर भी शानदार रहा, उन्होंने 116 वनडे मैचों में 23.21 की औसत से 2113 रन बनाए, जिसमें 9 अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड के लिए उनका आखिरी मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 24 अगस्त 1992 को था।

# 16 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं चला पाएंगे एफबी, इंस्टाग्राम, टिकटाक....सरकार का बड़ा एक्शन

**कैपटाउन, एजेंसी।** सरकार 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और संचार मंत्री मिशेल रोलैंड ने इस संबंध में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। गुरुवार को, उन्होंने घोषणा की कि सोशल मीडिया तक पहुंचने की न्यूनतम आयु सीमा को 16 वर्ष तय करने के लिए कानून बनाया जाएगा। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने संसद में आयु सीमा से संबंधित कानून लाने का संकल्प लिया था, लेकिन कोई स्पष्ट कट-ऑफ उम्र का जिक्र नहीं किया था।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री अल्बनीज ने कहा कि

सरकार बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर न्यूनतम आयु सीमा लागू करेगी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमारे बच्चों को सोशल मीडिया नुकसान पहुंचा रहा है, और इस पर रोक लगाना आवश्यक है। यह एक गंभीर सामाजिक मुद्दा है, जिसके परिणाम हम जानते हैं। सरकार की योजना के अनुसार, यदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए एक्सेस को प्रतिबंधित करने में विफल रहते हैं, तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। हालांकि, 16 साल से कम आयु के बच्चों और उनके माता-पिता या अभिभावकों पर किसी प्रकार की कार्रवाई या जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई सरकार का प्रस्तावित यह कानून संसद में पारित होने के 12 महीने बाद लागू होगा और इसे सुरक्षा आयुक्त के कार्यालय द्वारा लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री अल्बनीज ने इसे 'दुनिया का अग्रणी कानून' बताया। उन्होंने कहा कि कुछ अपवाद और छूट का प्रावधान रखा जाएगा।

# एलन मस्क ने की कनाडा के पीएम पर भविष्यवाणी

**वाशिंगटन , एजेंसी।** टेस्ला के मालिक और दिग्गज अरबपति एलन मस्क ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को आड़े हाथों लिया। एलन मस्क ने भविष्यवाणी की है कि ट्रूडो आगामी चुनाव में हार जाएंगे। उनकी सरकार जाने वाली है। मस्क ने कटाक्ष किया कि 20 अक्टूबर 2025 या उससे पहले होने वाले आगामी कनाडाई संघीय चुनाव में ट्रूडो चले जाएंगे। उन्होंने यह प्रतिक्रिया जर्मनी की समाजवादी सरकार के गिरने की बात कहने वाले एक पोस्ट पर दी। मस्क ने एक्स पर लिखा, आगामी चुनाव में वे चले जाएंगे।

ट्रूडो झेल रहे अपनों का विरोध

2013 से लिबरल पार्टी का नेतृत्व कर रहे जस्टिन ट्रूडो के लिए आगामी संघीय चुनाव बेहद अहम हैं। इन दिनों ट्रूडो को अपनी ही पार्टी के अंदर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। खास बात यह है कि ट्रूडो

की सरकार अल्पमत में चल रही है। वह किसी भी वक्त गिर सकती है। चुनाव में ट्रूडो की लिबरल पार्टी का सामना विपक्ष के नेता पियरे पोलिएवर की कंजर्वेटिव पार्टी और जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी से होगा। ब्लॉक क्यूबेकॉइस और ग्रीन पार्टी भी ट्रूडो का सियासी गणित बिगाड़ सकती हैं।

एलन मस्क ने जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज को मूर्ख बताया। उन्होंने जर्मन भाषा में पोस्ट किया कि ओलाफ इस्ट ईन नार। इसका मतलब यह होता है कि ओलाफ मूर्ख हैं। मस्क की पोस्ट पर एक उपयोगकर्ता ने कहा कि हमें कनाडा को ट्रूडो से छुटकारा दिलाने में आपकी मदद की जरूरत है। इसी पोस्ट पर एलन मस्क ने अपनी प्रतिक्रिया दी और ट्रूडो की विदाई की भविष्यवाणी कर दी।

**तो इसलिए वित्त मंत्री को हटायात्र**

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने बुधवार को अपने वित्त मंत्री को कैबिनेट से निकाल दिया है। अब आशंका है कि सरकार किसी भी वक्त गिर सकती है। स्कोल्ज ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर को निकाल दिया है। देश को नुकसान से बचाने के लिए उन्हें निकालना आवश्यक था। जर्मनी में इन दिनों ट्रैफिक लाइट गठबंधन सत्ता में काबिज है। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के ओलाफ स्कोल्ज, फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी के लिंडनर और ग्रीन पार्टी के रॉबर्ट हैबेक के बीच कई दिनों की वार्ता हुई। इसके बाद वित्तमंत्री को निकाला गया है।

# स्विट्ज़रलैंड में 2025 से लागू होगा स्विस बुर्का प्रतिबंध, उल्लंघन करने वालों पर लगाया जाएगा भारी जुर्माना

**स्विट्ज़रलैंड, एजेंसी।** स्विट्ज़रलैंड 1 जनवरी 2025 से अपने विवादास्पद बुर्का बैन को लागू करने जा रहा है, जिसे 2021 में एक करीबी जनमत संग्रह में मंजूरी मिली थी। यह कानून, जो सार्वजनिक स्थानों पर चेहरे को ढकने पर प्रतिबंध लगाता है, ने विशेष रूप से मुस्लिम संगठनों की ओर से महत्वपूर्ण बहस और आलोचना को जन्म दिया है। वहीं इसको लेकर सरकार ने कहा, सार्वजनिक स्थानों पर चेहरा ढंकने पर विवादास्पद स्विस प्रतिबंध, जिसे व्यापक रूप से बुर्का प्रतिबंध के रूप में जाना जाता है, 1 जनवरी से प्रभावी होगा।बता दें कि तटस्थ स्विट्ज़रलैंड में 2021 के जनमत संग्रह में संकीर्ण रूप से पारित और मुस्लिम संघों द्वारा निंदा किए गए इस उपाय को उसी समूह द्वारा शुरू किया गया था जिसने 2009 में नई मीनारों पर प्रतिबंध लगाया था। वहीं संघीय परिषद ने एक बयान में कहा कि उसने प्रतिबन्ध की शुरुआत तय कर दी है और जो कोई भी इसका अवैध उल्लंघन करेगा, उसे 1,000 स्विस फ्रैंक (1,144 डॉलर) तक का जुर्माना भरना पड़ेगा। आगे बताते हुए सरकार ने कहा, यह प्रतिबंध विमानों या राजनयिक एवं वाणिज्य दूतावास परिसरों पर लागू नहीं होगा, तथा पूजा स्थलों और अन्य पवित्र स्थलों पर भी चेहरा ढका जा सकता है। इसमें कहा गया है, स्वास्थ्य और सुरक्षा से संबंधित कारणों, स्थानीय रीति-रिवाजों या मौसम की स्थिति के कारण चेहरे को ढंकने की अनुमति रहेगी। कलात्मक और मनोरंजन के आधार पर और विज्ञापन के लिए भी उन्हें अनुमति दी जाएगी। वहीं मुस्लिम संगठनों ने इस कानून की कड़ी आलोचना की है, उनका तर्क है कि यह मुस्लिम महिलाओं को असमान रूप से लक्षित करता है। आलोचक इस पहल को व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता पर हस्तक्षेप के रूप में देखते हैं। वहीं इसमें कहा गया है, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और एकत्र होने के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा हेतु ऐसे आवरण की आवश्यकता है, उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए।